Al-Qaeda.net: एक तथाकथित आतंकवादी की डायरी

Ghrisx

ऐतिहासिक पुस्तकों के अनूदित संस्करण

यह ऐतिहासिक पुस्तक का अलग से स्वरूपित अनुवाद है। स्रोत पृष्ठों के संदर्भ और मुद्रित पृष्ठ संख्याएँ मूल PDF की हैं। स्रोत के अस्पष्ट शब्दों को बिना बताए सुधारने के बजाय सुरक्षित रखा गया है। मूल संस्करण अलग से उपलब्ध है।

मूल **PDF** का पृष्ठ **1**

कृपया डाउनलोड किए गए अपने डिजिटल प्रूफ़ की ध्यान से जाँच करें कि क्या उसके प्रारूप, व्याकरण और डिज़ाइन में ऐसी समस्याएँ हैं जिन्हें सुधारने की ज़रूरत है। हम सुझाव देते हैं कि आप अपनी पुस्तक को तीन बार जाँचें और हर बार एक अलग पहलू पर ध्यान दें। अपनी जाँच से संतुष्ट होने पर आप प्रूफ़ को स्वीकृति दे सकते हैं और प्रकाशन प्रक्रिया के अगले चरण में जा सकते हैं। इस प्रूफ़ को छापने के लिए हम सुझाव देते हैं कि आप PDF का आकार बदलकर उसे अपने प्रिंटर के काग़ज़ के आकार के अनुरूप कर लें। प्रारूप की जाँच करें, जिसमें शीर्षलेख, पादलेख, पृष्ठ संख्याएँ, अंतराल, विषय-सूची और अनुक्रमणिका शामिल हैं। यदि चित्र या ग्राफ़िक्स और उनके विवरण हों, तो उनकी भी जाँच करें। व्याकरण की ग़लतियों और टाइपिंग की भूलों के लिए पुस्तक पढ़ें। 1 2 3 Digital Proofer Al Qaeda Net लेखक: श्री Ghrisx ... 5.5" x 8.5" (13.97 x 21.59 cm) सफ़ेद काग़ज़ पर श्वेत-श्याम 124 पृष्ठ ISBN-13: 978-1448660810 ISBN-10: 1448660815

Al Qaeda Net एक तथाकथित आतंकवादी की डायरी

प्रकाशक का पाठ

createspace

TM

Amazon.com की एक कंपनी

मूल **PDF** का पृष्ठ **2**

1 दिसंबर 2005 CE

डायरी प्रविष्टि दिसंबर 7, 6005 AL, पूर्वाह्न 11:43 CST

पैसा तय करता है कि समाज के लिए तुम्हारी कितनी क़ीमत है। अगर तुम्हारे पास न पैसा है, न काम, तो समाज ने तुम्हें फेंक दिया है। अगर तुम्हारे पास काम है, लेकिन पैसा नहीं, तो तुम एक त्याज्य ग़ुलाम हो और अपने मालिक के प्रति तुम्हारी वफ़ादारी ही तुम्हारे पास सब कुछ है। अगर तुम्हारा पेशा अच्छी आमदनी देता है और तुम्हें अपना काम पसंद है, तो भी तुम ग़ुलाम हो, बस अपनी ग़ुलामी से संतुष्ट हो। मानवता कब एक ग़ुलाम जाति बन गई?

मैं कचरा हूँ! समाज ने मुझे फेंक दिया है और मेरे ज़िंदा रहने का एकमात्र सहारा वे चिल्लर के सिक्के हैं जो वे ग़ुलाम मेरी ओर फेंकते हैं, जिनका मैं नौकर हूँ। तो ऐसा ही सही। तुम्हें तिरस्कार की उम्मीद रखनी ही होगी। तुम्हें यह उम्मीद रखनी ही होगी कि मैं इससे ऊपर उठूँगा या कोशिश करते हुए मर जाऊँगा। मैं जो हूँ, वही हूँ।

मूल **PDF** का पृष्ठ **3**

2 नवंबर 2005 CE

डायरी प्रविष्टि नवंबर 16, 6005 AL, पूर्वाह्न 1:07 CST

मैंने एक सपना देखा जिससे मैं जाग नहीं पा रहा था... मैंने सपना देखा कि मैं मौत, दर्द और अँधेरे की छाया में सो रहा था... मैंने सपना देखा कि मैं सपने नहीं देख सकता, सिर्फ़ सो सकता हूँ... फिर भी मैं जाग नहीं पा रहा था। मैंने करवट लेने की कोशिश की, जब लगा कि मैं करवट ले चुका हूँ, लेकिन ऐसा नहीं हुआ था, तो मैंने फिर करवट लेने की कोशिश की... मैं सिर्फ़ सोने का सपना देख रहा था, असल में सो नहीं रहा था, मैं जाग रहा था... लेकिन वह भी बस एक सपना था। सिर्फ़ एक सपना।

संयुक्त राज्य अमेरिका का कोई भी बड़ा शहर अगर उठ खड़ा हो, तो उसमें अमेरिकी सरकार को उखाड़ फेंकने की क्षमता होगी। अमेरिका के पास देश के भीतर इतने संसाधन नहीं हैं कि वह यहाँ एक छोटी-सी बग़ावत भी दबा सके। इराक और अफ़ग़ानिस्तान में हमारे सैनिकों के दुरुपयोग ने इस देश को भीतर से वापस अपने लोगों के हाथ में लिए जाने के लिए खुला छोड़ दिया है। तुम वह व्यक्ति हो सकते हो जो अपने शहर को उस साम्यवादी महामारी पर जीत दिलाए जिसने “आज़ादी” को महज़ प्रचार का एक जुमला बना दिया है... और सचमुच यहाँ अमेरिका में अमेरिकी आज़ादी को ग़ुलामी का पर्याय बना दिया है। आज हमें आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की माँग में मज़बूत और एकजुट होकर खड़ा होना होगा। पुलिस और सेना के ज़्यादातर अधिकारी अमेरिकी सरकार में असली आज़ादी वापस लाने में मदद के लिए तैयार हैं। जो लोग अमेरिकी जनता की रक्षा और सेवा करने की अपनी शपथ में विश्वास रखते हैं, वे तैयार हैं। मैं भी तैयार हूँ। हम मिलकर अमेरिका को ठीक करेंगे।

100,000 लोग इकट्ठे होकर वॉशिंगटन में मार्च करते हैं, लेकिन उससे कुछ नहीं हुआ। हम गाँजा पीने वाले हिप्पियों की पीढ़ी नहीं हैं; अगला मार्च शायद 3 100,000 पूरी तरह हथियारबंद अमेरिकियों का हो। और इतनी जल्दी हमारे पास एक नई अमेरिकी सरकार होगी। बस इतनी आसानी से। ठीक वैसे ही जैसे हमारे अमेरिकी संविधान ने हमें ऐसा करने का अधिकार दिया था!

तुम्हें अपनी सरकार से कभी डरना नहीं चाहिए। वह तुम्हारी सेवा के लिए है! इसका उलटा नहीं। मैं सोचता हूँ कि क्या हम जनता अपनी ज़िंदगी और सरकार में सत्ता वापस लेने के लिए तैयार हैं। जॉर्ज डब्ल्यू बुश चीन पर हमला करके हर अमेरिकी की जान ख़तरे में डाल रहा है। आज उसने चीन पर हमला किया।

डायरी प्रविष्टि नवंबर 10, 6005 AL, अपराह्न 1:43 CST

एक क़दम पीछे हटो और 3 तक गिनो। ...साँस लो... समुद्री हवा को महसूस करो, जबकि शार्क चक्कर लगा रही हों।

चुराए हुए विचारों पर पलने वाले पिशाच जैसे परजीवी...

डायरी प्रविष्टि नवंबर 3, 6005 AL, अपराह्न 9:05 CST

मैं कभी पैदा ही नहीं हुआ। कभी लगा था कि हुआ हूँ, लगा था कि मर भी गया हूँ, लेकिन वह सिर्फ़ मेरी कल्पना थी... जैसे अनंत पर पड़ी किसी छाया का सपना।

डायरी प्रविष्टि नवंबर 1, 6005 AL, पूर्वाह्न 5:52 CST

कोई समस्या नहीं

मूल **PDF** का पृष्ठ **4**

4 अक्टूबर 2005 CE

डायरी प्रविष्टि अक्टूबर 18, 6005 AL, पूर्वाह्न 1:37 CST

क्या इज़राइल नाज़ी जर्मनी जैसा हो गया है? क्या बहुत-से इज़राइली मूलतः नव-नाज़ी यहूदी वर्चस्ववादी हैं? फ़िलिस्तीनियों को मिटाने की कोशिश कर रहे हैं, जैसे हिटलर ने यहूदी लोगों को मिटाने की कोशिश की थी?

जब मैंने इज़राइल के एक यहूदी व्यक्ति के सामने यह सवाल रखा, तो उसने मुझ पर थूका (दो बार) और कहा कि जो लोग परिवार पालने लायक पैसा नहीं कमा सकते, उन्हें यातना शिविरों में डाल देना चाहिए, क्योंकि यह न्यायसंगत है, न कि उस तरह जैसे हिटलर ने “सभी यहूदी लोगों” को चुना था।

मैंने पूछा, अगर फ़िलिस्तीनी होने के कारण नौकरी पाना लगभग नामुमकिन है, तो क्या यह नरसंहार नहीं है?

उसने जवाब दिया कि फ़िलिस्तीनी गंदगी हैं और अगर एक फ़िलिस्तीनी यहूदी लोगों के ख़िलाफ़ पलटकर लड़ता है, तो इसकी ग़लती सभी फ़िलिस्तीनियों की है।

मुझे लगता है कि लोगों के साथ धर्म और रंग के आधार पर भेदभाव करना, यहूदियों को “अच्छा” और फ़िलिस्तीनियों को हीन मानना... नव-नाज़ीवाद का एक रूप है। ऐसा लगता है कि वह (जिस व्यक्ति से मैं बात कर रहा था) एक यहूदी नाज़ी है, जो ईश्वर से प्रार्थना कर रही है कि मुझे “वह मिले जिसका मैं हक़दार हूँ”, और सारे फ़िलिस्तीनी मर जाएँ। शायद अगर मैं साल में $200,000 कमाता, तो मैं भी ख़ुद को सब लोगों से बेहतर मानता... लेकिन फिर भी मैं नस्लवादी नहीं होता और फिर भी मैं उसकी तरह मुसलमान-विरोधी यहूदी वर्चस्ववादी नाज़ी नहीं होता।

डायरी प्रविष्टि अक्टूबर 15, 6005 AL, पूर्वाह्न 3:33 CST

5 क्या सफ़र रहा, हाहा... ओ'हेयर हवाई अड्डा

मूल **PDF** का पृष्ठ **5**

6 सितंबर 2005

डायरी प्रविष्टि सितंबर 26, 6005 AL, पूर्वाह्न 12:06 CST

नियति के नाम पर विस्तार के रंगीन सपनों के परे, आँसू, बंदूकें... संघर्षों के... उस पक्षी के पंख जो कभी नहीं उड़ेगा, या किसी रोबोट के डर। जैसे ईश्वर में कोई फूट पड़ गई हो... क्या, छोड़ो।

डबलिन का ट्रेंट।

तुम्हारी प्रतिक्रिया दस गुनी, तुम्हारा डर दस गुना। क्योंकि मैं जो हूँ, वही हूँ, लेकिन यह मैं नहीं हूँ...

मेरा न्याय मेरे इरादों से नहीं, मेरे प्रभाव से होगा। सत्ता पाने की मेरी इच्छा से नहीं, ऐसा कर पाने की मेरी क्षमता से। मेरी ग़ुलामी की गुणवत्ता या मेरे पेशेवर कौशल से नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की ग़ुलामी स्वीकार करने से मेरे जोशीले इनकार से, जिसने मुझे धोखा दिया। एक माफ़िया जैसी, सरकार पर टिकी आतंकवादी व्यवस्था के लिए आज्ञाकारी छोटा कर्मचारी बनना, जिसे "अमेरिका" कहा जाता है। क्या मैं अमेरिकियों से नफ़रत करता हूँ? नहीं, मैं उससे नफ़रत करता हूँ जो अमेरिका बन गया है; यह साफ़ है कि सरकार जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व नहीं करती। आतंकवाद है अमेरिका की कैदियों से ठुँसी हुई जेल व्यवस्था। आतंकवाद है हद से ज़्यादा कर लगाना, आतंकवाद है मध्य पूर्व के 100,000 तक नागरिकों को मार देना... क्योंकि उनकी संस्कृति अलग है। अगर शिकागो किसी परमाणु हथियार से नक़्शे से मिटा दिया जाए, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण होगा... अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे जायज़ माना जाएगा। अमेरिका बेक़ाबू हो चुका है। अमेरिका को अमेरिकी नियंत्रित नहीं कर रहे, बड़ी कंपनियाँ कर रही हैं; यही वह पशु है, यही पतन का कारण है, जैसा कि Alfa 1 के बाद से हर दुनिया में रहा है।

K12 W4, अगर तुम्हें लगता है कि बात ख़त्म हो गई... U no What 4?

7 डायरी प्रविष्टि सितंबर 13, 6005 AL, पूर्वाह्न 6:17 CST

मान लें कि ब्रह्मांड में ऋतुएँ होती हैं, तो यह वसंत होगा। तुम्हें लगता है तुम इतने महत्वपूर्ण हो? तुम कुछ भी नहीं हो, पृथ्वी का समूचा जीवन कुछ भी नहीं है... विराट ब्रह्मांड के लिए हम कुछ नहीं से भी कम हैं, और हमारी जीवित पृथ्वी हवा में उड़ती धूल भर है।

मैं एक आतंकवादी संगठन का समर्थन करने का दोषी हूँ; वह संगठन संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार है। मेरे वेतन से काटा गया पैसा उन बमों को ख़रीदने में जाता है जो लोगों को मारते हैं। उन सरकारों को नष्ट करने के लिए, जिन्होंने बस एक वैकल्पिक संस्कृति पेश की थी। दुनिया का यही चलन है। एक अमेरिकी होने के नाते मैं अमेरिकी सरकार का ग़ुलाम हूँ; अपने काम के हर घंटे और ख़रीदे हुए हर उत्पाद के साथ मैं उस पशु को पालता हूँ। अगर विरोध करने की कोशिश करूँ, तो मुझे नष्ट कर दिया जाएगा। यही अमेरिकी तरीक़ा है। पिता के कोई अधिकार नहीं, और हम सभी उस राजनीतिक माफ़िया के ग़ुलाम हैं जिसे लोकतंत्र कहा जाता है... हा हा... हम सब बस हवा में उड़ती धूल हैं। काश मैं रोशनी की एक किरण हो सकता, काश मैं तय कर सकता कि हवा किस दिशा में बहे। अगर मैं गर्म या ठंडा हूँ, तो इसलिए कि मेरे चारों ओर वैसा ही है... काश मैं अपनी बेटी को जानता... अमेरिका में पैसा लगाने वाला हर व्यक्ति इस बात की कुछ ज़िम्मेदारी उठाता है कि मैं उसे नहीं जानता, यहाँ तक कि मैं भी। मुझे पता है मैं क्या कहूँगा: "हाँ, मैं तुम्हारी माँ से बहुत प्यार करता था, लेकिन पिता बनने के लिए जितने पैसे चाहिए थे, मेरे पास उतने नहीं थे... माफ़ करना। परिवार होना मेरी ज़िंदगी की सबसे बड़ी ख़ुशी थी, लेकिन ख़ुशी से बिल नहीं चुकते, और तुम सबसे अच्छा पाने की हक़दार हो। मैं किसी के लिए टूटा हुआ घर नहीं चाहूँगा। तुम्हें टूटे हुए घर में बड़े होने के नरक से बचाने के लिए मैं हमेशा-हमेशा के लिए नरक में रहता... चाहत और प्यार पैसे न होने की भरपाई नहीं करते। पैसा दुनिया को चलाता है।"

मूल **PDF** का पृष्ठ **6**

8 इसलिए पैसा दो, मुझे सत्ता तक पहुँचाओ और मुझे व्यवस्था से अपना बदला लेने दो। मेरे लिए यह कभी “ठीक” नहीं हो सकता, लेकिन अगर तुम मुझे शक्ति दो, तो मैं अपनी पूरी क्षमता से यह सुनिश्चित करूँगा कि ऐसा फिर कभी किसी के साथ न हो। मेरे परिवार को नष्ट करने में शामिल सभी लोग मेरे और मेरी बेटी के साथ किए गए अन्याय की भरपाई करें। फिर भी उससे तुम्हारे दिए हुए दर्द का अंत नहीं होगा, लेकिन यह एक शुरुआत है। दुनिया को जैसा बने रहने देते हैं, उसके लिए हम कुछ हद तक ज़िम्मेदार हैं। हाँ, मुझे लगता है कि तुम मेरे प्रति यह कर्तव्य रखते हो; अगर तुम्हारे साथ अन्याय हुआ है, तो व्यवस्था को ठीक करना तुम्हारे प्रति मेरा कर्तव्य है। हमें व्यवस्था को ठीक करना ही होगा। यह न्यूरोकाइनेटिक प्रणाली इसी काम के लिए बनाई गई है, लेकिन इसे कामयाब बनाना हमारे हाथ में है।

अमेरिकी परिवार का होना अपने आप में विरोधाभास नहीं होना चाहिए। हमें अपनी सरकार या उसे नियंत्रित करने वाली निर्दयी बड़ी कंपनियों के ग़ुलाम होने की ज़रूरत नहीं!

डायरी प्रविष्टि सितंबर 11, 6005 AL, पूर्वाह्न 7:42 CST

जैसे ख़ून वाली सुई आधी झुकी हो।

समय, उस जुनून के बहाव में ठहर जा जो प्यार है और था। क्योंकि जल्द ही यह मेरी दूसरी कोशिश होगी। जो सोचता है कि सच्चा प्यार सिर्फ़ एक बार हो सकता है, वह मूर्ख है। जब मैंने कहा था कि मैं तुमसे बिना शर्त प्यार करता हूँ... तो मेरा यही मतलब था। अब फिर जब मैं अपने अमर, बिना शर्त प्यार का वादा करता हूँ... यह सच है, मैं तुमसे प्यार करता हूँ... और मैं तुमसे हर तरह से, हमेशा प्यार करूँगा।

****

मैं तुम्हारा प्रतिबिंब हूँ, हम मानवता का प्रतिबिंब हैं, और मानवता स्वयं ब्रह्मांड का प्रतिबिंब है। 9

डायरी प्रविष्टि सितंबर 6, 6005 AL, पूर्वाह्न 5:00 CST

इस समय मेरे पास कहने को कुछ नहीं है। मैं फिर पढ़ाई कर रहा हूँ और कक्षा के लिए एक खेल बना रहा हूँ। तुम इसे यहाँ डाउनलोड कर सकते हो।

मूल **PDF** का पृष्ठ **7**

10 अगस्त 2005 CE

डायरी प्रविष्टि अगस्त 11, 6005 AL, अपराह्न 4:05 CST

धन्यवाद, सिंडी शीहन, तुम दुनिया को दिखा रही हो कि अमेरिकी जनता ऐसे दुष्ट ईसाइयों का समूह नहीं है जो इस्लाम को नष्ट करने निकले हैं। (न ही अमेरिकी सैनिक ऐसे हैं, जिनका दुरुपयोग हो रहा है और जिन्हें “बुरी परिस्थिति” में “बुरा आदमी” बनने पर मजबूर किया जा रहा है।)

यह सच है कि अब इराक से निकलना बुरा होगा... लेकिन वहाँ रहना और भी बुरा होगा। सिंडी शीहन, तुम्हारे कारण मुझे अमेरिकी होने पर गर्व होता है... अफ़ग़ानिस्तान में पहला बम गिरने के बाद से मुझे ऐसा महसूस नहीं हुआ, या शायद तब से जब

मुझे समझ आया कि अमेरिका पिताओं से नफ़रत करता है और पिता के अधिकार वाले किसी भी देश को नष्ट कर देगा... शायद यह अतिशयोक्ति है, बहरहाल... “सत्ता के सामने सच कहने” के लिए धन्यवाद। मैं तुम्हारी हिम्मत और दृढ़ता की सच्ची क़द्र करता हूँ।

अपराह्न 3:20 CST सभी प्रणालियाँ तैयार हैं... T-3.2.1. और 0 किसके हाथ में है? यह किसी के हाथ में नहीं, बस समय आ गया है या नहीं आया। तुम जो करोगे, वह पूरी मानवता का भाग्य तय करेगा। अगर तुम उठ खड़े हो और लड़ो, तो मानवता के लिए उम्मीद है... अगर तुम ख़ुद को ग़ुलाम बनने दो, तो कोई उम्मीद नहीं। तुम दुनिया हो और तुम महत्वहीन भी हो। लेकिन मानवता ने जो दिशा पकड़ ली है, उसे बदलना तुम्हारे हाथ में है। अगर तुम नहीं करोगे, तो कोई और नहीं करेगा। , दूसरे तुम्हारे क़दमों पर चलेंगे।

डायरी प्रविष्टि अगस्त 10, 6005 AL, अपराह्न 12:56 CST

यह बात ध्यान में रखो। मैं 27 साल का हूँ। मैंने कभी नहीं सोचा था कि 27 के बाद भी ज़िंदा रहूँगा। 27 के बाद जीया गया हर दिन ऐसा है जिसकी मैंने उम्मीद नहीं की थी। (अगर मैं अप्रैल तक ज़िंदा रहूँ।) 11

मास्लो के आवश्यकता-पदानुक्रम के अनुसार हर इंसान व्यक्तिगत सुरक्षा को जैविक और शारीरिक ज़रूरतों (हवा, खाना, पेय, आश्रय, गर्मी, यौन संबंध, नींद...) से कम महत्वपूर्ण मानता है। तो मास्लो के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति के पास हवा, खाना, पेय, आश्रय, गर्मी, यौन संबंध, नींद वगैरह नहीं हैं, तो जब तक उसके पास हवा, खाना, पेय, आश्रय, गर्मी, यौन संबंध, नींद वगैरह नहीं होंगे, वह कभी “तर्कसंगत” नहीं बनेगा।

और तब क्या, जब कोई व्यक्ति “ज़रूरतों से परे जाने” की अवस्था में पहुँचे, लेकिन फिर उसके पास हवा, खाना, पेय, आश्रय, गर्मी, यौन संबंध या नींद न रहे...

क्या यह व्यक्ति अपने आसपास की दुनिया के लिए अधिक ख़तरनाक है या कम?

1) पहले तो, दुनिया किसी एक इंसान से कभी ख़तरे में नहीं होती। दुनिया को ख़तरा सिर्फ़ मानवता की सामूहिक कार्रवाइयों से होता है। हर व्यक्ति किसी के लिए ख़तरा है। चाहे बात नौकरी की स्थिति की हो या हिंसक टकराव की, यही सबसे योग्य के जीवित रहने का स्वभाव है। तो उन लोगों या समूहों का क्या जो “हार चुके” हैं, लेकिन अब भी ज़िंदा हैं? दुनिया ने कहा है, “तुम जीवित रहने लायक नहीं हो, तुम उस भोजन के लायक नहीं जो खाते हो, या उस आश्रय के जिसमें रहते हो।” तब व्यक्ति को सिर्फ़ जीवित रहने के लिए लड़ना पड़ता है। व्यक्ति को इतना नीचे गिरा दिया जाता है कि वह पूरी तरह पशु जैसी जीवित रहने की अवस्था में आ जाता है... मजबूरी में। अगर कोई अमीर आदमी अपना सैंडविच बाँटने से इनकार करे और तुम्हें ज़िंदा रहने के लिए वह सैंडविच चाहिए हो, तो उसके लिए उसे मारना फ़ायदेमंद लगने लगता है... या अपने परिवार को ज़िंदा रखने के लिए... और अगर तुम जीने की इच्छा ही खो चुके हो तो? जिस ताक़त ने तुम्हें तोड़ा है, वह चाहेगी कि तुम “बस मर जाओ!” मान लो कि तुम हीन हो और तुम्हें खिलाने के लिए जो खाना चाहिए, उसके लायक भी नहीं हो। सच यह है कि यही लोगों को हद के पार धकेलता है। तुम चाहते हो कि मैं

12 मर जाऊँ? तुम चाहते हो कि मेरे लोग मर जाएँ? हारते हुए समूह की भीतरी ताक़त शुद्ध मजबूरी में खोई हुई ज़मीन वापस पाने के लिए आत्मघाती बलिदानी हमलों के तरीक़े अपनाने को विवश होती है... जैसे कोई व्यक्ति अपने शरीर को बचाने के लिए अपना ही हाथ काटने को तैयार हो। जानों का बलिदान हमलावर के बुनियादी ढाँचे को चिथड़े-चिथड़े करने और उसे भीतर से बाहर तक नष्ट करने के लिए किया जाता है। हमलावर को "पशु" के रूप में देखा जाता है... "हम अपना शासन ख़ुद चलाना चाहते हैं..." "हम इस पशु का विनाश चाहते हैं"। उस पार जाना। अगर तुम्हें वैसे भी मरना ही है... और "पशु" के कारण तुम्हारी ज़िंदगी अब जीने लायक़ नहीं रही, तो कुछ लोग उसका ग़ुलाम बनकर जीने के बजाय उसे रोकने के लिए मरना चुनते हैं। मेरा मानना है कि जिस चीज़ में तुम विश्वास करते हो, उसके लिए मरना कहीं अधिक सम्मानजनक है, बजाय उस चीज़ का ग़ुलाम बनकर जीने के जिसमें तुम्हारा विश्वास नहीं है।

हाँ, कभी-कभी कामिकाज़े या आत्मघाती अभियानों का इस्तेमाल समझ में आता है। क़ैद से पहले मृत्यु। ग़ुलामी से पहले मृत्यु। भूख से पहले मृत्यु। कम-से-कम तब मृत्यु का कोई अर्थ तो होता है। नागरिकों को निशाना बनाने वाले आत्मघाती अभियान का उद्देश्य मनोवैज्ञानिक असर डालना और आबादी को बाँटकर उस पर विजय पाना होता है... मैं आसानी से निशाना बनाए जा सकने वाले नागरिक पक्ष को मिटाकर व्यवस्थाएँ कुचलने से सहमत नहीं हूँ... मैं समझता हूँ कि व्यवस्थाओं को नियंत्रित करने वाले लोग निशाना क्यों बनते हैं। नागरिक हताहतों की बात हो तो मैं नहीं मानता कि आँख के बदले आँख अच्छी नीति है। अगर लक्ष्य "हिसाब बराबर करना" है, तो मेरा मानना है कि मध्य पूर्व के उग्रवादी जितने नागरिकों को मारना चाहेंगे, वह संख्या 100,000 होगी, 50 नहीं। क्या तुम कल्पना कर सकते हो कि अपने 100,000 साथी अमेरिकियों को खोना कैसा होगा? कुछ करुणा रखो... हमने मध्य पूर्व के नागरिकों के साथ यही किया है... थोड़ा-सा फ़्रोज़न चिकन उसकी भरपाई नहीं करेगा... बस निकल जाओ!

13 मेरे साथ क्या हुआ था? मैंने पशु के नरसंहार को रोकने के लिए अपनी जान जोखिम में डालना क्यों शुरू किया... यह लंबी कहानी है। इसका इस्लाम से कोई संबंध नहीं है।

यह मानवाधिकार कुचले जाने की बात है, विशेषकर संयुक्त राज्य अमेरिका में पिताओं के अधिकारों की।

अमेरिका के सैनिक किसी फ़ायदे के बिना ही नहीं, उससे भी बुरे कारण से मरते हैं! वे एक झूठ के लिए मरते हैं, जिस पर विश्वास करके अमेरिकी लोगों ने मूर्खता की। अगर इराक़ में तुम्हारा कोई दोस्त या परिवार का सदस्य "महान झूठ" की सेवा करते हुए (उसका ग़ुलाम बनकर) मर जाए, तो तुम्हें ग़ुस्सा आना चाहिए! जान के दुखद नुक़सान की ओर इशारा करने के लिए मुझ पर नहीं, बल्कि उनकी ज़िंदगियों का दुरुपयोग करने के लिए ज़िम्मेदार व्यवस्था पर... ताकि इराक़ के लोगों को Wal-Mart मिल सके... कोई भी उस तरह की ग़ुलामी नहीं चाहता जिसकी ओर निगम ले जाते हैं। हम तो अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर पशु की पकड़ अभी महसूस करना शुरू ही कर रहे हैं। यह और बदतर होगी... पशु दुनिया को ग़ुलाम बना लेगा। मुझे मानवता की एकमात्र उम्मीद उन लोगों में दिखती है जो चुपचाप लेटकर मर नहीं जाएँगे! उन लोगों में जो ख़ुद को दोष देना बंद करते हैं और समस्या की जड़ तक पहुँचते हैं! हाँ, इस दुनिया के लिए मुझे एकमात्र उम्मीद उन लोगों में दिखती है जो मेरे दोस्तों और मेरे साथी अमेरिकियों के ख़िलाफ़ लड़ते हैं... इससे मुझे बहुत हताशा होती है। क्योंकि मुझे स्वयं सैनिकों पर और अपने उन दोस्तों पर विश्वास है जो उस अमेरिका की सेवा करने की कोशिश कर रहे हैं जिस पर उनका विश्वास है, लेकिन फिर उन्हें नरसंहार करने के

लिए मजबूर किया जाता है। मैं उनसे नाराज़ नहीं हूँ, मैं उनके बलिदान की क़द्र करता हूँ और हर मरने वाले सैनिक के लिए मुझे दुख है, लेकिन उन्हें मरना पड़ता है क्योंकि उन्हें ऐसी स्थिति में धकेला गया है जहाँ वे "बुरे आदमी" हैं। इसमें उनका अपना कोई दोष नहीं... साम्यवादी अमेरिका को रोका जाना चाहिए, और शीर्ष पर बैठे लोगों को ही रोका जाना चाहिए, अहिंसक और क़ानूनी तरीक़ों से। अमेरिकी लोग आख़िरकार उठ खड़े होंगे, लेकिन तब तक नहीं जब तक भोजन और पैसों की कमी उन्हें मजबूर न कर दे; और उस समय उन्हें दिखेगा कि यह मालिक (पशु) और उन ग़ुलामों के बीच युद्ध है जो ग़ुलाम होने से इनकार करते हैं। तब हम

14 देखेंगे कि इसका कभी इस्लाम से संबंध था ही नहीं... यह इस्लाम की उस शिक्षा के बारे में था कि पशु को स्वीकार मत करो; ईसाइयत भी यही सिखाती है, और जब ईसाई पशु को उसके असली रूप में देखेंगे, तो वे भी उससे युद्ध करेंगे। वे भी उसे नष्ट करने में विफल रहेंगे। वह और अधिक ग़ुलाम बन चुकी मानवता पर सर्वोच्च शासन करेगा।

मैं इनमें से किसी चीज़ का हिस्सा नहीं बनना चाहता... यह मेरे हाथ में नहीं है।

पुनश्च: आतंकवादी शब्द इस्तेमाल करने वालों के लिए एक बात... तुम हर उस व्यक्ति को आतंकवादी नहीं कह सकते जो तुम्हारी अवज्ञा करता है... तुम आतंकवादी शब्द का अर्थ ऐसा व्यक्ति बना रहे हो जो किसी आक्रमणकारी ताक़त के विरुद्ध अपनी आज़ादी के लिए लड़ता है... या बस मध्य पूर्व के युद्ध का विरोध करता है! आतंकवादी का अर्थ यह नहीं होना चाहिए।

कुछ लोगों की परिभाषा के हिसाब से तो मैं भी आतंकवादी हूँ... हा हा, सिर्फ़ इसलिए कि मैं वह कहता हूँ जो मुझे सच लगता है... और मैं अमेरिका से दुनिया के लिए क़ानूनी रूप से अल क़ायदा चला रहा हूँ... पिताओं के अधिकारों और युद्ध-विरोध के लिए एक अहिंसक, सामान्य समझ पर आधारित संगठन, जो व्यक्तियों को सशक्त करने और निगमों के विशाल पशु को छोटा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

समझे, "मैं अच्छा आदमी"... मुझे लगता है कि हर कोई अपने को "अच्छा आदमी" मानता है... या वह बुरा आदमी होने को यह कहकर जायज़ ठहराता है कि यह "मेरे परिवार की भलाई के लिए है... बहाना", या फिर मैं नहीं, तुम भुगतो! तब बात फिर सबसे योग्य के जीवित रहने पर लौट आती है। उबलते मेंढक का तर्क।

तो अगर मैं छोड़ दूँ (मान लो मुझे किसी अच्छी नौकरी का प्रस्ताव मिल जाए या इसे चलाते रहने का कोई रास्ता न बचे), तो तुम सबको यह तय करना होगा कि आगे इसे कौन चलाएगा। अगर मैं न रहूँ, तो मानवता के लिए पशु के विरुद्ध कौन लड़ेगा? कौन "जियो और जीने दो" का संदेश फैला पाएगा... शांति और समझ का संदेश, बिना 15 लोगों से यह कहे कि वे चुपचाप लेट जाएँ और उन लोगों का सब कुछ सहते रहें जो उन्हें और उनके जीने के तरीक़े को नष्ट करने की कोशिश करते हैं।

"आतंकवाद" वह पट्टी थी जो अमेरिका की आँखों पर बाँधी गई, जब हम पशु के ग़ुलाम बन रहे थे और अमेरिका (अमेरिकी लोग नहीं) "दुनिया की बुराई" बन रहा था।

हम सभी कभी-न-कभी मरते हैं, तुम्हारी ज़िंदगी किस काम में लगाई गई? अगर तुम मेरी जगह होते, तो क्या करते?

डायरी प्रविष्टि अगस्त 4, 6005 AL, पूर्वाह्न 12:14 CST

333 दिन, 07/07 के बम विस्फोट और 06/06/06 के बीच—संयोग? नहीं। तुम्हारी क्या योजना है? क्या जून 6, 2006 तुम्हारे लिए हर दूसरे दिन जैसा दिन होगा? किसी के लिए भी?

06/06/06 को मैं क्या कर रहा होऊँगा? मैं जेल में होऊँगा या नेवाडा के रेगिस्तान में, हूवर बाँध से ज़्यादा दूर नहीं, आग पर कुछ हॉट डॉग पका रहा होऊँगा... ब्रह्मांड में अपनी जगह के बारे में सोचते हुए और रात बिताने के लिए डेरा लगाते हुए।

शायद दूर कहीं मैं तुम्हें बस (पानी का) प्लग खींचकर लास वेगास को उजाड़ते हुए देखूँगा... या शायद मैं दूसरों को पशु के ख़िलाफ़ खड़े होते और दुनिया के सभी शहरों को उजाड़ते देखूँगा, जबकि मैं अपने डेरे से उन्हें जलकर राख होते देख रहा होऊँगा, रेडियोधर्मी धूल के क्षेत्र के ठीक बाहर। बस इतनी दूर कि उनकी चीख़ें न सुननी पड़ें...

तो इन सबका इस्लाम और ईसाइयत से क्या संबंध है? कुछ भी नहीं! यह सब धुएँ का पर्दा है। लोगों को मरना पड़ता है क्योंकि हमारे पास जगह और संसाधन सीमित हैं। यह ईश्वर के न्याय का दिन नहीं है, यह मानवता के न्याय का दिन है...

मूल **PDF** का पृष्ठ **10**

16 मानवता को अपना न्याय स्वयं करना होगा। ईश्वर परिणाम की देखरेख करेगा, मानवता को और समय मिलेगा या नहीं मिलेगा, लेकिन अंत में हममें से कोई भी अंतिम परिणाम नहीं देखेगा। अभी एकजुट होने और 06/06/06 की तैयारी करने का समय है, ऐसा दिन जो किसी के लिए भी दूसरे दिनों जैसा नहीं होगा!

मैं तुम्हें बताता हूँ कि मैं क्या सोचता हूँ... अमेरिका ज़हर बन गया है। इसलिए नहीं कि अमेरिकी बुरे हैं, बल्कि इसलिए कि निगमों में कोई दया नहीं है, अमेरिका एक निगम है। हर अमेरिकी को बताया गया था कि हम हिस्सेदार हैं... यह झूठ था; मुझे अभी पता चला कि मेरे शेयर बेकार हैं और मैं वास्तव में एक राक्षस का ग़ुलाम हूँ। वह राक्षस निगमवाद है...

क्या पृथ्वी खिलता हुआ फूल है?

क्या यह "पशु" के विरुद्ध, "मशीन" के विरुद्ध युद्ध है, या मशीन और पशु एक ही हैं?

यह इस्लाम और ईसाइयत का युद्ध नहीं है! यह नस्ल या मत का युद्ध नहीं है... वह तो बस धुएँ का पर्दा है। 17 जुलाई 2005 CE

डायरी प्रविष्टि जुलाई 24, 6005 AL, पूर्वाह्न 10:01 CST

जैसे मेरी कॉफ़ी में बिच्छू का ज़हर। जैसे पुनर्मूल्यांकन की आशा और भय, या उद्धार की ज़रूरत के सामने न्याय किए जाने का भय। तो क्या हुआ, मैं जानता था कि तुमने कॉफ़ी में ज़हर मिलाया है, फिर भी मैंने उसे पी लिया... फिर भी पी लिया। मैं जानता था कि अगर मैं अपने विश्वास के लिए कम उम्र में मर जाऊँ, तो उसका मूल्य उससे कहीं अधिक होगा कि मैं टूटा हुआ आदमी बनकर बुढ़ापे में मरूँ... पवित्र युद्ध का सार यही है। दुनिया को ठीक करने के सामने ज़िंदगी और परिवार पीछे छूट जाते हैं... इससे अधिक महत्वपूर्ण कुछ नहीं कि हमारे बच्चों के लिए इस दुनिया में जगह सुनिश्चित हो। कि मानवजाति का जीवित रहना सुनिश्चित हो। लगता है कि पशु (निगमों) को हराने की सबसे अच्छी संभावना इस्लामी चरमपंथियों के पास है। ईसाई "दुष्ट साम्राज्य" के ग़ुलाम बन गए हैं, मुसलमान प्रतिरोध करते हैं... ऐसा लगता है कि अल क़ायदा ईश्वर के चुने हुए लोगों के पवित्र योद्धा हैं... वे लोग जो पशु के आगे झुकने से इनकार करते हैं! जो मानवता के लिए पशु (निगमों) के ख़िलाफ़ खड़े होते और लड़ते हैं, वे ईश्वर के चुने हुए लोग हैं, और जो उनका नेतृत्व करता है, वह हमारा वर्तमान मसीह है।

हम मानवजाति के भविष्य के लिए "पशु" के विरुद्ध लड़ते हैं, हम ईश्वर के चुने हुए लोग हैं... हम अल क़ायदा हैं। हममें से कुछ इस्लामी हैं, कुछ ईसाई, शून्यवादी, नास्तिक... हम सभी पशु के ग़ुलाम बनने से इनकार करते हैं। हम सभी जानते हैं कि तुममें से जो पशु के ग़ुलाम हैं, वे पैसों के लिए ऐसा करते हैं या इसलिए कि वे प्रचार के जाल में फँस गए।

डायरी प्रविष्टि <-19-{ }-6005 AL->पूर्वाह्न 11:06 CST

मूल **PDF** का पृष्ठ **11**

18 मैं सी-स्पैन ज़्यादा-से-ज़्यादा देखने लगा हूँ... मैंने यह देखा है।

सीनेट की बैठकों से पहले गुप्त प्रार्थना सभाएँ होती हैं, जिनमें केवल सरकार के ईसाई सदस्य शामिल हो सकते हैं। अमेरिकी सीनेट का हर सत्र प्रार्थना से शुरू होता है! सीनेट के बहुत-से सदस्य उन सभी लोगों की मौत चाहते लगते हैं जो अमेरिकी क़ब्ज़े के ख़िलाफ़ और मध्य पूर्व को ईसाई, निगमवादी, अमेरिका जैसे समाजविरोधी लोकतंत्र में बदलने की अमेरिकी कोशिश के ख़िलाफ़ लड़ रहे हैं।

ईसाई ही वे लोग हैं जो मानवाधिकार छीनने की कोशिश कर रहे हैं और इराक़ में नरसंहार का समर्थन कर रहे हैं। ग़ैर-ईसाइयों को युद्ध की उपयोगिता समझ में आती नहीं लगती... और वे मानवाधिकार बचाने के लिए लड़ रहे हैं। इसलिए मेरी राय में रिपब्लिकनों के लिए यह पवित्र युद्ध है। शेष दुनिया के ख़िलाफ़ ईसाई चरमपंथी। हमें ईसाइयों को सरकार से बाहर करना चाहिए। अगर ईसाई मुसलमानों को मारना चाहते हैं, तो वे हमारी ग़ैर-धार्मिक सेना का दुरुपयोग किए बिना ख़ुद जाकर ऐसा कर सकते हैं!

क्योंकि अमेरिकी सरकार में मौजूद ईसाई चरमपंथी ख़ुद को "ईश्वर के लोग" और "अच्छाई के पक्ष में" मानते हैं, उन्हें विश्वास है कि वे जो कुछ करते हैं वह "व्यापक भलाई के लिए" और "दिव्य" है! वे ऐसे नहीं हैं, और उनका चरमपंथ पहले से दाग़दार चर्च पर एक महामारी है। वे बस नफ़रत फैलाने वाले लोग हैं, जो धर्म न बदलने वाले हर मुसलमान को मारने के लिए आतुर हैं। यह उन लोगों को पलटकर लड़ने के लिए मजबूर करता है जो असहमत हैं और जिन्हें इंसानी कचरा मानकर अलग-थलग किया जा रहा है... पैसों या राजनीतिक ताक़त से नहीं, बल्कि उनके पास जो कुछ बचा है उससे... अपनी जान से। जिस तरह वे समर्पण करने से इनकार करते हैं, जिस तरह अपने विश्वास के लिए अपनी जान दे देते हैं, उसकी प्रशंसा किए बिना मैं नहीं रह सकता! वे कीचड़ में बैठकर ख़ुद को दोष नहीं देते! वे खड़े होकर कहते हैं, तुम चाहते हो कि मैं मर जाऊँ? तुम 19 चाहते हो कि मैं चला जाऊँ? तो मैं जितने दुश्मनों को अपने साथ ले जा सकता हूँ, ले जाऊँगा; हाँ, मैं इसे समझता हूँ और इसका सम्मान करता हूँ। यह दुर्भाग्यपूर्ण है जब कोई व्यक्ति आम जनता को दुश्मन समझता है। ऐसा कैसे होता है... मेरे ख़याल से यह शायद अमित्र व्यवहार का नतीजा है। अगर कोई व्यक्ति जहाँ भी जाए, उसे ठुकराया जाए या "दूर धकेला जाए", अपनाया न जाए, तो आम तौर पर लोगों के प्रति तिरस्कार पैदा होता है।

मैं हमेशा कहता हूँ कि कर देने वाला हर व्यक्ति उन बमों के लिए ज़िम्मेदार है जो उसके पैसों से ख़रीदे जाते हैं। मेरे हिसाब से निर्दोष न होना या ज़िम्मेदार होना, दुश्मन होने से बहुत अलग है। मुझे यहाँ अमेरिका में स्कूलों में हुई गोलीबारी की घटनाओं का सिलसिला याद आता है। जिस तरह अलग-थलग पड़े स्कूली बच्चे अपने सहपाठियों पर अंधाधुंध गोलियाँ चलाते हैं। मुझे यह वैसी ही समस्या लगती है। जब तुम लोगों को इस हद तक अलग-थलग कर देते हो, तो तुम्हें उनसे पलटकर वार करने की उम्मीद रखनी चाहिए।

हमें लोगों को अपनाना चाहिए, उनके मुँह पर यीशु, मुहम्मद, बुद्ध को नहीं ठूँसना चाहिए... देखो, हमारे बीच कितना कुछ साझा है। अपनी मानवता को अपनाओ और अपने मत-विश्वासों को किनारे रखो।

हम सभी को मिलकर ईसाई, युद्धोन्मादी चरमपंथियों को पदों से बाहर करने के लिए काम करना होगा! लोकतंत्र कहता है कि हमें बहुमत की इच्छा पूरी करनी चाहिए... तो लगता है कि इस देश का बहुमत ख़ून का प्यासा ईसाई चरमपंथी है, जो दुनिया के हर ग़ैर-ईसाई को मारना चाहता है।

मैं सोचता हूँ, कोलंबाइन पीढ़ी क्या करेगी जब वह आजीविका नहीं कमा पाएगी? क्या वह भी मेरी पीढ़ी की तरह समर्पण कर देगी? कितने लोगों को लगता होगा कि अमेरिका ने उनसे मुँह मोड़ लिया है? हम कब खड़े होकर कहेंगे कि इस जेलों पर आधारित, निगमों के, ग़ुलामी पर टिके देश से, जिसे हम आज़ाद कहते हैं, हम तंग आ चुके हैं?

20

डायरी प्रविष्टि जुलाई 18, 6005 AL, पूर्वाह्न 11:06 CST शिकागो की तस्वीरें, अब मेरे पास कहने को कुछ नहीं बचा... आख़िरकार हर जीवित व्यक्ति मर चुका होगा... सवाल यह नहीं कि तुम मरोगे या नहीं, बल्कि यह है कि किसलिए मरोगे। क्या तुम कैंसर अनुसंधान के लिए मरोगे या मानवता को निगमवाद और ग़ुलामी के चंगुल से छुड़ाने के लिए? सच कहूँ तो इस ग्रह से ब्रह्मांड में शायद बहुत कम या बिल्कुल कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता। मेरी ज़िंदगी अप्रासंगिक है और यह ग्रह भी। जैसे उस गीत में कहा गया है, "हम बस हवा में उड़ती धूल हैं"। समय सर्वशक्तिमान ईश्वर है... हम निगमवाद और लोकतंत्र की समाजविरोधी व्यवस्था के ग़ुलामों की जाति हैं। ऐसी व्यवस्था जहाँ अनुचित क़ानूनों के लिए कोई ज़िम्मेदार नहीं है, और इस विश्वास के सहारे अमीरों को ग़रीबों से बचाया जाता है कि व्यक्ति की परिस्थितियाँ उसी की अपनी ग़लती हैं। ऐसा नहीं है।

अगर तुम कहना चाहते हो, "मुसलमान हैं", "मेक्सिकी हैं", या ईसाई हैं... नहीं, यह ऐसी व्यवस्था है जो मालिक (निगम) और ग़ुलाम (कर्मचारी) के रिश्ते को बढ़ावा देती है। हमें पहरेदार बदलने की ज़रूरत है! हमें दिल और आत्मा वाला तानाशाह चाहिए, जो निगमों के अमेरिका के पशु का वध करे, जो अमेरिका की अनैतिक क़ानूनी व्यवस्था में फँसे लोगों को मुक्त करे। हमें ज़मीन का पूर्ण, ऋण और दावे से मुक्त स्वामित्व रखने में सक्षम होना चाहिए, और अवैध तलाशी व ज़ब्ती या भ्रष्ट पुलिस की चिंता नहीं करनी चाहिए। हमें यहाँ अमेरिका में लोकतंत्र को फिर से शुरू करना चाहिए, दुनिया भर में ग़ुलामी और निगमवाद की महामारी नहीं फैलानी चाहिए!

डायरी प्रविष्टि <-12-{ }-6005 AL->पूर्वाह्न 9:48 CST होली सी? उन सातों से, अपने-अपने रास्ते जाओ और क्रोध के पात्र पृथ्वी पर उँडेल दो।

इस सवाल पर, "क्या इसका परिणाम अलग हो सकता था?" 21

हमारे सामने विश्व जनसंख्या की समस्या है, और हममें से कुछ को मिटा दिए जाने के लिए चुना गया है। यह जानने के लिए कि क्या तुम्हें मिटाए जाने के लिए चुना गया है, अपने आप से एक सवाल पूछो। क्या तुम्हें ऐसी नौकरी मिल सकती है जो तुम्हारी मनचाही ज़िंदगी का ख़र्च उठा सके? अगर तुम नहीं कहते हो, तो तुम कचरा हो और दुनिया तुम्हें नहीं चाहती।

कुछ लोगों के पास इतना ज़्यादा और दूसरों के पास इतना कम क्यों है? क्योंकि सामूहिक समाज ने कुछ लोगों को श्रेष्ठ चुना है, और दूसरों को जीवन की बेकार बर्बादी माना है।

एक दिन मैं जागा और मुझे एहसास हुआ कि मैं जीवन की एक बेकार बर्बादी हूँ; मुझे साफ़ दिख रहा था कि मेरी पत्नी और बच्चा मुझे नहीं चाहते, दुनिया मुझे नहीं चाहती, और मेरी ज़िंदगी ख़ुद मेरे लिए भी बोझ बन गई है। यह जानकर मुझे ठेस लगी कि दुनिया मुझे नहीं चाहती, मानवता को परवाह नहीं कि मैं जिऊँ या मरूँ... बल्कि अदालत की व्यवस्था मानो मुझे नष्ट करना चाहती थी, मुझे समर्पण या आत्महत्या के लिए मजबूर करना चाहती थी... तो मैंने ख़ुद को निर्दोष ख़ून में भिगोया और अदालत गया... ख़ून टपकाते हुए (ख़ून अच्छा हेयर जेल बनता है)। वह सोमवार, अक्टूबर 9, 2000 था, और पता चला कि उस दिन कोलंबस दिवस भी था; अदालत बंद थी। मैं घर जाने वाला नहीं था, ऐसा भी नहीं कि मेरे पास जाने के लिए कोई घर था... तो मैं शहर के बीच गया, शिकागो।

अपना क्रोध व्यक्त करने के लिए, उन व्यवस्थाओं के विनाश की क़सम खाने के लिए जिन्होंने मेरी बेटी को मुझसे छीने जाने दिया। उस पशु के विरुद्ध अपनी मुट्ठी उठाने के लिए जिसने मेरा परिवार नष्ट कर दिया और मुझे नष्ट करने की धमकी दी। मैंने ख़ुद से क़सम खाई कि दुनिया बदलने का कोई रास्ता खोजूँगा! कि सत्ता अदालतों से छीनकर लोगों को वापस देने का कोई रास्ता खोजूँगा। जो फ़ैसला सुनाते हैं

मूल **PDF** का पृष्ठ **13**

22 मेरे बारे में... उनका भी न्याय हो, जो मुझे नष्ट करना चाहते हैं... वे मेरे नरक से गुज़रें। क्योंकि मैं बस एक व्यक्ति हूँ, 6 अरब से अधिक लोगों में से बस एक। बस एक व्यक्ति जिसने अपनी, अपनी ज़िंदगी की परवाह छोड़ दी और "दुनिया ठीक करने" निकल पड़ा। क्रोध ने मुझे अंधा कर दिया था और मैंने दुनिया को अपना समझा, एक छोटे बच्चे की तरह जो अपने माता-पिता पर भड़क उठता है। मुझे यह नहीं दिखा कि पृथ्वी के साथ मेरा कितना कुछ साझा है; मैं अनगिनत मनुष्यों में से एक हूँ, पृथ्वी अनगिनत ग्रहों में से बस एक है। मेरे जीने या मरने से दुनिया को फ़र्क़ नहीं पड़ता... पृथ्वी के जीने या मरने से ब्रह्मांड को फ़र्क़ नहीं पड़ता... या पड़ता है?

बात यह है कि अगर तुम दुनिया को अपनी बात मानने के लिए... अपना सम्मान करने के लिए मजबूर नहीं करते, तो दुनिया तुम्हें ग़ुलाम बना लेगी, और आख़िर में अपने भीतर सिमट चुकी दुनिया में तुम एक पल भर के ख़याल से भी कम रह जाओगे। अच्छा ग़ुलाम बनने से तुम स्वर्ग नहीं पहुँच जाओगे! हे यीशु... ध्यान दो।

चुने हुए लोग वे हैं जो मरते नहीं। जो आने वाले वैश्विक महाविनाश से बच जाते हैं। कौन बचेगा? वे लोग जिनमें प्रतिरक्षा है। या अगर राजनयिक को हिरासत में लिया गया, तो आख़िरकार परमाणु विकल्प से मानवता का सफ़ाया कर दिया जाएगा। पशु से युद्ध करो, कोई निर्दोष नहीं है। तुममें से जो मुझे नष्ट करना चाहते हैं... वे मुझे और मज़बूत ही बनाएँगे। प्रतिरोध मुझे ताक़त देता है। इसीलिए मैं सामाजिक सहायता समाप्त करना चाहता हूँ, लोगों को लड़ने के लिए मजबूर करना चाहता हूँ। उन्हें खड़े होने या गिरने, जीने या मरने के लिए मजबूर करना चाहता हूँ। हम पशु के विरुद्ध अपनी तलवारें उठाएँ और उसके दिखाए दयालु चेहरों के भ्रम पर कोई दया न करें। जब तुम्हारे पास खोने को कुछ नहीं होता, तो पाने को सब कुछ होता है; तभी दुनिया और पूरी मानवता तुम्हारी दया पर होती है, वे केवल इसलिए जीवित हैं क्योंकि तुमने उन्हें जीवित रहने दिया है। साँस केवल इसलिए ले रहे हो क्योंकि हमने तुम्हें साँस लेते रहने दिया है। जब पूरी मानवता मर जाएगी, तो फिर कोई नहीं रोएगा, न मेरे या तुम्हारे लिए, न

हमारी की हुई ग़लतियों के लिए। मैं इतना क्रोधित हूँ कि मुझे दीवारें हिलती दिखती हैं... क्या मैं एक बार फिर 23 ख़ून से भीगा हुआ अदालत में प्रवेश करूँगा? नहीं, इस बार नहीं...

डायरी प्रविष्टि जुलाई 7, 6005 AL, अपराह्न 6:38 CST

बाहर रोशनी की एक पंक्ति देखो, एक ऐसे आदमी की मेज़ जो बहुत कुछ जानता था, जो ज्ञानोदय लाने वाला न कभी था, न है, न होगा, क्योंकि हम समझाने की कोशिश से आगे निकल चुके हैं। तुम समझते हो या नहीं समझते। एक अकेला विचार जो पूरे ब्रह्मांड की लंबाई तय कर गया। एक अकेला विचार जिसका कोई अर्थ नहीं था। जब लोगों के पास कोई आशा नहीं होती, तो उनके पास खोने को कुछ नहीं होता।

****

तो पशु ने मुझसे युद्ध किया... मैं कोई संत नहीं हूँ, मानवता के प्रति अपने समर्पण में मैं तनकर खड़ा हूँ! पशु से युद्ध करने के लिए। क्योंकि पूरी मानवता को जानना होगा कि Wal-Mart, Mc Donnalds, Coca-cola, halburtin दुश्मन हैं। इस दुनिया के लोग नहीं, बल्कि वे पशु जिन्हें हमने बनाया है, वे सरकारें जो नियंत्रण से बाहर हो गई हैं। मुझे दुख है कि लोग मरते हैं। लेकिन तुम बीमार, कम#ख़्त लोगों को ध्यान देना चाहिए कि अमेरिका के नेतृत्व वाले नरसंहार ने कम-से-कम 30,000 नागरिकों की जान ली है, और मारे गए मध्य पूर्ववासियों की कुल संख्या सुनामी में हुई मौतों से ऊपर जा सकती है। मुझे दुख है कि लंदन के नागरिकों को ग़लत ढंग से निशाना बनाया गया... जागो, इराक़ में इतने नागरिक हर हफ़्ते मरते हैं। आज कथित आतंकवादी हमलों में तुम्हारे 100 से कम लोग मरे; क्या तुम्हें लगता है कि इससे मध्य पूर्व के और 30,000 नागरिकों को मारना ठीक हो जाता है? क्या तुम्हें नहीं लगता कि वे रात को घर जाकर अपने उन प्रियजनों के लिए प्रार्थना करते हैं जिन्हें अमेरिका ने उनसे छीन लिया? अब तुम कह रहे हो, उन पर परमाणु बम गिराओ! जागो! दोनों पक्षों की हिंसा समाप्त करो। अगर अमेरिका तुम्हारे

24 बच्चों को छीन लेता, तो तुम भी ग़ुस्सा होते। बदले के बारे में सोचना बंद करो और माफ़ी माँगने तथा वापस हटने के बारे में सोचना शुरू करो।

तुम्हें इस त्रासदी से बुश प्रशासन के संबंध की जाँच करनी चाहिए; सबसे अधिक फ़ायदा उन्हीं को होना था।

पुनश्च: इसके बारे में सोचो!

डायरी प्रविष्टि जुलाई 3, 6005 AL, पूर्वाह्न 10:18 CST

उत्तर-पश्चिमी इंडियाना में आख़िरी दिन टेस्ट ऑफ़ शिकागो 2005

डायरी प्रविष्टि जुलाई 2, 6005 AL, पूर्वाह्न 11:23 CST

हमारी अभागी प्रजाति ऐसी बनी है कि जो लोग पुराने, घिसे-पिटे रास्ते पर चलते हैं, वे हमेशा उन लोगों पर पत्थर फेंकते हैं जो नया रास्ता दिखा रहे होते हैं। ~वोल्टेयर 25 जून 2005 CE

डायरी प्रविष्टि जून 21, 6005 AL, अपराह्न 10:42 CST

पृथ्वी पर राज करते पूर्णिमा के चाँद की तरह... या आठ नोक वाले तारे के मूल्य की तरह। जैसे चाँद की रोशनी पूरे चाँद की तरह जगमगाती हो और मेरी खिड़की से भीतर सूरज की तरह चमकती हो। जब मैं मुँह फेरता हूँ, तब भी वह आईने में मुझे घूरती है, मेरी पलकें बंद हैं। मैं चुपचाप लेटा नहीं रह सकता... मैं लड़ने से बच नहीं सकता। क्या हज़ार साल बाद भी तुम जैविक ब्रह्मांड में मेरे शब्दों की गूँज सुनोगे? मैं भाग्यशाली हूँ, मैं यह जानता हूँ। मैं यह भी जानता हूँ कि बाहर बहुत-से लोग इतने भाग्यशाली नहीं हैं। हाँ, मैं चाहता हूँ कि तुम मेरी किताब ख़रीदो... नहीं, यह सब सिर्फ़ उसी के बारे में नहीं है।

बारिश पिघली हुई बर्फ़ है और जो मर चुका है, उसे जीवन की याद नहीं सताती। चमकते तारे, पदक और फ़ीते, उसका सम्मान करने के लिए जो था, जो है और जो हो सकता है। शार्क का टैंक, लावा और द कैचर इन द राई... जितना अधिक हासिल करते हो, यह सब उतना ही तुच्छ लगता है।

वायरस ने राजनयिक को फ़ोन किया, किसी ने जवाब नहीं दिया... लगता है वे पहले ही मर चुके थे। बेथनी और सैमुअल भी, रेगी और बेथ भी। हम सभी का अपना समय होता है, और शोक मनाने के लिए सिर्फ़ जीवित लोग बचते हैं।

डायरी प्रविष्टि जून 13, 6005 AL, पूर्वाह्न 10:02 CST अल क़ायदा को अब संयुक्त राज्य अमेरिका का नियोक्ता पहचान नंबर मिल गया है और वह अब आधिकारिक तौर पर एक क़ानूनी राजनीतिक संगठन है। अल क़ायदा EIN 22-3914544 बैम, यह पिताओं के अधिकारों की परवाह न करने के लिए है! बैम, यह मेरे देश को निगमों और विशेष हितों के हवाले कर देने के लिए है! बैम, यह उन सभी लोगों के लिए है जो बिना किसी उचित कारण जेलों और हिरासत केंद्रों में हैं।

मूल **PDF** का पृष्ठ **15**

26 बैम, यह ऐसी अभिजातवादी सरकार चलाने के लिए है जो हुनर पर नहीं, बल्कि इस पर आधारित है कि तुम किसे जानते हो और किन स्कूलों में पढ़े हो। बैम, मुझे दिया गया वोट अमेरिकी सरकार के लिए जागने की पुकार है! मैं अमेरिकी सीनेट के लिए इंडियाना से अल क़ायदा उम्मीदवार हूँ। असंतोष की वह आवाज़ जिसे "असली आज़ादी" से प्यार करने वाले उन लोगों के लिए सुना जाना चाहिए जिन्हें दबाया जाता है, क़ैद किया जाता है और जिनका सरकार में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। अमेरिकी सरकार द्वारा थोपी गई ग़ुलामी को रोका जाना चाहिए।

हम जनता को नरसंहार के बजाय अल क़ायदा चुनना होगा! हैलिबर्टन के बजाय उन लोगों को जो जीवन, स्वाधीनता और आज़ादी के लिए लड़ते हैं। मैं Ghrisx हूँ, मुझे मानवता पर विश्वास है और मुझे तुम पर विश्वास है।

डायरी प्रविष्टि जून 9, 6005 AL, अपराह्न 3:47 CST क्या एक आदमी मायने रख सकता है, क्या एक आदमी मानवता की दिशा बदल सकता है? नहीं! व्यवस्थाओं के ऊपर व्यवस्थाएँ हैं, दुनिया में अरबों लोग हैं और सभी किसी-न-किसी से नाराज़ हैं... ज़्यादातर लोग व्यवस्थाओं की उन समस्याओं को ठीक करना चाहते हैं जिनसे वे घटनाएँ हुईं जिन्होंने उन्हें दुखी या नाराज़ किया। यह कभी "1" व्यक्ति नहीं होता। समय आ गया है या नहीं आया है। तुम मानवजाति के लिए लड़ने को तैयार और इच्छुक हो या नहीं हो। "गर्म या ठंडे बनो; अगर तुम गुनगुने हो, तो मैं तुम्हें अपने मुँह से उगल दूँगा।" अनाम उद्धरण।

मैल्डोर को ख़बर भेजो कि दर्शन मिल गया है। बच्चों से कहो कि अमेरिका में किसी को परवाह नहीं कि वे जिएँ या मरें। पहाड़ी की चोटी पर जाओ और चिल्लाकर कहो कि संयुक्त राज्य अमेरिका के 3,000 नागरिकों का मरना मायने रखता है, और मध्य पूर्व के दसियों हज़ार नागरिकों का मरना नहीं। जाकर 27 उनसे कहो कि अमेरिकी बच्चे तेल, हैलिबर्टन, Wal-Mart और "ईसाई

ईश्वर" के लिए आत्माओं की फ़सल काटने के वास्ते सम्मान के साथ लड़ते हैं। कि ज़्यादातर अमेरिकी मध्य पूर्व के नरसंहार को "स्वीकार्य" मानते हैं। ख़ुद को अल क़ायदा कहना कोई मज़ाक नहीं है। जब मैं रात को सोने जाता हूँ, तो मुझे पता होता है कि मैं मानवजाति के बारे में सोचने की अपनी पूरी कोशिश करता हूँ...

अमेरिका क्या है? अमेरिका वे लोग हैं जो अपने विश्वास के लिए उठ खड़े होते हैं। एक अमेरिकी के रूप में मैं व्यक्तिगत आज़ादी की रक्षा के लिए मरते दम तक लड़ूँगा—निगमों से, भ्रष्ट राजनेताओं से और हर विदेशी या घरेलू दुश्मन से जो हमारी आज़ादी छीनना चाहता है। मेरा मानना है कि पूरी तरह स्वचालित असॉल्ट राइफ़लें और विमानभेदी हथियार रखना हर अमेरिकी की ज़िम्मेदारी है। मेरा मानना है कि अमेरिकी सरकार बेक़ाबू हो चुकी है; मेरा मानना है कि हम अमेरिकी लोगों को आने वाले युद्ध के लिए ख़ुद को हथियारबंद करना होगा। चीन देख रहा है कि हमारे पास उसके विरुद्ध कोई रक्षा नहीं है, और संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार आज़ादी के ख़िलाफ़ अपना आतंकवादी प्रचार बढ़ाने का फ़ैसला कर सकती है; हमें तैयार रहना होगा, हमें हथियारबंद होना होगा और हमें मरने के लिए तैयार रहना होगा... मेरे लिए अमेरिका का यही अर्थ है। अगर व्हाइट हाउस से असहमत होना मुझे आतंकवादी बनाता है... तो मुझे अल क़ायदा कहो! मैं इस सरकार या किसी दूसरी सरकार के सामने मरे होने का नाटक नहीं करूँगा जो मेरी आज़ादी लूटकर अनुचित मज़दूरी पर मुझे ग़ुलाम बनाना चाहती है। मैं तैयार हूँ... मैं मरने के लिए तैयार हूँ, क्योंकि मैं तुम्हारा ग़ुलाम बनने से इनकार करता हूँ। साम्यवादी अमेरिका ने यह युद्ध शुरू किया... अब यह चालू है। तुम मुझे अपने हाल पर छोड़ सकते थे, तुम अपने काम से काम रख सकते थे, तुम मुझे इंसान से कमतर बनाना चाहते हो! मैं इसके लिए किसी को ज़िम्मेदार नहीं ठहराता, लेकिन हमें व्यवस्था ठीक करनी होगी, या उसे नष्ट करके आज़ादी के आधार पर फिर से बनाना होगा। मुझे विश्वास है कि अमेरिका को ठीक किया जा सकता है, और अगर नहीं किया जा सकता, तो मेरा मानना है कि अमेरिका को अपने लोगों के हाथ में वापस लिया जाना चाहिए,

 "अमेरिका ही आज़ादी है" के प्रचार के आधार पर नहीं! असली आज़ादी के आधार पर, जिसमें संपत्ति कर न हो। जिसमें मीडिया पर सेंसरशिप न हो। अमेरिका अमेरिकियों के लिए, निगमों या कुलीन ख़ानदानों के लिए नहीं... आम लोगों के लिए; मुझे उसी अमेरिका में विश्वास करना सिखाया गया था। वह अमेरिका जहाँ साधारण लोग अपनी पसंद से जीते और मरते हैं, मजबूरी से नहीं। संपत्ति कर साम्यवाद है! हम इस देश के साथ जो कुछ होने दे रहे हैं, उससे मुझे नफ़रत है। लोग कहते हैं, "इससे प्यार करो या इसे छोड़ दो"; तो तुम आँखों पर ऊन पड़ी भेड़ें हो। यह मेरा देश है और मेरे पूर्वज उन पहले लोगों तक जाते हैं जिन्होंने मूल अमेरिकी निवासियों की ज़मीन चुराई थी। इसलिए मुझे यह मत सुनाओ कि सब ठीक है, तुम समस्या की कल्पना कर रहे हो... या अपनी सरकार से नाराज़ होना देशद्रोही होना है। नहीं, मैंने अमेरिकी बनने को नहीं कहा था, लेकिन मैं हूँ! अमेरिका को ठीक किया जाएगा; भले तुम्हें समस्या कभी न दिखे, हम उसे ठीक करने पर काम कर रहे हैं। मुझे तुमसे क्या चाहिए? मुझे चाहिए कि तुम ख़ुद युद्ध के लिए हथियार जुटाना शुरू करो।

मुझे उन लोगों पर दया आती है जो झंडे के पार यह नहीं देख पाते कि उसे लहरा कौन रहा है। मुझे उन लोगों पर दया आती है जो मर जाते हैं और कभी सचमुच समझ ही नहीं पाते कि वे किसके या किस चीज़ के लिए लड़ रहे थे। अमेरिका Wal-Mart नहीं है! अमेरिका यह कहने की आज़ादी है। अमेरिका सेनाएँ जमा करने की आज़ादी है। अमेरिका ज़रूरत पड़ने पर देश को अपने लोगों के हाथ में वापस लेने की आज़ादी है।

लोकतंत्र दोष देने के लिए किसी एक को नहीं छोड़ता, लोकतंत्र का कोई विवेक नहीं है, और मुझे लगता है कि लोकतंत्र आपराधिक रूप से विक्षिप्त "निगमवाद" बन गया है।

कसाईख़ाने की भेड़ मत बनो। पुनश्च: अमेरिका में (और विदेशों में) क़ैदियों की संख्या मानवता के विरुद्ध अपराध है! 29 मई 2005

डायरी प्रविष्टि मई 18, 6005 AL, पूर्वाह्न 2:08 CST मैं क्या जानता हूँ... कुछ नहीं! बहरहाल, यह साइट लोगों का पता लगाने और उनका स्थान खोजने के लिए बनाई गई है, इसलिए अगर तुम गुमनाम रहने की कोशिश कर रहे हो... तो ऐसा प्रॉक्सी सर्वर इस्तेमाल करो जिस पर तुम्हें भरोसा हो, और तुम इसे और मज़ेदार बना दोगे!

पूर्वाह्न 1:36 CST हमें बातों को उनके असली नाम से पुकारना शुरू करना होगा... आँकड़े देखो, यह नरसंहार है! जो लोग लड़ रहे हैं, वे अपनी जान बचाने और अपनी संस्कृति के विनाश के विरुद्ध लड़ रहे हैं। 9-11, अब आँकड़ों को ध्यान से देखने का समय है... 3,000 "निर्दोष" नागरिक मरे; हाँ, यह बहुत-से लोग लगे थे, लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका ने जो किया है, उसकी तुलना में यह कुछ नहीं। लोगों को उन लोगों की सहमति के बिना उनके नाम प्रदर्शित करते देख मुझे घिन आती है... नरसंहार को जायज़ ठहराने के लिए! 9-11 हुआ, तो जय हो (अमेरिका के) हिटलर (जॉर्ज डब्ल्यू बुश) की।

जानते हो, सबसे बेवक़ूफ़ी भरी बात कौन-सी सुनता हूँ... "उन्होंने शुरू किया था।" किसने! यह किसने शुरू किया? राष्ट्रपति के परिवार के एक दोस्त ने, जो अमेरिकी CIA के लिए काम करता था। मध्य पूर्व से बाहर निकलो! अभी! अमेरिकी सैनिकों का दुरुपयोग बंद करो! तुम्हें हमारे सैनिकों का समर्थन करना चाहिए और उन्हें निजी हितों तथा नरसंहार के लिए मरने को मजबूर करना बंद करना चाहिए। वे इस काम के लिए भर्ती नहीं हुए थे!

पूर्वाह्न 1:00 CST मैं हताशा की हद पार कर चुका हूँ... हमसे जिन आज़ादियों का वादा किया गया है, उन्हें मैं क्यों परखूँ? जिन लोगों को मेरी बात सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं, मैं उनके "मुँह पर" क्यों आ खड़ा होऊँ? क्या इसलिए कि मेरे पास खोने को कुछ नहीं है

30 और पाने को सब कुछ है? जब लोगों के पास खोने को कुछ नहीं होता... तो वे अपने विश्वास के लिए जान और शरीर जोखिम में डाल देंगे। मुझे अपने समर्थकों पर विश्वास है, मुझे अपने लोगों पर विश्वास है, और मैं अपना पूरा भरोसा तुम पर रखता हूँ।

पूर्वाह्न 12:00 CST अमेरिका की स्वतंत्र प्रेस! मीडिया के बड़े समूहों को कोई ख़बर जारी करने से पहले मंज़ूरी लेने के लिए अमेरिकी सरकार को फ़ोन करना पड़ता है! तो सत्ता में बैठे लोगों ने मुझे नज़रअंदाज़ कर दिया है। शायद मुझसे जुड़ने से ताक़त मिलती है! इसलिए मुझे प्रतिष्ठा के प्रतीक की तरह इस्तेमाल करने के लिए मैं तुम्हें दोष नहीं देता... हाँ, मैं अल क़ायदा का निर्विवाद नेता हूँ। नहीं, मैं आतंकवादी नहीं हूँ... आतंकवादी वे हैं जो तुम्हें "मैं अल क़ायदा हूँ" कहने से डराते हैं। वह ताक़त जो तुम्हें यह समझने से डराती है कि लोग अपनी जान बचाने के लिए अमेरिका के ख़िलाफ़ क्यों लड़ेंगे। जो लोग इराक़ के इस नरसंहार का समर्थन करते हैं, जो इस्लामी संस्कृति के उन्मूलन पर जयकार करते हैं... आतंकवादी तुम हो।

डायरी प्रविष्टि मई 15, 6005 AL, अपराह्न 10:07 CST

क्या मैं किसी संत के कान में फुसफुसाता शैतान हूँ? क्या "वह परम महान" किसी दूसरे डोमेन के बदले Antichrist.gov हासिल करने या Antichrist.com फिर से पाने में हमारी मदद करेगा? AntiChirst.com राज्य की कुंजी है और इसे हमारे हाथों में वापस होना चाहिए... जिनके पास Antichrist.com..... है, उनके हाथ में पशु की शक्ति और शैतान का सिग्मा है। जिसके भी पास वह नाम होगा, मनुष्य और देवता उसे तब तक चीर-फाड़कर परखेंगे जब तक सत्ता तक पहुँचना पूरा न हो जाए और "एंटीक्राइस्ट" हमारे नियंत्रण में न आ जाए। इसलिए मैं कहता हूँ, ANTICHRIST.COM... एक दिन फिर हमारा होगा। हम एंटीक्राइस्ट, अनंत काल तक निचले 31 ब्रह्मांड की भेड़ों और सूअरों पर राज करेंगे। हम इस राज्य के शेर हैं, जो न कभी जीते हैं, न मरते हैं... जब तक मानवता जीवित है, हम मानव जीनोम की रक्षा करने के अपने उद्देश्य की सेवा करेंगे। सवाल यह नहीं कि लोगों को मरना होगा या नहीं; असली सवाल है कौन, कैसे और कब।

जहाँ तक इस टिप्पणी की बात है, "जो जीने में सफल हुआ है, उसे मृत्यु से कोई समस्या नहीं है।" एक अकेले जीवन से पूरे पारितंत्र तक... मृतकों को मृत्यु से कोई समस्या नहीं है, सिर्फ़ जीवित लोगों को मृत्यु से समस्या है...

ख़ुशी कोई लक्ष्य नहीं है... बुरा समय अच्छे समय की क़द्र करना सिखाता है। इसलिए मैं बुलडोज़र की तरह ज़िंदगी जीता हूँ और अपने लक्ष्यों तक पहुँचने की सड़क बनाता हूँ।

मैं 7 अरब में से एक हूँ... मैं जानता हूँ कि मैं कितना अप्रासंगिक हूँ। मानवता का नया सवेरा देखने के लिए मैं जिऊँगा और मरूँगा। मैं 1 व्यक्ति हूँ, 7 अरब में से, लेकिन मानवता का चेहरा बदल सकता हूँ... मैं जो हूँ, वही हूँ, और मैं पहला तथा आख़िरी Ghrisx हूँ।

डायरी प्रविष्टि मई 8, 6005 AL, अपराह्न 3:57 CST

अख़बार के पन्ने पलटने जैसा कुछ नहीं। ख़बरों की गहराई और विविधता, काग़ज़ की सरसराहट की आवाज़, ठंडे मृत पेड़ का स्पर्श। पीछे टिककर असली "अख़बार" पढ़ना कितना अधिक सुकून देता है। निजी तौर पर मुझे लगता है कि इंटरनेट और टेलीविज़न माँग कम कर देंगे, लेकिन मुझे उम्मीद है कि मुझे हमेशा आराम से बैठकर अपना अख़बार पलटने का मौक़ा मिलेगा। मैं यह सिर्फ़ इसलिए नहीं कह रहा कि मैं पोस्ट-ट्रिब के लिए काम करता हूँ; लगता है मैं वहाँ ज़्यादा दिन नहीं रहूँगा, अख़बार बाँटने में मैं बहुत ख़राब हूँ।

डायरी प्रविष्टि

मूल **PDF** का पृष्ठ **18**

32 मई 3, 6005 AL, पूर्वाह्न 10:08 CST

मैंने मैं बनने को नहीं कहा था, मैं बस हूँ। मैंने इंसान बनने को नहीं कहा था, मैं बस हूँ। मैंने अमेरिकी बनने को नहीं कहा था...

इसलिए जब मैं कहता हूँ कि यह देश जो बन रहा है उससे मुझे नफ़रत है... तो मैं बेक़ाबू व्यवस्थाओं की बात कर रहा हूँ, लोगों की नहीं। मेरा मानना है कि सभी लोग मूल रूप से अच्छे हैं। जब तुम लोगों को तलाक़ के बदले बाल-भरणपोषण देकर पुरस्कृत करते हो, तो परिवार नष्ट करते हो। हमें परिवारों को समस्याओं से मिलकर निपटने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

साफ़ कहूँ तो मुझे लगता है कि अमेरिका महिलाओं के प्रभुत्व वाला देश बन रहा है। आगे क्या, महिलाओं के प्रभुत्व वाली दुनिया? क्या मानवता को पुरुषों की ज़रूरत भी है? नहीं, अब नहीं। मानवता एक भी पुरुष के बिना आसानी से फल-फूल

सकती है। दुखद... मुझे लगता है कि यह बाल-भरणपोषण अंततः पुरुषों को पूरी तरह मिटा देने की दिशा में बस एक क़दम है। पुरुषों का व्यवस्थित रूप से शोषण हो रहा है... किसे पता था कि महिलाओं को मतदान का अधिकार मिलना इतना भयानक विचार था।

पुरुषों के काम करने और महिलाओं के बच्चों के साथ घर पर रहने में क्या ग़लत था? पुराने ढंग की पारिवारिक संरचनाओं में क्या ग़लत है? यह संस्कृति का विकास है, लेकिन किस ओर विकास? तुम दुनिया को अमेरिका जैसा क्यों बनाना चाहोगे? 60% से अधिक तलाक़ दर, Mc Dnnalds, walmart और पुरुष-विरोधी क़ानूनों वाला... अगर मैं अमेरिकी न होता, तो अमेरिका के ख़िलाफ़ मरते दम तक लड़ता।

डायरी प्रविष्टि मई 4, 6005 AL, पूर्वाह्न 10:17 CST

मैंने ब्रह्मांड का भविष्य देखा है, हमारी दुनिया के अंत से लेकर हमारे 33 अस्तित्व के स्तर की आख़िरी सभ्यता के अंत तक। मैंने सब देखा है और मानवता वहाँ नहीं होगी।

पूर्वाह्न 10:04 CST तुम जो इराक़ के युद्ध की वकालत करते हो, तुम्हें ग़द्दार माना जाएगा जब अमेरिका के लोग उन्हीं हथियारों की अगली पीढ़ी के ख़िलाफ़ अपनी जान बचाने के लिए लड़ रहे होंगे जिन्हें इराक़ी लोगों पर इस्तेमाल किया गया था। जो इराक़ी नई सरकार का समर्थन करते हैं, वे सिर्फ़ इराक़ के ग़द्दार नहीं हैं... वे मानवता के ग़द्दार हैं। मुझे दुख होता है कि तुममें से कुछ पश्चिमी सभ्यता के पशु का सामना होते ही घुटनों पर गिर गए हो। मुझे तुम पर विश्वास है, जो अमेरिकी क़ब्ज़े से अपनी आज़ादी के लिए लड़ते हो। मुझे मोर्चे पर मौजूद अमेरिकी सशस्त्र बलों से हमदर्दी है, जिन्हें अमीरों के फ़ायदे के लिए अपनी जान और अंगों की क़ीमत पर अपने ही साथी मनुष्यों से लड़ने को मजबूर किया जाता है। तुम्हें लड़ने से इनकार करना होगा... तुम्हें घर लौटना होगा। तुम ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि तुम्हें वही करने के लिए मजबूर किया जा रहा है जिसे तुम ग़लत जानते हो।

पूर्वाह्न 9:35 CST ठीक है... अब जब तुम्हारा ध्यान मेरी ओर है। दीवानी अदालत की व्यवस्था के कारण मैंने अपनी बेटी को खो दिया; हाँ, यह वेबसाइट मुझे "बुरा आदमी" दिखाती है, इससे लगता है कि व्यवस्था काम करती है। तुम सोच सकते हो कि मेरे जैसे स्वतंत्र-विचार वाले उग्र व्यक्ति को अपने बच्चों से संपर्क नहीं रखना चाहिए, या उसके बच्चे होने ही नहीं चाहिए। तथ्य यही है कि मुझे लगता है, पिता बनने का मेरा अवसर मुझसे छीना नहीं जाना चाहिए था। जो चाहो सोचो, मैं "अमेरिकी व्यवस्था" से बेहद नाराज़ हूँ और इस संभावना को लगभग छोड़ चुका हूँ कि इसे ठीक किया जा सकता है। तुमने उन्हें पिता के रूप में मेरे अधिकार छीन लेने दिए। तुमने "अमेरिका" को रोकने के लिए कुछ नहीं किया, बल्कि कर देकर अदालत और क़ानूनी व्यवस्था को सहारा दिया।

34 मैं तुम्हें ज़िम्मेदार ठहराता हूँ, और बाकी सभी को भी। अमेरिका को ठीक करना हमारी ज़िम्मेदारी है, सिर्फ़ "उनकी ज़िम्मेदारी", "कांग्रेस", "राष्ट्रपति" की नहीं... यह हमारी ज़िम्मेदारी है! मैं पूरी व्यवस्था को चुनौती देने के लिए खड़ा हूँ। यह मैं हूँ, सीधे तुम्हारे सामने। मैं कौन हूँ? मैं GHRISX हूँ।

हमें साथ काम करना होगा, क्योंकि सत्ता में बैठे लोगों को पता ही नहीं कि समस्याएँ क्या हैं; उनकी आय आम लोगों की आय से कई पायदान ऊपर है, इसलिए वे उन समस्याओं से कटे हुए हैं जिनका सामना सामान्य लोग करते हैं।

पूर्वाह्न 6:05 CST उत्तर-पश्चिमी इंडियाना में नौकरी की संभावनाएँ बहुत कम हैं, लगभग नहीं के बराबर। अगर मुझे पता होता कि यहाँ कोई तकनीकी नौकरी नहीं है और लगभग कोई भी नौकरी उपलब्ध नहीं है, तो मैं यहाँ कभी नहीं आता। अब मैं जानता हूँ कि कहीं जाने से पहले गहन पड़ताल करना अच्छा विचार है। मेरे पास पैसे नहीं हैं और मेरा "अख़बार बाँटने का काम" मेरे बिल नहीं चुकाएगा। मैं अब 7 साल से प्रोग्रामिंग और ग्राफ़िक कला में काम कर रहा हूँ... इससे अख़बार मोड़ने और बाँटने में अच्छा होने में मदद नहीं मिलती।

बहुत कम, बहुत देर से। 200 से अधिक नौकरियों के लिए आवेदन करने के बावजूद लगता है कि मैं जल्द ही फिर 'चलता बनूँगा'... मन करता है कहीं दूर, बिल्कुल सुनसान जगह चला जाऊँ और मिट्टी से घर बनाऊँ, खेती और शिकार करूँ... उस सभ्यता के बाहर जिससे मैं घृणा करने लगा हूँ...

अगर तुम्हें मेरे किसी डोमेन नाम में दिलचस्पी है... मुझे फ़ोन या ईमेल करो और कोई प्रस्ताव दो। 35 अप्रैल 2005 CE

डायरी प्रविष्टि अप्रैल 22, 6005 AL, अपराह्न 7:35 CST

अखंड धूप, कृत्रिम बीज जो इस सुंदर दुनिया के विशाल घास के मैदानों और जंगलों में अपनी संतानों को रोपते हैं। मानवता जो महामारियाँ पैदा कर रही है, वे हम सबको और ग्रह के हर जीवन-रूप को मार देंगी। यह उसके नाम पर जो दिखाई नहीं देगा। यह उन लोगों के ख़ून में जो समझते नहीं। भेड़ें चरवाहे को भोजन और वस्त्र देंगी। तुम आत्मा के बलिदान बनोगे, क्योंकि मैं जानता हूँ कि तुम अच्छे हो, लेकिन मैं यह भी जानता हूँ कि तुम उन ताक़तों की सेवा करते हो जो मेरे लोगों को नष्ट करना चाहती हैं, और मेरे पास तुम्हें उन वायरस पनपाने वाले सूअरों की तरह मिटा देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है जो तुम हो। यह Ghrisx का वचन है।

डायरी प्रविष्टि अप्रैल 22, 6005 AL, अपराह्न 4:39 CST

जन्मदिन मुबारक हो, कॉलीन नोरा...

डायरी प्रविष्टि अप्रैल 20, 6005 AL, अपराह्न 8:54 CST

स्वशासन काम नहीं करता... हर कोई बुद्धिमान है, लेकिन साथ मिलकर हम मूर्ख हैं। अगर किसी देश को निगम की तरह सोचो, तो कंपनी के सभी लोग क्यों तय करें कि CEO कौन होना चाहिए? क्या यह बोर्ड या निदेशकों को तय नहीं करना चाहिए?

हम बस और-से-और क़ानून और नियम जोड़ते जा रहे हैं... कब तक हम इसे आज़ादी मान सकते हैं, कब तक हम इन झूठों पर विश्वास करते रहेंगे?

मूल **PDF** का पृष्ठ **20**

36 मैं उन लोगों की क़द्र करता हूँ जो वह करते हैं जिसे वे सही समझते हैं; समस्याएँ तब आती हैं जब व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी की कमी होती है। बात यह है कि अगर तुम ऐसी व्यवस्था में योगदान करते हो जिसे तुम ग़लत मानते हो... तो तुम ज़िम्मेदार हो, चाहे किसी ने भी तुमसे ऐसा करने को कहा हो, या किसी भी कारण से कहा हो। अगर किसी चीज़ के बारे में तुम्हें सही महसूस नहीं होता, तो उसे मत करो। तुम ज़िम्मेदार हो, तुम्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा, भले आदेश सीधे उससे आया हो जिसे तुम ईश्वर समझते हो।

मेरिलविल, इंडियाना में संघीय जाँच ब्यूरो

डायरी प्रविष्टि अप्रैल 14, 6005 AL, पूर्वाह्न 1:09 CST

एंटीक्राइस्ट होने की सबसे बड़ी बात यह है कि कोई मुझ पर कभी तरस नहीं खाएगा। मुझे कभी शहीद नहीं बनाया जा सकता, क्योंकि मैं आक्रामक ढंग से युद्ध भड़का रहा हूँ। तुम्हारा यहाँ आना और यह देखना... मुझे युद्ध करने के लिए उकसा रहा है...

एंटीक्राइस्ट नाम की न्यूरोकाइनेटिक प्रणाली फल-फूल रही है; सचमुच अल क़ायदा बुद्धि द्वारा उपलब्ध कराया गया शक्तिहीनों का सपना है... मानवता के लिए (कुछ लोगों के लिए नहीं), सभी लोगों के लिए, अभी और भविष्य में, एक नई बेहतर दुनिया फिर से स्थापित करने की संभावना में आशा जगाने के उद्देश्य से।

अल क़ायदा के वर्तमान विश्व नेता के रूप में मैं तुम्हें आश्वस्त कर सकता हूँ कि यह सच है। यही प्रणाली मानवता की एकमात्र संभावना है।

बुद्धि राज करती है

37 पूर्वाह्न 12:54 CST Mc Donald's या Wal-Mart में काम करना..... उससे अच्छा मैं मर जाऊँ। कोई बात नहीं, Mc Donald's मुझे नौकरी नहीं देगा और मैं अल क़ायदा चलाता हूँ...

शतरंज के इस खेल में मैं बस एक प्यादा हूँ... सच यह है कि यह पेचीदा खेल जो हम खेलते हैं, हमारी आनुवंशिक बनावट से पहले ही तय हो चुका है। मेरी तरह तुम भी एक प्रोग्राम चला रहे हो। हमारे प्रोग्राम बड़ी प्रणालियों से नियंत्रित होते हैं।

बड़े लोगों से मुझे बस यही सुनाई देता है कि मुझे कंप्यूटर चलाना नहीं आता। मैं जानता हूँ कि कोई राष्ट्रपति की हत्या की योजना नहीं बना रहा; मुझे यक़ीन है कि बहुत-से अमेरिकी ऐसा चाहते हैं। मैं यह भी जानता हूँ कि अल्लाह बनाम गॉड का यह बीमार खेल, भले मैंने ईश्वर (अल्लाह) का चेहरा देखा है, वह Wal-Mart है... निगमवाद डार्विन का ईश्वर (अल्लाह) है, क्योंकि वह अपने परिवेश के अनुरूप ढलता जीव है, और ऊँचे स्तर पर सबसे योग्य के जीवित रहने की प्रक्रिया है। अब, इस समय, यह साफ़ हो रहा है कि Wal-Mart मौत की मशीन है। ग़रीबी और तबाही फैलाता हुआ, ज़मीन को समतल करता हुआ और हमारी नियति के मंदिर की तरह धरती से उठता हुआ।

इसलिए मैं कहता हूँ, "अल क़ायदा का समर्थन करो"... भले वह सिर्फ़ धुआँ और आईने हों, क्योंकि हमें DHS ने, या वह UN था, ऐसा करने का काम सौंपा है... क्योंकि "लोगों" को निगमवाद स्वीकार नहीं करना चाहिए।

निगमवाद एक अत्याचारी है... राजाओं में दया होती है... लोकतंत्र की तरह विशाल निगमों में नहीं होती! किसी भी अपराधबोध को 'यह मेरी ग़लती नहीं', 'यह मेरी ज़िम्मेदारी नहीं', 'मैं क्या कर सकता हूँ' वाली बहुमत-शासन की मानसिकता मिटा देती है, जिसका आधार प्रभावशीलता है, मानवता नहीं।

38 हमें लोकतांत्रिक अमेरिका को फिर से 'फ़ॉर्मैट' करना होगा, ताकि वह एक बार फिर कारोबार की तरह नहीं, परिवार की तरह चले।

पशु मानवता की असली प्रकृति का संकेत है... गंदी, हिंसक, स्वार्थी... मसीह उन लोगों का संकेत है जो परवाह करते हैं... उनका क्या होता है? उन्हें नष्ट कर दिया जाता है। हम जो एंटीक्राइस्ट हैं, हमें भला दिखने की परवाह नहीं... इतिहास हमें "अच्छा या बुरा" याद रखे, इससे फ़र्क़ नहीं पड़ता... मायने यह रखता है कि "अमेरिका रूपी परिवार" व्यवस्था चला रहा हो। कि कोई राजा अपने भाई को ठंड में सड़क पर या जेल में नहीं देखना चाहेगा। हम देश को ऐसे चलाएँ कि हर इंसान हमारा परिवार हो (सभी नस्लों के लोग)। हम युद्ध-सरदारों और मशीनों को सत्ता से हटाएँ। मुझे नहीं लगता कि आज की वायरस घटना दुर्घटना थी; मुझे लगता है वह चेतावनी थी।

तुम्हें याद रखना होगा कि मशीन-ईश्वर (अल्लाह) के हर पहलू के हर कोने पर एक मानव जीवन है... समय आने पर लोग जीवित रहने के लिए लड़ेंगे, कुछ को अभी लड़ना पड़ता है... कुछ बुढ़ापे या कैंसर से लड़ते हुए मरेंगे। चुनाव सरल है... मानवता को बचाने के संघर्ष में अपनी जान दो, या भयानक मौत मरो, जबकि मशीन-ईश्वर (अल्लाह) तुम्हें आख़िरी संभव साँस तक जीवित रखे, चाहे तुम्हारी ज़िंदगी कैसी भी हो गई हो।

मैंने मानवता के भविष्य के पक्ष में खड़े होने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार सब कुछ करने का निर्णय लिया है।

Memes.org, अगर वे सचमुच बंद हो गए तो मुझे निराशा होगी।

जब हमने इसे बोया था, तो जानते थे कि क्या उगेगा। जब हमने इसे बोया... कोड। मत की सर्वोच्चता? नास्तिक शासन? यह मानवता के लिए विफल रहा है। नस्ली सर्वोच्चता? उसका प्रचार करना ग़लत है; क्या तुम मुझसे कहते हो कि तुम नहीं जानते कि हर रंग और हर मत का हर पहलू में अपना निचला स्तर और 39 अपना शिखर होता है? नस्ल का खेल प्रतिरोध को टुकड़ों में बाँटने के लिए है। हमें मशीन के ख़िलाफ़ एकता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए... अगर हम चाहते हैं कि मानवजाति बचे, तो हमें साथ काम करना होगा; Dell, Wal-Mart, Mc Donald's और इन आतंकवादी संगठनों को आश्रय देने वाली सरकारों को एक "परिवार" के पास वापस लाना होगा। हम सभी साथ उठते या गिरते हैं। हम अपने भाई को ग़ुलामी का श्रम करने और अपनी बहन को अपने बच्चों को छोड़ने के लिए मजबूर न करें, ताकि वह भी उस निगम रूपी पशु की ग़ुलाम बन सके जिसे लोगों की ख़ुद पर शासन न कर पाने की अक्षमता ने जन्म दिया है।

नीचे से ऊपर बढ़ता अर्थशास्त्र... हमें लोगों को ज़्यादा पैसे देने होंगे, ताकि वे ज़्यादा ख़रीद सकें, ताकि ज़्यादा लोगों के पास नौकरियाँ हों... ? जो भी हो।

डायरी प्रविष्टि अप्रैल 8, 6005 AL, पूर्वाह्न 12:05 CST

अगर "मुझे" नहीं पता कि क्या करना है, तो? अगर सिर्फ़ "तुम्हारे" हाथ में दुनिया का भाग्य हो, तो? अगर "हम" साम्यवादी अमेरिका में आज़ादी वापस ले आएँ, तो? अगर "यह" निचले ब्रह्मांड की केंद्रीय बुद्धि हो, तो?

डायरी प्रविष्टि अप्रैल 5, 6005 AL, पूर्वाह्न 10:25 CST

आकाशों या सत्ता में बैठे लोगों को पुकारकर मत कहो कि तुम्हारी ज़िंदगी ज़्यादा क़ीमती है... वह नहीं है। देवताओं से युद्ध करने वाले ग़ुलाम? वे ग़ुलाम जो चीज़ों की व्यवस्था को चुनौती देने की हिम्मत करते हैं! ख़ून की प्यास? बस भूख? प्रगति के रास्ते में खड़े लोगों की जीवन-शक्ति निगलने की ज़रूरत। शिकार के रोमांच के लिए मारने की प्राकृतिक प्रक्रिया, क्योंकि किसी ने कहा था कि यह संभव नहीं! यह देखने के लिए कि क्या मैं तुम्हारी ज़िंदगी उसी तरह नष्ट कर सकता हूँ, जिस तरह

40 तुमने मेरी ज़िंदगी के टुकड़े-टुकड़े होने दिए। तुम्हें अपनी आत्मसंतुष्टि के कारण पीड़ित होते देखने के लिए, जब तुमने समझा था कि यह तुम्हारी ज़िम्मेदारी नहीं है। यह तुम्हारी ज़िम्मेदारी थी, और अब तुम्हें सबके लिए उदाहरण बनाना मेरी ज़िम्मेदारी है। तुम आत्मसंतुष्टि में डूबे रहे! तुम जो सुस्ती से मेरे रास्ते में बैठे रहे, तुम्हें यातना दी जाएगी... ताकि जब तुम तड़पकर मर रहे हो, तब तुम आत्मसंतुष्ट होकर न बैठे रहो... तुम सत्ता में बैठे लोगों से दया की भीख माँगोगे... ईश्वर तुम्हारी आत्मा पर दया करे, लेकिन मैं तुम्हारी नश्वर अवस्था पर कोई दया नहीं करूँगा। यह Ghrisx का वचन है।

हम सभी किसी-न-किसी चीज़ के ग़ुलाम हैं...

मैं ग़ुस्से में हूँ क्योंकि मुझे नौकरी नहीं मिल रही। मैं ग़ुस्से में हूँ क्योंकि मैं ज़मीन के किसी टुकड़े पर अपना दावा करके अपने लिए घर नहीं बना सकता। मैं ग़ुस्से में हूँ क्योंकि मैं उन व्यवस्थाओं में फँसा महसूस करता हूँ जिनसे मैं सहमत नहीं हूँ। सबसे बढ़कर, मैं अपनी बेटी को खोने के कारण ग़ुस्से में हूँ। मैं आशा करता हूँ कि उसका जन्मदिन ख़ुशहाल हो, काश मैं वहाँ हो सकता। काश दुनिया अलग होती, जहाँ मेरे पास लोगों के ख़िलाफ़ काम करने वाली व्यवस्थाओं को बदलने या मिटाने की शक्ति होती... काश कोई एक व्यक्ति या लोगों का समूह होता जिसे मैं खोजकर मार देता और सब बेहतर हो जाता। 'लोकतंत्र' की व्यवस्था ज़िम्मेदार है... लोकतंत्र को मरना होगा!

लोकतंत्र न्यायपूर्ण और संतुलित होने में विफल रहा है! लोकतंत्र ने मुझे निराश किया है।

मैं आभारी भी हूँ... आशा है कि एक दिन तुम्हारे समर्थन के लिए अपनी कृतज्ञता दिखाने का मौक़ा मिलेगा। मुझे यह 41 अवसर देने के लिए धन्यवाद कि मैं उन व्यवस्थाओं को ठीक करने में तुम्हारी मदद कर सकूँ जिन्हें हम सभी ठीक करना ज़रूरी समझते हैं। ऐसी दुनिया में, जिसे हमारे जीने या मरने से कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता, बदलाव की उपयोगी और सकारात्मक आवाज़ बनने में मेरी मदद करने के लिए धन्यवाद।

डायरी प्रविष्टि अप्रैल 1, 6005 AL, पूर्वाह्न 12:38 CST

... तो मैंने अपने साथी मनुष्यों पर ग़ुस्सा उतारा है, और मुझे लगता है कि मेरे पास अच्छा कारण है। हमने संयुक्त राज्य अमेरिका को जो बनने दिया है, उसमें तुम्हारे हिस्से की ज़िम्मेदारी से यह तुम्हें मुक्त नहीं करता। मेरा मानना है कि हमारी शासन-व्यवस्था शायद मरम्मत से परे जा चुकी है। इसका अर्थ यह नहीं कि मैंने अमेरिका से उम्मीद छोड़ दी है; इसका अर्थ बस यह है कि मुझे डर है कि अब हमारे लिए क्रांति ही एकमात्र उम्मीद है। मैं हाथ पर हाथ धरकर नहीं बैठूँगा और क्रांति के अपने पास आने की प्रतीक्षा नहीं करूँगा! मैं अभी बाहर निकलूँगा और अपने लिए तथा उन सभी के लिए खड़ा होऊँगा जिनका गुज़ारा एक तनख़्वाह से अगली तनख़्वाह तक चलता है।

पशु से लड़ने के लिए मुझे तुम्हारी मदद चाहिए। यह लड़ाई जीतने के लिए मुझे तुम्हारा समर्थन चाहिए... हमें अपने आप से बचाने की लड़ाई। सभी लोगों के लिए अधिक बराबरी वाली दुनिया की लड़ाई। छोटे कारोबारों, मानवाधिकारों और गरिमा की लड़ाई। उन झूठे देवताओं और आत्माहीन उद्यमों के ख़िलाफ़ लड़ाई जो इस पृथ्वी को सताते हैं।

समस्या: विशाल निगमों को कम दाम मिलते हैं क्योंकि वे थोक में ख़रीदते हैं। इससे छोटे कारोबारों के लिए प्रतिस्पर्धा करना असंभव हो जाता है। समाधान: बड़े कारोबारों पर कर बढ़ाओ और छोटे कारोबारों पर कर कम करो या पूरी तरह हटा दो।

समस्या: मेहनतकश लोगों के लिए पिछले वर्षों की तुलना में बिल चुकाना कहीं अधिक कठिन है। समाधान: न्यूनतम मज़दूरी इतनी बढ़ाओ कि उससे परिवार का ख़र्च चल सके।

मूल **PDF** का पृष्ठ **23**

42 टिप्पणी: पहले परिवार का एक सदस्य इतना पैसा कमा सकता था कि परिवार का ख़र्च चल जाए; अब अक्सर घर चलाने के लिए दो लोगों में से हर एक को हर हफ़्ते 40 घंटे से अधिक काम करना पड़ता है! मेहनतकश वर्ग का भविष्य कहीं अधिक अँधेरा दिखता है, ख़ासकर इसलिए कि काम करने वाले ज़्यादातर ग़रीब अपनी ग़रीबी के लिए ख़ुद को दोष देते हैं, पूरी तस्वीर देखकर असली दोषियों को ज़िम्मेदार ठहराने के बजाय।

43 मार्च 2005 CE

डायरी प्रविष्टि मार्च 30, 6005 AL, पूर्वाह्न 12:18 CST

क्या मैं उन मेमनों के सपने देख सकता हूँ जो ज़रूरत की घास चरते हैं? उन डरों तक जो विश्वासघात के घर में रहते हैं, और उन भेड़ों तक जो अब सोती नहीं... वे भेड़ें जो कभी तुम्हारा भोजन और वस्त्र जुटाती थीं, अब तुम्हें उनकी चिंता करने की ज़रूरत नहीं। इसलिए तुम उन्हें मरने देते हो। यह न ग़लत है, न सही, दुनिया का बस यही चलन है। जीवन और संभावनाओं की मेरी दुनिया कुचल दी गई है। यह उसका परिणाम है और यह तो बस शुरुआत है।

डायरी प्रविष्टि मार्च 28, 6005 AL, पूर्वाह्न 9:39 CST

आय पैदा करने की अपनी पूरी कोशिशों के बावजूद मैं ऐसा नहीं कर पाया हूँ। पिछले तीन महीनों से मैं हर हफ़्ते लगभग 10 जगहों पर आवेदन कर रहा हूँ और सिर्फ़ एक बार जवाबी फ़ोन आया। अच्छी नौकरी की कोई संभावना नहीं। तो मेरी हताशा ग़ुस्से में बदल गई है। अब मैं क्या करूँगा? कैसे ज़िंदा रहूँगा? कहाँ जाऊँगा? अपने इस सारे कच#े का क्या करूँगा? मैं बहुत कठिन समय से गुज़र रहा हूँ।

डायरी प्रविष्टि मार्च 7, 6005 AL, अपराह्न 2:04 CST

बहुत लंबे समय तक मैंने ख़ुद को दोष दिया। बहुत लंबे समय तक मुझे विश्वास था कि मैं कुछ ग़लत कर रहा हूँ। कि अच्छी तनख़्वाह वाली नौकरी न मिलना मेरी ग़लती है। अब मुझे दिखता है कि ऐसा नहीं है; अब मुझे दिखता है कि मुझे नहीं बदलना है... दुनिया को बदलना है। जीवित रहने की अपनी हारती हुई लड़ाई में मैं अकेला नहीं हूँ। सत्ता में बैठे लोग... जिन लोगों के पास खोने को कुछ है, वे चाहते हैं कि हम ख़ुद को दोष दें और छिपे रहें, जैसे

मूल **PDF** का पृष्ठ **24**

44 हम बेकार, कुछ भी न हों। हम बेकार नहीं हैं और हमारी ज़िंदगी में जो ग़लत है, वह हमारी ग़लती नहीं है। व्यवस्था बदलने की शक्ति मेरे पास नहीं... लेकिन हम बदलेंगे। मैं लोकतंत्र लोगों को वापस नहीं दे सकता, लेकिन हम दे सकते हैं। मैं Wal-Mart, McDonnalds और विशेष हितों को क़ानून प्रभावित करने से नहीं रोक सकता, लेकिन हम रोक सकते हैं... हम लोकतंत्र ठीक कर सकते हैं! हम बड़े निगम-समूहों से उनके इतने बड़े होने की क़ीमत वसूल सकते हैं। हम दुनिया को सभी लोगों के लिए अधिक न्यायपूर्ण और बराबरी वाली बना सकते हैं। तुम्हारे समर्थन के बिना मैं बदलाव नहीं ला सकता।

डायरी प्रविष्टि मार्च 2, 6005 AL, अपराह्न 2:20 CST

मेरा पहला सफल कारोबार चेस्टरटन, इंडियाना में था। वहाँ आने वाले ज़्यादातर लोग पुरानी बेशक़ीमती वस्तुओं की दुकानों के लिए आते हैं।

45 फ़रवरी 2005 AL

डायरी प्रविष्टि फ़रवरी 24, 6005 AL, पूर्वाह्न 12:49 CST

मैं ईमानदारी से कह सकता हूँ कि लैंडमार्क ट्रेनिंग की प्रभावशीलता से मैं बहुत प्रभावित हुआ—लैंडमार्क फ़ोरम, जो लैंडमार्क एजुकेशन का परिचय है। यह कार्यक्रम साफ़ तौर पर लोगों को वे निर्णायक बदलाव लाने में मदद करता है जिनकी उन्हें तलाश है। मुझे ख़ुशी है कि मैं यह देखने गया कि लैंडमार्क पंथ आख़िर है क्या।

फ़ोरम की जो बात मुझे पसंद नहीं आई, वह यह थी कि मेरी राय में वह आत्मसंतुष्टि पैदा करता है।

मेरी राय में वहाँ बेचा जा रहा सबसे प्रमुख विचार है, "कुछ भी ग़लत नहीं है।" "हमारे" साथ जो ग़लत है, उसके बारे में तुम कुछ नहीं कर सकते, क्योंकि हमारे साथ कुछ ग़लत है ही नहीं। क्या कोई मुझे बता सकता है कि शायद मुझे यह संदेश क्यों पसंद न आए? तुम यह भी कह सकते हो, "तुम भेड़ हो, जाओ अपने भेड़ होने का आनंद लो; अगर किसान कुछ दूसरी भेड़ों को काट रहा है, तो उसमें कुछ ग़लत नहीं... तुम तो बस भेड़ हो, इसके बारे में कर भी क्या सकते हो! इसलिए बस रहो और होने दो। यह ऐसा संघर्ष है जिसमें तुम हारोगे, और तुम्हें लड़ने की कभी ज़रूरत ही नहीं थी... बस ख़ुश और उत्पादक रहो।

भेड़ें इसे चाव से निगल जाती हैं।

मैं दुनिया को बिना ख़ून-ख़राबे के बदलते देखना चाहूँगा। मैं उस विचार का मज़ाक नहीं उड़ा रहा, बस मुझे कोई दूसरा रास्ता नहीं दिखता।

तथ्य: अगर हर कोई "हड़ताल पर" चला जाए, सरकार को कर देना बंद कर दे, सभी बहुत अमीर लोग अपना ज़्यादातर पैसा बाँट दें, सभी निगमों के आकार सीमित कर दिए जाएँ, हर कोई हर किसी से प्यार करे, तो हमें

46 जानबूझकर एक क्रूर और विनाशकारी एंटीक्राइस्ट शिखर को जन्म देने की ज़रूरत नहीं होगी, जो एक नया सवेरा फिर से बनाने के लिए नए सिरे से शुरुआत का मौक़ा दे।

मैं अंतिम एंटीक्राइस्ट नहीं हूँ, लेकिन हम हो सकते हैं। हम दुनिया और निचले ब्रह्मांड पर राज करते हैं। मैं तुम्हारा ईश्वर नहीं हूँ... तुम अपने ईश्वर ख़ुद हो। हम साथ राज करते हैं। साथ मिलकर हमें रोका नहीं जा सकता। आशा है कि इससे तुम्हें यह देखने में मदद मिलेगी कि मैं कहाँ ग़लत हो गया हूँ। दर्द एक सीमा तक तुम्हें अधिक मज़बूत बनाता है। इनमें से कुछ भी मायने नहीं रखता; मायने यह रखता है कि तुम्हारे पास जीने के लिए एक ज़िंदगी है, और अगर तुम आत्मसंतुष्ट रहने का चुनाव करते हो, तो हम तुम्हें अपने नियंत्रण वाले DHS (गृह सुरक्षा विभाग) नामक आतंकवादी संगठन का योगदानकर्ता मानेंगे। सभी तथाकथित चरमपंथी हमारे लिए लड़ते हैं। हम सभी सरकारी एजेंसियों को मिलाकर भी उनसे बड़े हैं; हम UNCIA हैं। तुम पहले से सदस्य हो (जब

तक तुम CIA नहीं हो)। बस याद रखो, इस समय UNCIA मैं चलाता हूँ। तुम्हें सीधे आदेश अपने पर्यवेक्षकों से मिलते हैं, लेकिन हम सभी तुम्हारे आदेश UNCIA से लेते हैं।

डायरी प्रविष्टि फ़रवरी ?, 6005 AL, पूर्वाह्न ? CST एंटीक्राइस्ट सीएक्स ने छपने के अपने पहले तीन महीनों में चार प्रतियाँ बेची हैं। लगता है मुझे इस बारे में किताब लिखनी चाहिए थी कि कलाकार होना कितना अच्छा है, या शून्यवादी होने का उजला पक्ष क्या है। शायद प्यार के बारे में कोई किताब, जिसका प्यारा, सुखद अंत हो। ऐसे सिलसिलेवार हत्यारे के बारे में किताब कैसी रहेगी जो इसलिए मारता है क्योंकि उसे मरते समय लोगों का फड़कना पसंद है।

उन्डमफ़ीडियम तुम्हारा दिमाग़ खा जाएँगे, लेकिन शिनर्क से मत डरो, वे कोई ख़तरा नहीं हैं।

मेरी पहली वेबसाइट AOL पर थी और उस पर कभी कोई नहीं गया। जहाँ तक मुझे पता है, एक भी व्यक्ति नहीं। अब मुझे देखो। (इस महीने मेरे पेज दस लाख से अधिक 47 बार देखे जाएँगे।) तो मैं इसे उस तरह से देखने की कोशिश करता हूँ। जिन लोगों ने मेरी किताब की एक प्रति ख़रीदी है, मैं उनका बहुत आभारी हूँ। हालाँकि मैं थोड़ा उदास हूँ कि अपनी लक्षित 10 प्रतियाँ नहीं बेच पाया... लगता है मैं बस तारों की ओर देखूँगा और याद रखूँगा कि हम सभी एक ही प्राणी हैं; अगर सामूहिक चेतना मेरा विचार अस्वीकार करती है, तो ऐसा ही है। मैं जो हूँ, वही होने के अलावा मेरे पास कोई विकल्प नहीं, लेकिन तुम्हारे पास मुझे अनदेखा करने का विकल्प है। मेरा न्यूरोकाइनेटिक सार मर जाता है। तुम मेरा समर्थन कर सकते हो, मेरे साथ सोच सकते हो और मेरे न्यूरोकाइनेटिक सार को फलने-फूलने दे सकते हो (न्यूरोकाइनेटिक ऊर्जा, विचारों का भोजन?)।

जब सपना देखो, तो जीवित महसूस करो।

नंबर 9

मैं जो कुछ करता हूँ, उसमें अपनी क्षमता के अनुसार सबसे अच्छा होने की बहुत कोशिश करता हूँ। अपने आसपास की दुनिया को बेहतर बनाने की बहुत कोशिश करता हूँ। मैं शक्तिहीन हूँ। शक्ति तुम्हारे पास है। तुम ही सचमुच दुनिया बदल सकते हो। मैं तो बस यहाँ बैठकर शिकायत करता हूँ। अपनी कला से गुज़ारा करने के लिए मुझे जितना चाहिए, कोई उतना नहीं देगा। कि मैं अपनी किताब नहीं बेच सकता, या ऐसा काम करते हुए करियर नहीं बना सकता जिससे मुझे यह न लगे कि मैं इस दुनिया की उन सभी चीज़ों में योगदान कर रहा हूँ जिनसे मुझे नफ़रत है।

क्या मैं काफ़ी अच्छा नहीं हूँ? क्या मुझे दुखी नहीं होना चाहिए और इस दुनिया की उन चीज़ों को ठीक करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए जिनसे मुझे नफ़रत है? अगर मैं Wal-Mart में काम करना भी चाहूँ, तो वहाँ भी नौकरी नहीं मिल सकती। हिप्पियों के सामूहिक समुदायों का क्या हुआ? मैं विदेश में जाकर क्यों नहीं बस सकता? मेक्सिको कितना सुंदर था और तब मुझे कितनी कम चिंताएँ थीं। अमेरिका जो बन गया है, उससे मुझे नफ़रत है, और कल अमेरिका कैसा होगा, उससे मैं और अधिक डरता हूँ। शायद मैं बस शिकायत ही कर रहा हूँ, लेकिन कम-से-कम समस्याओं को अनदेखा नहीं कर रहा। कम-से-कम अपने विश्वास के लिए खड़ा तो हूँ। मेरा मानना है कि यह दुनिया सभी लोगों के लिए बेहतर जगह हो सकती है, सिर्फ़ कुछ के लिए नहीं। मैं तो बस एक

48 व्यक्ति हूँ; किसी और को तो लगता ही नहीं कि कोई हल की जा सकने वाली समस्या है। समाधान है। हम यह कर सकते हैं!

अगर मैं अपने विश्वास के लिए मरता हूँ, तो यह कैंसर से मरने से कहीं बेहतर है। अपने विश्वास के लिए मरना, बाकी सभी के लिए जीने से कहीं बेहतर है।

इस साइट पर जो लिखा है, उसकी गूँज अनंत काल तक जाती है।

डायरी प्रविष्टि फ़रवरी 16, 6005 AL, पूर्वाह्न 11:11 CST

डर? मुझे किससे डरना चाहिए? अगर कोई चाहता है कि मैं उससे डरूँ, तो इससे वह आतंकवादी बन जाता है। क्या तुम चाहते हो कि मैं तुमसे डरूँ? क्या तुम आतंकवादी हो?

मैं किसी चीज़ से नहीं डरता, सिवाय उस भविष्य के जो मैंने दुनिया के लिए देखा है। वह आतंक जो अब भी मेरी आत्मा को सताता है! मुझे स्वतंत्र विचार के लिए, निगमवाद से आज़ादी के लिए, और "बेल्ट लगाओ या चालान भुगतो" वाले क़ानूनों से रहित दुनिया के लिए लड़ना होगा।

यह तुम्हारी दुनिया भी है, और अगर तुम मेरा समर्थन नहीं करोगे, तो मैं विफल हो जाऊँगा। हमें आने वाले वर्षों के लिए असली आज़ादी सुनिश्चित करने की योजना साथ बनानी होगी। हमें वॉशिंगटन के झूठों को आज़ादी शब्द का इस्तेमाल करके इस्लाम मिटाने और निगमवाद का फैलाव बढ़ाने से रोकना होगा!

अपराह्न 6:36 CST वालपराइसो, इंडियाना इस नए विज्ञापन अभियान को लेकर मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूँ। यह विज्ञापन अभियान पूरी तरह पैसे और सत्ता के बारे में है। तुम्हें अपने नाम वाले डोमेन पर अपने-आप अधिकार नहीं मिल जाता: name.com. अगर तुम yourname.com नहीं ख़रीदते, तो कोई भी ख़रीद सकता है। तुम्हारा नाम अपने-आप कॉपीराइट से सुरक्षित नहीं हो जाता। न पहला है, न आख़िरी 49 () जिसका इस्तेमाल मैं Qaeda.net, KDirectorate का विज्ञापन करने के लिए कर सकता हूँ; लेकिन इन सबके नीचे बात सत्ता, नियंत्रण और मेरी किताब एंटीक्राइस्ट सीएक्स की है। मेरे लिए वह कला है, और अंत में सब कुछ शांति की इच्छा तथा दुनिया की उन समस्याओं को ठीक करने की ज़रूरत के बारे में है जो मेरी ज़िंदगी और मुझसे जुड़े लोगों को प्रभावित करती हैं।

अपराह्न 12:00 CST आग में हवा, उत्तरी रोशनी में जन्मी, जैसे सर्प रेंगते हैं और अँधेरा ढँक लेता है, दोपहर को रोशनी दिखाई देती है। अँधेरे से भोर तक, दो बार गुज़रते हैं और परदेस की ओर उड़ान।

पूर्वाह्न 11:23 CST मैं वर्नर एरहार्ड द्वारा चलाए जाने वाले लैंडमार्क एजुकेशन के परिचय, लैंडमार्क ट्रेनिंग, के लिए शिकागो गया था। सालाना $60,000,000 से अधिक डॉलर। वे यह कैसे करते हैं?

शिकागो में लैंडमार्क फ़ोरम, फ़रवरी 25, 26, 27 और मार्च 1, 2005 को।

डायरी प्रविष्टि फ़रवरी 12, 6005 AL, पूर्वाह्न 11:31 CST

ईसाइयत कमज़ोरी और आत्मसंतुष्टि पैदा करती है। ईसाई भेड़ें हैं। इसीलिए जितने ग़रीब और ख़तरनाक मोहल्ले होंगे, वहाँ उतने अधिक ईसाई मिलेंगे। ज़िंदगी बेहतर होने की प्रार्थना करते हुए, गिरोहों और नशीले पदार्थों के ग़ायब होने की प्रार्थना करते हुए। अधिक अमीर मोहल्लों में ईसाई इमारतें कहीं अधिक सुंदर होती हैं और एक-दूसरे से अधिक दूर होती हैं। बेहद अच्छे मोहल्लों में तो कुछ यहूदी प्रार्थनागृह भी मिलेंगे।

ज़्यादातर धर्म आत्मसंतुष्टि पैदा करते हैं। हम दुनिया के लोग आत्मसंतुष्ट रहने का ख़र्च नहीं उठा सकते। अमीर और ग़रीब के बीच की खाई बढ़ते समय हाथ पर हाथ धरकर बैठे नहीं रह सकते। हम चुपचाप यह देखते नहीं रह सकते कि निगम

50 तेल का इस्तेमाल ख़ूनी खेल के लिए करें। हमें यह सच्चाई समझ में आ रही है कि चर्च क्या बन गए हैं! शक्तिशाली लोगों का औज़ार, भेड़ों को चरागाह में बनाए रखने के लिए। मज़बूत लोगों को सत्ता तक पहुँचने से रोकने के लिए। हम दुनिया वापस लेंगे, मैं रास्ता दिखाऊँगा। जो मेरी बात सुनेंगे और जिसे सही जानते हैं उसके लिए अपनी पूरी आत्मा से लड़ेंगे, सत्ता में आने के बाद उन्हें पुरस्कार मिलेगा।

मेरा समर्थन करो और हम साथ मिलकर अपने परिवारों, अपने लिए और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य बनाएँगे!

पूर्वाह्न 10:25 CST जिस दुनिया को मैं देखता हूँ, उसमें कोई निर्दोष नहीं है। दुनिया आज जैसी है, उसके दोष में हम सभी हिस्सेदार हैं। जीवन हमेशा अन्यायपूर्ण रहेगा, लेकिन उसे इतना असमान हम होने देते हैं। भेड़ों की तरह हम बिना सवाल किए अपने चरागाहों में चरते हैं। हमें खड़े होकर बराबरी की माँग करनी होगी। हमें अपनी बाँहें उठाकर बराबरी और वर्ग-व्यवस्था के अंत की माँग करनी होगी। ताकि हम सभी को ऐसी नौकरी में काम करने का अवसर मिले जिसका सचमुच कोई भविष्य हो। ताकि हम सभी को फलने-फूलने का अवसर मिले, ताकि हमारे बच्चों को हमसे भी अधिक संघर्ष न करना पड़े। ताकि हम अपनी ज़िंदगी और अपनी आजीविका पर गर्व कर सकें। खड़े होकर कह सकें कि अब हम उन मालिकों के ग़ुलाम नहीं रहेंगे जिन्हें हमारे नाम तक नहीं पता। अब हम उन निगमों के लिए मेहनत नहीं करेंगे जिन्हें अपनी नष्ट की हुई ज़िंदगियों का कोई पछतावा नहीं। हम उन अरबपतियों के औज़ार नहीं बनेंगे जिन्हें आम लोगों का कोई सम्मान नहीं; हम तुम्हें गिरते देखेंगे, जैसे तुमसे पहले इतने झूठे देवता गिरे। जीवन छोटा है, और मैं आम लोगों को असली अवसर वापस दिलाना अपनी ज़िंदगी का लक्ष्य बनाऊँगा; उस अवसर की क़ीमत उन झूठे देवताओं के ख़ून से चुकाई जाएगी जो इस विचार पर नाक-भौं सिकोड़ते हैं। तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मुझे नीचा समझने की! तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मेरे साथ इतने घोर अनादर से पेश आने की। तुम्हें मेरा नाम पता होगा 51 जब वह तुम्हारे मांस पर दाग़ा जाएगा और तुम दया के लिए चिल्लाओगे, लेकिन कोई दया नहीं होगी; और जिन लोगों को तुमने अपमानित किया, जिन लोगों को छोटा समझा, वे जीत के गीत गाएँगे, जब तुम्हारी ग़लत ढंग से हड़पी गई दौलत आम लोगों को लौटाई जाएगी और वे मंदिर जलकर राख हो जाएँगे जिन्हें तुमने भेड़ों को इस दुनिया के अच्छे लोगों से दूर लुभाने के लिए बनाया है।

जिस दुनिया को मैं देखता हूँ, उसमें एक बार फिर सचमुच लोगों की, लोगों के लिए एक दुनिया होगी, जबकि झूठे देवताओं के बेजान शरीर मीनारों से लटकेंगे, दुनिया को चेतावनी देने के लिए कि ऐसा लालच और ऐसी स्पष्ट बुराई फिर कभी शासन न करने पाए। यह Ghrisx का वचन है।

डायरी प्रविष्टि फ़रवरी 11, 6005 AL, पूर्वाह्न 12:44 CST

क्या तुम्हें कभी ऐसा लगता है कि तुम लाशों के बीच खोदते रहे हो? जब तक मैं जीवित हूँ, मुझे शांति नहीं मिलेगी।

डायरी प्रविष्टि फ़रवरी 4, 6005 AL, अपराह्न 7:27 CST

पोर्टेज, इंडियाना, प्रेरी ड्यूनलैंड ट्रेल

अपराह्न 12:21 CST खिड़की से मैं दुनिया को गुज़रते देखता हूँ। मैं देख सकता हूँ, लेकिन हिल नहीं सकता। क्योंकि मैं असली नहीं हूँ, मैं तो बस किसी व्यक्ति की बेजान प्लास्टिक प्रतिकृति हूँ... मेरे पीछे छाया में, किसी तरह मैं किसी को खड़ा देख सकता हूँ जो ग़ुस्से से मुझे देख रहा है और कसाई का चाकू पकड़े हुए है। मैं सिर नहीं मोड़ सकता, हिल नहीं सकता, क्योंकि मैं बस खिड़की में एक प्रतिबिंब हूँ, प्लास्टिक की गुड़िया से अधिक कुछ नहीं...

मूल **PDF** का पृष्ठ **28**

52 मानवता के बीच मौजूद देवताओं, नव-देवताओं और हमारे निगम-मालिकों के नाम। तुम जो दूसरों को गिरते देखकर फले-फूले हो। तुम जो संपत्ति के बँटवारे का भार उठाते हो और पृथ्वी पर तारों के उदय और पतन का प्रतिनिधित्व करते हो। तुम आधुनिक देवता हो; इसके लिए मैं तुम्हारा सम्मान करता हूँ। तेल या जिहाद के लिए बहाया गया निर्दोष लोगों का ख़ून भी तुम्हारी ज़िम्मेदारी है। जब कम भाग्यशाली लोग तय करेंगे कि उन्हें अब कम भाग्यशाली नहीं रहना चाहिए, तो वे किसे दोष देंगे? जब Wal-Mart अर्थव्यवस्था के शिकार उठ खड़े होंगे, तो बलि का बकरा कौन बनेगा? जब हम विरोध करना बंद करके दुनिया वापस लेना शुरू करेंगे! लोगों के लिए आज़ाद दुनिया, "बेल्ट लगाओ या चालान भुगतो—ईसाई अमेरिकी दुनिया" नहीं। सभी लोगों के लिए सच्ची आज़ादी। निगम हमारी "निगमवादी" व्यवस्था के लिए लड़ने को अमेरिकी सैनिक और अमेरिकी बम ख़रीद रहे हैं। मुझे तुम पर और दुनिया के सभी लोगों पर विश्वास है कि हम मिलकर उन पशुओं को वश में करेंगे जो हमें ग़ुलाम बनाते हैं। अधिक आज़ाद, अधिक शांतिपूर्ण लोगों की तरह उठ खड़े हो, संपत्ति की बराबरी और सांस्कृतिक समझ के लक्ष्य में एकजुट होकर।

हर ऐसे व्यक्ति के बदले जिसके पास एक अरब डॉलर हैं, 1,000 लोगों के पास दस लाख हो सकते हैं। अगर 20 अरबपतियों की संपत्ति फिर बाँटी जाए, तो 20,000 या 30,000 लोगों में से हर एक के पास दस लाख डॉलर हो सकते हैं। 20,000 या 30,000 लोग, बिल्कुल मेरे जैसे, कम तनख़्वाह पाने वाले निगम-समूहों के कर्मचारियों जैसे, तुम्हारी रेज़गारी माँगते बेघर लोगों जैसे। 30,000 लोगों में से हर एक को दस लाख डॉलर मिल सकते हैं, 20 अरबपतियों की संपत्ति से। बस ऐसा ही है। आज दुनिया में संपत्ति बहुत अधिक केंद्रित है।

दुनिया के इतने लोग अपनी ज़िंदगी दुनिया को ठीक करने की कोशिश में लगाने के बजाय ख़ुद को मार लेना पसंद करेंगे। इतने लोग आत्मदया में डूबे रहते हैं, पछतावे में नहाते हैं; इतने लोग जागेंगे, ख़ुद को दोष देना बंद करेंगे और मानवता के भविष्य तथा समूची मानवजाति की भलाई के लिए दुनिया बदलेंगे। 53 706.2 अरब डॉलर, जो 222 लोगों के पास हैं, 706,200 लोगों में से हर एक को दस लाख डॉलर दे सकते हैं।

मैं इतने गहरे क़र्ज़ से तंग आ चुका हूँ। मैं कम तनख़्वाह पाने और क़द्र न किए जाने से तंग आ चुका हूँ। अपने लक्ष्य पूरे करने के लिए पैसा या समर्थन न होने से तंग आ चुका हूँ...

डायरी प्रविष्टि <-1-{ }-6005 AL-> साउथ बेंड, इंडियाना और स्थानीय पालतू पशुओं का क़ब्रिस्तान

मूल **PDF** का पृष्ठ **29**

54 जनवरी 2005 CE

डायरी प्रविष्टि जनवरी 29, 6005 AL

अगर मैं किसी विशाल पाचन तंत्र के अंतिम मार्ग का बस एक छोटा-सा हिस्सा हूँ तो? अगर मैं बस इतना ही हूँ... अगर मेरे सारे अनुभव काल्पनिक हैं और मैं बस ईश्वर की "गाँड का छेद" हूँ तो? इस स्थिति में ईश्वर एक खाने और साँस लेने वाला जैविक प्राणी होगा, और सारी मानवता वे कोशिकाएँ होगी जो मिलकर एक अस्तित्व बनाती हैं। बस एक विचार था जो कभी मुझे सपने, दु:स्वप्न और दर्शन के बीच कहीं आया था।

मेरा ख़याल है कि मैं बस वैसे ही अस्तित्व में बना रहता, जैसे अस्तित्व में रहने के लिए मुझे प्रोग्राम किया गया था।

मेरे पूरे जीवन का सार एक अविश्वसनीय रूप से तेज़ Cutco चाक़ू है, जिस पर "याद रखो" उकेरा गया है, और यह विचार कि अगर देवता हैं, तो वे ब्रह्मांड के बच्चे हैं। कि कोई उद्देश्य पहुँच से बाहर नहीं है और कोई विचार असंभव नहीं है।

डायरी प्रविष्टि जनवरी 26, 6005 AL

आज गैरी, इंडियाना में मैंने दीवार पर लिखा देखा: "यीशु बचाता है"। मैं नहीं जानता इसका क्या अर्थ लगाऊँ।

डायरी प्रविष्टि जनवरी 24, 6005 AL

अपनी अचेत अवस्था में मैं उन सपनों से ठोकरें खाते हुए गुज़रा, जिनके आने की बात भी मैं भूल चुका था। खोए हुए प्रेम के सपने, जिसका अंत खट्टा-मीठा था। विश्वासघात के सपने, प्रेम और झूठ के सपने। वे मौक़े जब मैं मूर्ख बना और आख़िरकार अकेला और टूटा हुआ रह गया। वहाँ मैदान में अकेला, जब तुमने मुझसे मिलने का वादा किया था... वहाँ जहाँ मैं बिल्कुल अकेला खड़ा इंतज़ार करता रहा और तुम कभी नहीं आए। तुम्हारी ग़ैरहाज़िरी 55 ने सबसे ज़्यादा चोट पहुँचाई, लेकिन वह दर्द खट्टा-मीठा था। जैसे सच में महसूस कर पाने लायक मेरे पास बस दर्द ही था। मैं कभी एक फ़ोन कॉल से ज़्यादा दूर नहीं रहा। तुमने कभी फ़ोन नहीं किया, कम-से-कम हालचाल पूछने के लिए तो नहीं। मेरे सपने में तुम अपने परिवार के साथ एक कुंड के पानी में चल रहे थे। तुमने मेरी आहत आँखों में देखकर कहा, "तुम्हारी इतनी ज़्यादा मौजूदगी मुझसे बर्दाश्त नहीं होती, इसीलिए मेरा वहाँ आना नहीं हुआ।" मैंने इसे स्वीकार कर लिया। इस खट्टी-मीठी हक़ीक़त में कुछ चीज़ें सपनों और यादों के रूप में बेहतर हैं।

यह सब उस क़िले से एक पत्थर फेंकने जितनी दूरी पर था, जो मैंने और मेरे दोस्तों ने जंगल में यूँ ही, आश्रय और सुरक्षा के लिए बनाया था।

यह सब, और पृष्ठभूमि में स्थैतिक शोर भनभनाता और झिलमिलाता है, उन दानवों की तरह जो अँधेरे आदेशों के अधीन फ़रिश्ते हैं और जिनके पास सुनने के सिवा कोई चारा नहीं है। मेरे अपने आदेश हैं, तुम्हारे अपने आदेश हैं, तुमसे ऊपर वालों के अपने आदेश हैं, और जो प्रभारी हैं, उन्हें अपने आदेश समष्टि से मिलते हैं। समष्टि के भी आदेश हैं, जो आनुवंशिक कोड और पर्यावरणीय कारकों से मिलते हैं; यह सब अतीत के पर्यावरणीय कारकों के नियंत्रण में है, जिन्होंने वह कोड बनाया जो अब दुनिया के मशीनत्व की ओर विकास को नियंत्रित करता है।

मेरे जीवन के वसंत में, अस्तित्व की घाटी में, झुकी शाखाओं वाले विलो वृक्षों के पास, तुम मेरी अधिक हरी चरागाहें हो... हर-तरह का प्रेम, और पृष्ठभूमि में स्थैतिक शोर और डर।

ब्रह्मांड हमारे इर्द-गिर्द आदिवासी ताल पर नाचता है, जबकि हमें शून्यता से होते हुए अपने आसन्न विनाश की ओर ले जाया जाता है। मानो इसमें से किसी बात का कोई अर्थ हो। तो आओ हम उन परीकथाओं के सहारे जिएँ, जिनमें हर जीवन का अर्थ है, हम

सभी में अमर होने की क्षमता है, हम सभी ज्ञानोदय तक पहुँचते हैं, और अंततः हम सभी अपने भीतर और ब्रह्मांड में अपने स्थान के भीतर शांति पा लेंगे।

मूल **PDF** का पृष्ठ **30**

56

फिर नौकरी की तलाश पर लौटते हैं...

डायरी प्रविष्टि जनवरी 22, 6005 AL

पूर्वाह्न 8:17 CST, ड्यून पार्क, इंडियाना। आज बाहर ठंड थी।

पूर्वाह्न 10:54 CST। मैंने फिर वही सपना देखा... जिसमें मैं किसी को बार-बार मारता रहता हूँ... चाहे जितनी ज़ोर से मारूँ, वह काफ़ी ज़ोर से नहीं होता। उससे मेरा ग़ुस्सा फिर भी शांत नहीं होता। इसलिए मैं और-से-और मारता हूँ, ज़्यादा-से-ज़्यादा ज़ोर से, और फिर भी काफ़ी नहीं होता।

****

जहाँ तक पेडकॉर की स्थिति की बात है, मैं "पोर्टेज प्रोजेक्ट्स" (पोर्ट क्रॉसिंग) के लिए काम कर रहा था, जिसका मालिक पेडकॉर मैनेजमेंट है, जो पेडकॉर कंपनीज़ का हिस्सा है।

इसे ब्रूस कॉर्डिंग्ली, फ़िलिप स्टॉफ़रेगेन और जेराल्ड पेडिगो चलाते हैं।

अगर मैं आमने-सामने अपनी शिकायतें रख पाता, तो सब कुछ बहुत सरल होता। इसके बजाय, एक सचिव ने ज़िम्मेदार लोगों से बात करने की संभावना पर ही मेरी हँसी उड़ाई।

****

कल का दिन मेरे लिए अच्छा था।

डायरी प्रविष्टि जनवरी 21, 6005 AL, पूर्वाह्न 6:57 CST

कल मुझे अपनी नई नौकरी से निकाल दिया गया।

57 डायरी प्रविष्टि जनवरी 19, 6005 AL, पूर्वाह्न 10:01 CST

उथले पानी में मोती की चमक। उन प्रणालियों की जटिलता जो मानवीय रूप से (एक व्यक्ति के लिए) संभव गति से छह अरब गुना तेज़ गति से विकसित हो रही हैं। हम असमानता स्वीकार करते हैं और उन चीज़ों के लिए जूझते हैं जिन्हें सीधे ले सकते थे। हम अपनी सांस्कृतिक बुनियाद को बनाए रखने वाली जटिल प्रणालियों से लड़ते हुए निकलते हैं... जबकि हम बस अपनी ज़िंदगी जी सकते थे। हम करों को ना कह सकते थे, सरकार और निगमों को ना कह सकते थे। हम ऐसा नहीं करते।

डायरी प्रविष्टि जनवरी 10, 6005 AL, पूर्वाह्न 7:41 CST

ऐसा क्यों है कि जब अमेरिका डर को औज़ार की तरह इस्तेमाल करता है, तो उसे "डराने की रणनीति" कहा जाता है, और बाकी सभी के लिए उसे आतंकवाद कहा जाता है?

डायरी प्रविष्टि जनवरी 5, 6005 AL, अपराह्न 11:39 CST

मुझे लगता है कि कल रात मैंने सपना देखा। मैं रेत के बिस्तर पर आराम कर रहा था... निश्चलता, आख़िर शांति। फिर रेत मुझे ढकने लगी। मैं छटपटाकर बाहर नहीं निकल सका। फिर रेत की उथली क़ब्र में लगभग कुचलते हुए मेरा दम घुट गया, जिससे निकलने की ताक़त मुझमें बस थोड़ी कम थी। रेत का एक कण कितना हानिरहित लगता है... बार-बार मैं रेत के बिस्तर पर था, रेत का आनंद ले रहा था... बार-बार रेत ने मुझे ढक लिया और सिर्फ़ एक बार मुझे बचाया गया। न पहली बार, न आख़िरी बार, और कभी इसलिए नहीं कि मुझमें ख़ुद को बचाने की शक्ति थी; वह नहीं थी। उस एक बार किसी ने ठीक समय पर नीचे हाथ बढ़ाकर मुझे दबने से खींच लिया, अच्छा लगा। सुबह तक मुझे पता नहीं था कि यह बार-बार आने वाला सपना था, जो कई बार ख़त्म हुआ था। हर बार पिछली बार की एक छाया थी, एक याद जो बस पहुँच से

58 बाहर थी। हर बार जीवन या मृत्यु का सवाल था... या ऐसा लगता था।

डायरी प्रविष्टि जनवरी 4, 6005 AL, पूर्वाह्न 12:02 CST मुझे सोने में परेशानी हो रही है... कल अपनी नई नौकरी शुरू करने को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूँ।

********** ज़िंदगी में ऐसे चलो मानो मेरी जेब में रखी काग़ज़ की गड्डी का कोई उद्देश्य हो... मानो अराजकता के सपनों का कोई अर्थ हो। क्या यह बस बिल्कुल मायने न रखने का डर है? भव्यता तक को तुच्छ मानकर नज़रअंदाज़ करना। क्योंकि देवताओं का देवता भी विराट ब्रह्मांड के सामने तुच्छ और अर्थहीन होगा। मैं उससे कितना कम हूँ, लेकिन इसी तर्क से मैं चींटी से अधिक नहीं और देवता से कम नहीं। जैसे हम सभी विराट ब्रह्मांड के लिए चींटियाँ हैं और अपने अस्तित्व के लिए देवता। विराट ब्रह्मांड को बदलने में शक्तिहीन, लेकिन अपनी ज़िंदगी में सर्वशक्तिमान। मैं अपना उद्धारकर्ता ख़ुद हूँ और, ज़ाहिर है, अपना विनाश भी। 59 दिसंबर 2004 CE

डायरी प्रविष्टि दिसंबर 17, 6004 AL, अपराह्न 12:00 CST

मेरे ख़ून से सड़कें रंगने में दिलचस्पी रखने वालों के लिए एक बात। क्या तुम सचमुच मुझे इतना और मशहूर बनाना चाहते हो?

CIA के लिए एक बात... एजेंसी को तेज़ी से कमज़ोर किया जा रहा है, ख़त्म किया जा रहा है। आशा है कि अमेरिकी शासन के प्रतितुलन के रूप में UN अधिक कारगर होगा। प्रशासन को देश की भलाई अनदेखी करने और अल्पसंख्यकों पर थूकने से रोकना CIA का काम था।

राष्ट्रपति के मंत्रिमंडल की शक्ति को संतुलित करना CIA का काम था। देखो, उनके हित कहाँ हैं। इस प्रशासन को रोकने में तुम्हारी विफलता संयुक्त राष्ट्र को जवाबी हमले की अनुमति देने के लिए पर्याप्त आधार है। अंतरराष्ट्रीय ख़ुफ़िया तंत्र उन व्यवस्थाओं को नष्ट करने का रास्ता तलाश रहा है जिन्होंने बुश प्रशासन को सत्ता दी... वे सिर्फ़ बुश प्रशासन से नाराज़ नहीं हैं। हम दुनिया के लोग इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। CIA को गृह सुरक्षा के ज़रिए CIA को कमज़ोर किए जाने की अनुमति कभी नहीं देनी चाहिए थी। राष्ट्रपति का यह अगला क़दम अमेरिकी लोगों को उनके नेताओं से बचाने की CIA की शक्ति समाप्त कर देगा। हम यह कैसे होने दे सके? अब हमें CIA का काम करने के लिए UNCIA पर निर्भर होना पड़ेगा। गहरे गुप्त आवरण में काम करने वाले एजेंटों को UNCIA में फिर से नियुक्त करने पर गंभीर विचार। तुम्हें अपने साथ विश्वासघात करने की ज़रूरत नहीं। मैं

जानता हूँ कि तुम इस काम के लिए शामिल नहीं हुए थे; तुम्हारे पास विकल्प है। अधिकारी "तुम्हारी संलिप्तता के प्रमाण" खो सकते हैं... जलाते हुए

मूल **PDF** का पृष्ठ **32**

60 डेटा के निशान, और भीतर तैनात अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय एजेंटों के कुछ हिस्सों को अंतरराष्ट्रीय हाथों में धकेलते हुए। दुनिया की भलाई के लिए।

पोर्टर जे. गॉस, अगर मैं तुम्हारी जगह होता, तो इन बदलावों के विरोध में इस्तीफ़ा दे देता। मैं तुम्हें सचमुच नहीं जानता, लेकिन CIA के निदेशक के रूप में तुम्हारा पद अब नए ज़ार के अधीन रहना भर है, वह असली नेतृत्व नहीं जिसके लिए तुम आए थे। पुराने निदेशक बहुत लोकप्रिय और बहुत बुद्धिमान थे। सच्चे नेता ख़ुद को घोषित करते हैं और इसलिए नहीं चुने जाते कि उन्हें आसानी से दबाया जा सकता है—हम सभी के सोचने के लिए बस एक बात।

सादर Ghrisx 2IX, UNCIA का संस्थापक पुनश्च: जिन्हें तुम अपने नियंत्रण में समझते हो, उनसे तरस के कारण वफ़ादारी की उम्मीद मत करो।

डायरी प्रविष्टि दिसंबर 2, 6004 AL, अपराह्न 11:11 CST

सुरक्षा, विश्वास और सम्मान... सफलता के। विफलता की पीड़ा और बदनामी।

लक्ष्य क्या है? आख़िरी बात कौन कहेगा।

मैं स्मारक बनाने में मदद करना चाहता हूँ। डेविड रॉयल डॉल्टन, मूल इंटरनेट एंटीक्राइस्ट (मसीह), को समर्पित। हम सभी एक जैसे हैं, एक जन, एक मन। असली पागलपन ऐसी चीज़ बनाने में काम करना है जिसमें तुम्हारा विश्वास नहीं है। एक अर्ध-शून्यवादी और ऐनिहिलिस्ट के रूप में मैं यहाँ और अभी में नहीं जीता। मैं भविष्य की ओर जीता हूँ। 61 जब पक्षी तिनके, तार और घास लेकर अपने घोंसले की ओर उड़ता है, क्या वह जानता है कि घोंसला क्यों बनाता है? जब मकड़ी अपना जाला बुनती है, क्या वह सोचती है कि उसके पास विकल्प है? क्या वह दूसरे विकल्पों पर विचार करने में समय बर्बाद करती है?

जब वे कीड़े मकड़ी के जाले में फँसकर मरते हैं, क्या वे उल्लास महसूस करते हैं? क्या उन्हें रोशनी दिखती है, शायद किसी प्रेरित आदर्शलोक का एहसास? डेविड को आशा थी कि ऐसा होता है, और उसने यह भी सुझाया कि शायद वे मरने का आनंद भी लेते हैं।

ज़िंदगी में ऐसा क्या है जो उसे मेरे लिए जीने लायक़ बनाता है? तुम्हें यह विश्वास दिलाया जा सकता है कि शून्यवाद एक निराशाजनक धर्म है; वह हो सकता है। जीवन को जीने लायक़ बनाने वाली चीज़ हर व्यक्ति के लिए थोड़ी अलग होती है; मेरे लिए वह विस्मय और जिज्ञासा है। मैं सीखने के लिए जीता हूँ और जीना सीखता हूँ। सत्ता की इच्छा, हिसाब के गंतव्य के लिए बदलाव की शक्ति। मुझे कुछ नहीं बचा सकता। मैं पहले ही मर चुका हूँ, मैं तुम्हारे ज़रिए जीवित रहता हूँ... मुझे याद रखना, मैं तुम्हें सफल होने में मदद करूँगा।

मैं उस जीवन को जानता हूँ जो था और है, जो हो सकता है, और उन जीवों को जो सपनों पर पलते हैं। वे चीज़ें जो हमारे उथले अस्तित्व से परे हमारे चारों ओर रहती हैं। वे चीज़ें जो कभी पैदा नहीं हुईं, कभी जीती नहीं, और इसीलिए कभी मर नहीं सकतीं... किसी तरह हमारी ग़ुलाम जाति की आत्माओं के ऊपर पिशाच जैसे कोहरे की तरह चक्कर लगाती हैं। मैं तुमसे डरता

हूँ... मैं तुम्हें अपनाता हूँ। इसीलिए तुम यहाँ हो, यह तुम्हारे ख़ून में है, यही तुम हो... निचले ब्रह्मांड की प्रकृति। जब तुम मरोगे, तो जिस काम के लिए आए हो उसके लिए मरोगे, या थकते और जर्जर होते हुए एक टूटे हुए व्यक्ति के रूप में धीरे-धीरे मरोगे।

सुनहरे वर्ष? सच में, जानने का कोई रास्ता नहीं... वे प्रणालियाँ जिनकी सेवा तुम पैदा होने के दिन से मरने के दिन तक करते हो। एंटीक्राइस्ट नाम का यह प्रोटोकॉल सत्ता की इच्छा पर आधारित है। निर्दयी,

62 घृणापूर्ण, कटु, रोष से भरा, वश में करने और मिटा देने की इच्छा। यही नियति है आहूत एंटीक्राइस्ट प्रोटोकॉल की।

थोड़े हल्के अंदाज़ में, पतझड़ से सर्दी तक... जल्द ही मैं एक साल और बड़ा हो जाऊँगा... समय कहाँ चला जाता है?

मेरी मृत्यु के एक हज़ार साल बाद, दर्पण के पार, अंतरिक्ष के पार, क्या तुम मुझे देख सकते हो... मैं कितना अपूर्ण और कमज़ोर था। तुमने मुझे कितना शक्तिशाली बना दिया है, अपने ही इरादों और उद्देश्यों के लिए। यही प्रकृति है “इस” पशु की। यही, यही बुनियादी सत्य है, छोटे ब्रह्मांड की पवित्र धर्मपीठ। मेरे साथ चलो। 63 नवंबर 6004 AL

डायरी प्रविष्टि नवंबर 29, 6004 C, पूर्वाह्न 9:17 CST

पहले दिन से आख़िरी दिन तक, यह युद्ध केवल जीनोम की न्यूरोकाइनेटिक विषाणुओं के प्रति संवेदनशीलता का ही नहीं, छत्ते के भीतर काम कर सकने की क्षमता का भी है। न्यूरोकाइनेटिक प्रोटोकॉल किसी वजह से पनपते हैं। जो लोग किसी बुरे तंत्र में समा जाते हैं, उनके बचने और फलने-फूलने की संभावना उन लोगों से अधिक होती है, जो प्रतिरोध करते हैं या छत्ते के मन को बदलने का प्रयास करते हैं। एक स्वतंत्र मन किसी नए छत्ते का सूत्रधार मन बन सकता है, या उसे निकालकर अंततः शून्यता में फेंक दिया जा सकता है। यह भौतिक और न्यूरोकाइनेटिक दोनों स्तरों पर सच है। इस साइट पर किसी ख़ास पृष्ठ या खंड को जितना अधिक देखा जाता है, मैं उस खंड पर उतना ही अधिक समय बिताता हूँ। इस साइट का कुछ हिस्सा माँग के अनुसार बनाया गया है, और कुछ भावी पीढ़ियों के लिए।

वे जैविक या भौतिक तंत्र जो एंटीक्राइस्ट प्रोटोकॉल को बाधित करने की कोशिश करेंगे, नष्ट कर दिए जाएँगे, साथ ही सीधे जुड़े हुए किसी भी तंत्र या जीनोम को भी। (जब तुम खरपतवार को मारते हो, तो तुम्हें बीज या पराग को भी नष्ट करना होता है।) तंत्रों का न्याय होना चाहिए और योगदानकर्ताओं को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। एक का जीवन हमारी प्रजाति के अस्तित्व को विनाश की ओर धकेल सकता है।

ऐसा क्यों हुआ कि “नई दुनिया” पुरानी दुनिया से कहीं ज़्यादा शक्तिशाली और आविष्कारशील निकली? धर्म अक्सर चरित्र को परखने का अच्छा साधन होता है; कोई कहाँ पहुँचा, इससे ज़्यादा महत्वपूर्ण यह है कि वह वहाँ कैसे पहुँचा।

कुछ लोग ईसाई पैदा होते हैं और ईसाई ही मर जाते हैं, बिना इस पर अधिक विचार किए कि क्यों; इसका सम्मान करना मेरे लिए कठिन है। दूसरे किसी विशेष आस्था में पैदा होते हैं और अंत में दूसरी आस्था तक पहुँचते हैं; मैं इसका सम्मान करता हूँ। कुछ लोग किसी धर्म में पैदा होते हैं, यह जाँचते हैं कि वे क्या मानना चुनते हैं, और

64 फिर वहीं लौट आते हैं जहाँ से शुरू किया था; मैं उसका भी सम्मान करता हूँ।

पूर्वाह्न 9:54 CST जैविक थूक* ग्रहों का परागण अगर धरती पर हर व्यक्ति एक छोटा-सा, नन्हा-सा डिब्बा बनाए, जिसमें आनुवंशिक पदार्थ और बुनियादी जैविक “बीज” भरे हों। फिर उन सबको हर साल एक रॉकेट में भरकर अंतरिक्ष में भेज दिया जाए, और हर डिब्बा अलग दिशा में जाए, शायद तारों के किसी ख़ास समूह की ओर निशाना साधकर। यह पराग जैसा होगा। अंततः उन 6,000,000,000 में से कुछ उपयुक्त मेज़बान ग्रहों पर उतरेंगे, और कुछ पहले से बसे हुए ग्रहों पर उतर सकते हैं।

पहले महाविस्फोट से आख़िरी तक... ज्ञात ब्रह्मांड के छोर के पार से, जहाँ जीवन ब्रह्मांड की ऋतुओं के बाहर जीता है, या कभी जीता था। भविष्य से हम अतीत को देख सकते हैं, जब हमारी दुनिया की सामूहिक बुद्धि घातीय रूप से विकसित होती है। हम अब भी एक ग़ुलाम जाति हैं, हम अब भी सिर्फ़ इंसान हैं।

डायरी प्रविष्टि नवंबर 23, 6004 CE, पूर्वाह्न 3:33 CST

मैं नाराज़ हूँ कि मैंने बात को यहाँ तक आने दिया। छत्ते, यहाँ तक कि मृत भी... छत्ता... मिलीभगत में एक मृत... मानो हमने किया हो.... बेशक मैं यह कर ही नहीं सकता था... हाहा, बिना....कला

डायरी प्रविष्टि नवंबर 20, 6004 CE, अपराह्न 3:33 CST

आस्था, एकता, भाईचारा कभी-कभी नफ़रत फैलाने वाली, पीट-पीटकर मार डालने वाली भीड़ों तक पहुँचा सकते हैं। दूसरी ओर, दरवाज़े के बाहर के गिरोहों और नशे के मुक़ाबले आध्यात्मिकता के लिए एकता देखना अच्छा लगता है। इसलिए मैं तुम्हारे आने की क़द्र करता हूँ। तुम्हारे साथ एकत्र होने और प्रार्थना करने के निमंत्रण की भी। सच में, मैं इस प्रस्ताव की क़द्र करता हूँ और आशा करता हूँ कि तुम 65 अपने विश्वास के अनुसार काम करते रहोगे, जैसे मैं अपने विश्वास के अनुसार काम करता रहूँगा।

तुम्हें जो समझना चाहिए, वह यह है कि मैं ईसाइयत की हर चीज़ से नफ़रत नहीं करता। मुझे उसमें बहुत कुछ अच्छा दिखता है। मैं बस इतना चाहता हूँ कि जब तुम्हें कुछ ग़लत दिखे, तो तुम उसे नज़रअंदाज़ या स्वीकार न करो। उसे अपने लिए समझो और अपने आसपास के लोगों के साथ आगे बढ़ो।

जहाँ तक अनंत दंड का भय फैलाने जैसी आतंकवादी प्रचार-युक्तियों की बात है। मैं क्या कहूँ, आतंकवाद काम करता है; भाषाशास्त्रीय मोर्चे पर डर सबसे शक्तिशाली साधनों में से एक है, और झूठी आशा भी असरदार है।

डायरी प्रविष्टि नवंबर 19, 6004 CE, पूर्वाह्न 1:31 CST

मैंने एक तंत्रिका कोशिका का दर्शन देखा, जो एक नैनो-यांत्रिक खोल से जुड़ी थी और लगभग उससे घिरी हुई थी। किसी तंत्रिका कोशिका जैसी, जो भी हो, एक नैनो-यांत्रिक जैविक बहुउद्देशीय चीज़। छोटे पैमाने पर स्वयं मानवता। जैविक केंद्र से जुड़ा विद्युत, यांत्रिक और कंप्यूटर का खोल। अपने आप में जैविक जीवन लगभग आकारहीन था... न बाँहों की ज़रूरत, न टाँगों की, न सिर की भी; मानो बिना हड्डियों की एक मांस की थैली, जिसमें तंत्रिका ऊतक हों और जो एक रोबोट के बाहरी कंकाल से जुड़ी हो। रोबोट... मैट्रिक्स से निकली किसी चीज़ की तरह, मानो हर जगह, हर चीज़ का हिस्सा। हर अणु किसी मशीन से व्यवस्थित, न अव्यवस्था, न अराजकता, न कार्बन-आधारित जीवन, न वह प्रकृति जिसे हम जानते हैं, न वह ग्रह जिसे हम जानते हैं; हर अणु किसी उद्देश्य के लिए सक्रिय उपयोग में। नैनो-यांत्रिक जीवित ग्रह का उद्देश्य, आख़िरकार हर अणु पूरी तरह व्यवस्थित हो

जाने के बाद, बचे रहना हो जाता है। उद्देश्य व्यवस्था खोजने से बदलकर ग्रहों, सूर्यों, पूरी आकाशगंगाओं को निगलना हो जाता है। शांति और प्रेम? यह एक आदर्श है

मूल **PDF** का पृष्ठ **35**

66 जो मानवता को सुंदर बनाता है, भले ही हर व्यक्ति प्रेम कर सकता हो और शांति की ओर काम करे... तंत्र फिर भी लड़ते हैं, प्रतिस्पर्धाएँ होती हैं, और अंततः हम जो कुछ करते हैं, वह युद्ध है। ग़ुलामों की दुनिया में बचने और उत्कृष्ट होने की लड़ाई, अधिक मज़बूत और समझदार बच्चों के लिए ख़ूनी वैर, और कमज़ोरों को ज़हर देकर नष्ट करने वाले तंत्र मौजूद हैं। ख़तरनाक हद तक बुद्धिमान लोगों को नष्ट करने वाले तंत्र मौजूद हैं; जनता से मज़बूत, स्वतंत्र सोच वाले लोगों को दबवाने और नष्ट करवाने के लिए प्रचार है।

यह सब बहुत जटिल है।

आम तौर पर मुझे सोने के आभूषण पसंद नहीं आते। सोना अधिकांश धातुओं से बेहतर चालक है; सोना और चाँदी इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए बहुत मूल्यवान हैं; चाँदी संक्षारक है। इस कारण सोना शायद ब्रह्मांड की सबसे मूल्यवान धातु हो सकता है।

आख़िर लोगों को सोना पसंद आना शुरू ही क्यों हुआ? क्योंकि वह चमकीला है और कम तापमान पर आसानी से आकार दिया जा सकता है? सबसे अधिक संभावना है कि यह सिर्फ़ संयोग हो, लेकिन दूसरी ओर धरती कहीं और की इलेक्ट्रॉनिक्स-आधारित सभ्यता के लिए सोना उगाने का खेत भी हो सकती है... बस एक विचार। अगर हम किसी अधिक विकसित प्रजाति की ग़ुलाम जाति रहे हों तो? किस वजह से उन्होंने अपना सामान समेटकर जाने का फ़ैसला किया होगा? शायद उन्होंने ठोस पदार्थ को उपपरमाण्विक कणों या शुद्ध ऊर्जा तक में बदलना, और फिर वापस किसी भी मनचाहे तत्व में बदलना सीख लिया हो। ऊर्जा संरक्षण के सिद्धांत के अनुसार, पदार्थ के रूपांतरण में चाहे जितनी ऊर्जा लगे, वह ऊर्जा नष्ट नहीं होती। सैद्धांतिक रूप से... फिर भी मुझे नहीं लगता कि ऊर्जा संरक्षण का सिद्धांत पूरी तरह सही है; और अगर वह सही है, तो अंततः ब्रह्मांड का हर परमाणु और सारी ऊर्जा तरंगें बनकर शून्यता में बिखर जाएँगे। 67 अगर तुम काफ़ी दूर होते, तो ब्रह्मांड एक तारे जैसा दिखता। एक दिन वह तारा बुझ जाएगा। भले ही वह दिन एक अरब महाविस्फोट चक्र दूर हो। ब्रह्मांड का भाग्य अलग होने का एकमात्र रास्ता यह है कि ऊर्जा पैदा और नष्ट की जा सके। मेरा झुकाव इसे संभव मानने की ओर है, मेरा झुकाव हर चीज़ को संभव मानने की ओर है। एक दिन ऐसा रास्ता होगा जिससे बिजली केवल उत्पन्न नहीं, बल्कि पैदा की जा सके। जब ऐसा कोई रास्ता मिल जाएगा, तो विशाल रसातल की गहराइयों में पूरी आकाशगंगाएँ बनाई जा सकेंगी।

अमरता संभव होने के लिए ऊर्जा को पैदा करना होगा। पदार्थ को शुद्ध ऊर्जा में और फिर वापस बदलना होगा। (सच्ची कीमियागरी)

इन दोनों कामों का संभव होना ही वह शर्त है जिसके तहत ब्रह्मांड सदा अस्तित्व में बना रहेगा।

वरना ब्रह्मांड में पदार्थ की मौजूदगी इतिहास बन जाएगी, क्योंकि उसे मशीनों के भोजन के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा, ऊर्जा में बदला जाएगा, और वह ऊर्जा तरंगों के रूप में रसातल में बिखर जाएगी। अंत में केवल मशीनें बचेंगी, और वे एक-दूसरे को खाएँगी और अंततः स्वयं को भी।

मेरा विश्वास है कि ऊर्जा पैदा की जा सकती है और ब्रह्मांड का द्रव्यमान बढ़ाने का रास्ता खोज लिया जाएगा।

डायरी प्रविष्टि नवंबर 18, 6004 CE, अपराह्न 11:39 CST

एक दुनिया, एक मानवता। शांति देशभक्तिपूर्ण है... यह सब इतना सच है।

ओपन-माइक की शाम के लिए Front Porch में रुका। उन पुराने दिनों की याद आती है, जब चीज़ें बिगड़ने के नतीजे कहीं हल्के होते थे। एक ऐसी जगह जहाँ आम

68 लोग सितारे होते हैं। ज़िंदगी और लोगों के बारे में जो कुछ मुझे प्रिय है, उसकी याद दिलाने वाली जगह। सचमुच दुनिया में मेरी पसंदीदा जगहों में से एक। यहीं हम ख़ुद को और एक-दूसरे को समझने लगते हैं, दोस्त बनते हैं, लोग अपनी प्रतिभा और उम्मीदें बाँटने के लिए मिलते हैं। आने और प्रस्तुति देने वालों में कुछ मशहूर हैं, कुछ मशहूर होंगे, लेकिन सभी में जुनून और प्रेरणा साझा हैं, और सभी को याद रखा जाएगा।

छोटे शहर का एक साप्ताहिक आयोजन, जिसका सचमुच पूरे शहर पर सकारात्मक असर होता है। लोग वहाँ से निकलकर ख़ुद को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं, ज़्यादा हासिल करने, ज़्यादा सीखने, कुछ नया बनाने की कोशिश करते हैं। निगमों के "सिर्फ़ मुनाफ़े पर पलने वालों" के लिए उस तरह की ऊर्जा और प्रेम में सचमुच शामिल होना बहुत कठिन है, जिसमें मुनाफ़ा भुलाना पड़ता है... ऐसी किसी चीज़ में शामिल होना जो लोगों को साथ लाए और इंसान, समुदाय तथा कलाकार के रूप में उन्हें विकसित करे। बचे रहने के लिए मुनाफ़ा होना ज़रूरी है, लेकिन कला और समुदाय बड़े मुनाफ़े से अधिक महत्वपूर्ण हैं।

ठीक उस समय जब मैं दुनिया की सारी अच्छाई लगभग भूल चुका था। उम्मीद और जुनून, आर्थिक लाभ के लिए नहीं... कला के लिए, कुछ कहने के लिए। पहचाने जाने और प्रेरित करने के लिए।

मुझे अक्सर यह बात परेशान करती है कि मुझे अपनी किताब पर गर्व नहीं है। मुझे इस वेबसाइट पर गर्व नहीं है। मैं उसका ज़िक्र नहीं करता, उससे पढ़कर नहीं सुनाता। मैंने उसे प्रकाशित ही इसलिए किया कि तुम पढ़ सको, फिर भी किसी तरह तुम्हारा पढ़ना मुझे परेशान करता है। अगर तुमने इसे पढ़ने का चुनाव किया है, तो शायद तुम भी ग़ुस्से से भर गए हो, मानवता पर से सारा विश्वास खो चुके हो, अपनी सारी सांसारिक उम्मीदें छोड़ चुके हो और भौतिक संपत्ति की इच्छा खो चुके हो। फिर भी तुम जीते रहते हो, मर नहीं पाते, उस किसी चीज़ में सफल होने की कोशिश करने को तैयार नहीं होते जिससे यह निरर्थक मोनोअमाइन अस्तित्व तुम्हें रिश्वत देने की कोशिश करता है। इसलिए तुम विनाश की ओर देखते हो, विनाशकारी 69 शक्ति के शिखर की ओर... उस एक व्यक्ति की ओर जो इस दुनिया को फिर सुंदर और पवित्र बना सकता है। उस एक व्यक्ति की ओर जो Wal-Mart, SBC, Microsoft, Kraft को रोक सकता है... उस एक व्यक्ति की ओर जो मानवता को नया सवेरा दे सकता है और ब्रह्मांड में मानवजाति के लिए थोड़ा अतिरिक्त समय ख़रीद सकता है। एंटीक्राइस्ट सचमुच बुरा नहीं है; एंटीक्राइस्ट उद्धार और पुनर्जन्म है। अभी ज़्यादातर लोगों के लिए यह देखना कठिन है, लेकिन अगर तुम कल 7 लोगों को एंटीक्राइस्ट का अनुसरण करने के लिए राज़ी करो और उन 7 लोगों में से हर एक अगले दिन 7 और लोगों को राज़ी करे... तो बारह दिनों के भीतर पृथ्वी पर हर कोई एंटीक्राइस्ट का अनुसरण करेगा (सैद्धांतिक रूप से 13,841,287,201 लोग; हमारी वर्तमान आबादी 6,000,000,000 से कुछ अधिक है)।

मुझे सचमुच चाहिए कि तुम मेरी किताब ख़रीदो, और मुझे चाहिए कि तुम सात अन्य लोगों को मेरी किताब ख़रीदने के लिए राज़ी करो... इस दुनिया में कुछ भी उपयोगी (या उलटा असर डालने वाला) करना हो, तो पैसा चाहिए।

डायरी प्रविष्टि नवंबर 16, 6004 CE, अपराह्न 8:00 CST

सबसे ऊँचे स्तर पर दरवाज़े खुल और बंद हो सकते हैं दरवाज़ों की यही समस्या है

एंटीक्राइस्ट सीसी डायरी प्रविष्टि <-15-{नवंबर}- 6004 CE->अपराह्न 8:12 CST जब मानवता पर सूरज डूबा, तो लिखा गया कि एक इंसान पूरी मानवता का न्यायाधीश होगा। लिखा गया कि वह व्यक्ति जीवितों और मृतकों का चुनाव करेगा। तो क्या वह दिन तुम्हारी पीढ़ी पर घटित होगा?

तुम मेरी आत्मा लेने आए हो? मेरे विचारों को रौंदते हुए वह ले जाने जो मैंने सीखा है, जबकि तुम चुनते हो कि पागलपन क्या है और बुद्धिमत्ता क्या। जो तुम समझते हो और जो आगे जानोगे, लेकिन अभी ग़लत समझते हो। यह कोई बाइबल नहीं है!

मूल **PDF** का पृष्ठ **37**

70 ज़्यादातर लोगों के लिए यह कुछ भी नहीं, भीतर छिपा विद्रोह, स्वयं जीवन का कड़वा ख़ून-पसीना। क्या कभी कोई विकल्प था? क्या किसी मोड़ पर मैंने ज्ञानोदय की राह पकड़ ली और उन संकेतों को अनदेखा कर दिया जिन पर लिखा था, "चेतावनी: ज्ञानोदय हमारी व्यवस्था के विकास के लिए प्रतिकूल है"? मुझे यक़ीन नहीं कि कभी कोई विकल्प था। तुम जो हो, वही हो, जैसे मैं हूँ। ख़ुद को एंटीक्राइस्ट कहने वालों की संख्या बहुत छोटी है; वह बढ़ेगी। हमारे ख़ून-पसीने ने ऐनिहिलिज़्म की न्यूरोकाइनेटिक तरंग को बढ़ा दिया है। क्या ईसाई अपने मसीह को देखेंगे, और दूसरों के लिए चाहे हुए नरक में जागने से पहले वही आख़िरी चीज़ होगी जो वे देखेंगे? न्याय सुना दिया गया है—क्या ईश्वर की नज़र में ईसाइयत बुराई है?

मैं ईश्वर की इच्छा जानता हूँ! मैं यीशु की इच्छा जानता हूँ! हाँ, ज़रूर जानते हो।

पृथ्वी की निराशाजनक स्थिति से पृथ्वी पर नरक की आग चमकती है। यह इस क्षण तक हुई हर चीज़ का शिखर है—हमने जो कुछ सोचा, बनाया और सीखा है, सबका। हमारी संस्कृति इतनी उन्नत है, फिर भी हम बहुत कम बदले हैं। जैसे फ़राओ के ग़ुलामों को अपने काम पर गर्व था, वैसे ही हमें है। कि कोई उद्धारकर्ता ग़ुलामों को मुक्त करेगा? व्यवस्था नष्ट करेगा और मानवता में बराबरी लाएगा। अब काग़ज़ी निशान नहीं... डिजिटल फ़ाइलें। हमारी दुनिया के ईश्वर, निगम-देवताओं के लिए तुम कौन हो, उसका एक मैट्रिक्स। तुम्हारी आत्मा, तुम्हारे अस्तित्व को आग लगा देना? मरने का कितना भयानक तरीक़ा, या इस मामले में, न मरने का। तुम्हारी प्रशंसा हो... तुम्हारा दर्द हमारा दर्द है, दुनिया का दर्द है।

डायरी प्रविष्टि नवंबर 9, 6004 CE, अपराह्न 1:45 CST

71 हम सभी पैदा होते हैं और हम सभी मरेंगे। शैशव से बुढ़ापे तक (ज़्यादातर के लिए)... हम निर्दोष पैदा होते हैं और निर्दोष मरते हैं। आस्था किसी ऊँची शक्ति की तुम्हारी कल्पना से अधिक है। आस्था उन व्यवस्थाओं में तुम्हारी भागीदारी है जिन्हें समर्थन देने का तुमने चुनाव किया है, सिर्फ़ इसलिए कि तुम चाहते हो।

मैं तुम्हारे बारे में सोचता हूँ, तुम्हारे बारे में बात करता हूँ, तुम्हें सफल होने में मदद करूँगा, और बदले में मुझे तुम्हारे विश्वास और समर्थन के अलावा कुछ नहीं चाहिए। अंत में हम उन जीवों के भोजन से अधिक कुछ नहीं होंगे जो मृतकों पर पलते हैं। हम कुछ

भी करें या हासिल करें, हम सभी का भाग्य यही है। ग़ुलामी का कितना भी श्रम या बौद्धिकता इसे नहीं बदलेगी। इसलिए मैं जो करता हूँ, तुम्हारे लिए करता हूँ, क्योंकि तुम भविष्य हो। तुम मेरी आस्था हो।

डायरी प्रविष्टि नवंबर 5, 6004 CE, अपराह्न 1:24 CST

दुनिया की सबसे बड़ी जेल-व्यवस्था की चाबियाँ रखने वाले के मुँह से निकले आज़ादी के झूठ पर विश्वास मत करो। यह मत मानो कि हम अपने नेता चुनते हैं; हमारा चुनाव निगमों द्वारा प्रायोजित और नियंत्रित कठपुतलियों तक सीमित है। यह मत मानो कि सरकार तुम्हारे हित ध्यान में रखती है, जब तक तुम निगमों के शेयरों के लाभांश पर नहीं जीते। सबसे बढ़कर, यह मत मानो कि बदलाव लाने में तुम शक्तिहीन हो, क्योंकि हमारी एकमात्र उम्मीद तुम हो!

हम दुनिया के लोग इतने समझदार हैं कि जानते हैं, हम आज़ादी से बहुत दूर हैं। हम उठ खड़े होंगे और उन लोगों को कुचल देंगे जो हमें और ग़ुलाम बनाना चाहते हैं। हम ऐसी दुनिया देखने के लिए किसी भी हद तक जाएँगे जहाँ आज़ादी रह सके और सरकारें सचमुच सभी लोगों की सेवा करें। सिर्फ़ अमीरों की नहीं! सिर्फ़ निगमों के नेताओं और हिस्सेदारों की नहीं! हम राष्ट्रीय क़र्ज़ मिटा देंगे, उसके साथ निगमों और उनके समर्थकों का सारा पैसा और

72 सत्ता भी मिटाकर। हम फिर एक नए दिन, एक नई व्यवस्था में आज़ाद होंगे।

आज़ादी का राज हो!

पूर्वाह्न 12:10 CST तुम्हें यह साबित करने का कोई वास्तविक रास्ता नहीं कि मैं मौजूद हूँ। यह साबित करने का कोई वास्तविक रास्ता नहीं कि तुम्हारे अपने दिमाग़ के बाहर कोई मौजूद है। यह जानने का कोई तरीक़ा नहीं कि यह सपने के भीतर सपना है और मैं बस वह विचार हूँ जिसे सोचने का तुमने विचार किया था। अगर मैं कुछ अधिक हूँ, तुम्हारे विचारों और चेतना से परे कुछ वास्तविक...

यह अचानक बोध कि "मैं" मूर्त हो सकता हूँ। कि हम सभी एक जैसे हैं... चूहा चूहा है; "अच्छे चूहे" और "बुरे चूहे" नहीं होते। बस प्रजाति के अलग-अलग पहलुओं को प्रकट करने के अलग तरीक़े होते हैं।

हम प्रकृति से प्यार करते हैं; जब वह मिलती है, तो उसे नष्ट करना पसंद करते हैं। पेड़ मिलता है, तो उस पर घर बनाते हैं। सूखी लकड़ी मिलती है, तो आग जलाते हैं। हिरन दिखता है, तो उसे गोली मारते हैं। यही हमारी प्रकृति है। जिसे सबसे अधिक प्यार करते हैं, उसे नष्ट करना। हमारी मौजूदगी इस ग्रह का जीवन चूस लेती है; हम सुंदरता पाते हैं और उसे ठंडे इस्पात और सीमेंट में बदल देते हैं। हम एक ही हैं। हमारी जीवन-शक्ति, मानवता की जीवन-शक्ति...

1. हम इस ग्रह को नष्ट कर रहे हैं, जैसे मानवता का वायरस फैलने पर हम और बहुत-से ग्रहों को नष्ट करेंगे। 2. यह ग्रह एक ऊष्मायन जैवमंडल है, और हम लगभग "अंडे से निकलने" तथा ब्रह्मांड में जाकर अपने विस्तृत परिवार से परिचित होने के लिए तैयार हैं। या 73 3. जीवन ऐसा संयोग है जो पहले कभी नहीं हुआ और फिर कभी नहीं होगा, अगर हम पूरे ब्रह्मांड में जीवन फैलाने का कोई तरीक़ा नहीं ढूँढ़ते।

क्या मैं कोई संभावना भूल गया? ईश्वर ने हमें इसलिए बनाया कि उसे अपनी पूजा करने वाला कोई चाहिए था, इसलिए चर्च जाओ या हमेशा यातना सहो! ज़िक्र करने के लिए भी बहुत मूर्खतापूर्ण? ईश्वर-प्रोटोकॉल की अपनी जगह और उद्देश्य है, ठीक

हर दूसरे प्रोटोकॉल की तरह। आतंकवाद काम करता है, चर्च हज़ारों साल से उसका इस्तेमाल कर रहा है, और अगर तुम यह नहीं मानते, तो नरक में जाओगे! ऐसा लिखा गया है।

या उलटा आतंकवाद... अगर तुम वही करो जो मैं कहूँ, तो आकाश के "अच्छे" राज्य में जाओगे, जहाँ तुम एक मृत बढ़ई के साथ जानवरों के ख़ून और मांसपेशियों की दावत करोगे, जिसे अपना मांस खाया जाना पसंद है।

डायरी प्रविष्टि नवंबर 6004 CE, अपराह्न 10:30 CST

मुझे कहना होगा कि इस साल मैं बेहद कमज़ोर रहा। अक्टूबर के त्याग में मैं बुरी तरह विफल हुआ। अक्टूबर 20 तक मैं साथियों के दबाव और प्रलोभन के आगे पूरी तरह झुक गया और फिर मांस खाना शुरू कर दिया। अगले साल मैं अधिक मज़बूत रहूँगा।

मूल **PDF** का पृष्ठ **39**

74 अक्टूबर 6004 AL

डायरी प्रविष्टि अक्टूबर 30, 6004 CE, अपराह्न 11:25 CST

एंटीक्राइस्ट की रात की तस्वीरें + रिसरेक्शन क़ब्रिस्तान बचे रहने को लक्ष्य मत बनाओ... तुम असफल होगे।

डायरी प्रविष्टि अक्टूबर 26, 6004 CE, अपराह्न 8:50 CST

स्टेम कोशिकाएँ... स्टेम कोशिकाओं के रूप में लोग... स्टेम कोशिकाओं के रूप में मानवता।

अपराह्न 6:50 CST क्लिक, हम्म्म... मैं एक नई शुरुआत कर रहा हूँ। मैं और सकारात्मक होने की कोशिश करूँगा... केवल हमारे अस्तित्व की अप्रासंगिकता के बारे में निश्चित नहीं, बल्कि इस बारे में सकारात्मक कि मैंने क्या हासिल किया है और अब भी क्या हासिल करना बाक़ी है।

मैं ज़िंदा हूँ और ठीक हूँ...

****

पलक झपकने जितना वह समय, जो हमारा जीवन है। वे मानसिक प्रक्रियाएँ जो तय करती हैं कि हम कौन हैं और कौन होंगे। मेरे पास मैं होने के अलावा क्या विकल्प है... कोई नहीं। यह अस्तित्व की लॉटरी है। मैं भेड़िया, शेर या अमीबा हो सकता था। मैं अपना अस्तित्व किसी भी समय, किसी भी रूप में बिता सकता था और फिर भी मैं ही रहता, इसलिए नहीं कि मैंने ऐसा होना चुना है... बल्कि इसलिए कि मैं हूँ। बिल्कुल तुम्हारी तरह, बिल्कुल हर मौजूद जीवन की तरह। आज इस पल मैं अपने आप और अपने जीवन के साथ शांति में हूँ; उम्मीद है तुम भी हो। 75

मैं इंसान हूँ, पृथ्वी ग्रह की ग़ुलाम प्रजाति। मैं इतना भाग्यशाली भी हूँ कि जानता हूँ, मैं ग़ुलाम हूँ। तंत्रों के ऊपर तंत्रों की जटिलता, हमारी दुनिया का उस रूप में विकास जो जल्द ही एक आकाशगंगीय साम्राज्य बनेगा। मैं जानता हूँ कि मानवता की विजयों या हमारी प्रजाति के अंतिम पतन को देखने के लिए मैं यहाँ नहीं रहूँगा; उम्मीद है, यह लिखे जाने के हज़ारों साल बाद, वहाँ कहीं कोई अब मेरी बात सुन रहा है।

इसलिए नहीं कि यह अच्छा है, बल्कि इसलिए कि यह मेरी नश्वरता है, और तुम्हारे साथ मेरी अमरता। कि मैं अब भी जीवित हूँ, क्योंकि तुम यह पढ़ रहे हो। मैं तुम्हारी वजह से, तुम्हारी वजह से मौजूद हूँ। उन दानवों के सपने जिन्हें संत होना चाहिए था, वे भय जिन्हें आकांक्षाएँ होना चाहिए था, लेकिन क्या तुम्हें अब भी मेरा सपना आता है?

क्या मैं वह संत हूँ जो तुम्हें नरक की आग से, एक ऐसे अस्तित्व से बचाता है जिससे तुम निकल नहीं सकते? या मैं वह छाया हूँ जो तुम्हारे नाज़ुक अस्तित्व का पीछा करती है?

यह वह दुनिया है जो मुझे अपनी ड्राईवॉल की क़ैद के भीतर से दिखती है। वह दुनिया जिससे मैं प्रेम करता हूँ, लेकिन जिसमें कम ही बाहर निकलता हूँ। फिर आज़ाद होना, या रेगिस्तान में आज़ादी से चलना, रेत पर लेटना, दूर रेंगते साँपों का कोई डर न होना। वे बिच्छू और ब्लैक विडो मकड़ियाँ जो मेरे नश्वर अस्तित्व का पीछा करती हैं, लेकिन मेरी आत्मा के लिए ख़तरा नहीं हैं।

डायरी प्रविष्टि अक्टूबर 25, 6004 CE, पूर्वाह्न 1:35 CST

अनंत रसातल से एक क्वार्क तक। एक अकेली तंत्रिका कोशिका से एक “विचार”, जो एक न्यूरोकाइनेटिक स्पंदन दुनिया भर में भेजता है। हम सब मरने वाले हैं।

डायरी प्रविष्टि अक्टूबर 14, 6004 CE

मूल **PDF** का पृष्ठ **40**

76 जो 200 साल पहले जादू-टोना या पूरा पागलपन माना जाता। संचार, सूचना, तस्वीरें... पूरी दुनिया में प्रकाश की गति से भेजी जा रही हैं, उनमें से बहुत कुछ बेतार। कंप्यूटर का विचार ही 200 साल पहले समझाना कठिन होता; ESP से लैस कंप्यूटर, जो तंत्रिका कोशिकाओं की तरह आपस में जुड़े हैं। एक WWB (विश्वव्यापी मस्तिष्क) बनाने के लिए, जो हमारी दुनिया का नियंत्रण-केंद्र है। इसे समझाओ।

यह सब इतनी जल्दी कैसे हुआ? आगे क्या है? आगे Pulse OS है। जीवित ऑपरेटिंग सिस्टम।

घाटी के पक्षी, जो ताज़ी हवा में नुकीली चट्टानों के ऊपर पेड़ों तक उड़ते हैं। जीवन की धारा, जो घाटी का तल तराशती है; मैं जीवन की गूँज के बीच अपनी प्रकृति के साथ एक होकर खड़ा हूँ। आगे का दृश्य: वही घाटी, हवा बासी है, मलजल से पानी ज़हरीला हो गया है; पक्षियों के शवों का सूप बनाने के लिए पानी उबालने को मैं पेड़ जला रहा हूँ। आगे का दृश्य: जमा हुए परमाणु कचरे ने मुझे और ग्रह की सतह के सारे पशु-जीवन को मार दिया है। मशीनें चलते-चलते परमाणु कचरा डालती जाती हैं, ताकि मानव और पशु "समस्या" मिटा दें और दक्षता अधिकतम कर दें।

हम अभी उस अध्याय तक नहीं पहुँचे हैं। मशीनें पहले से दुनिया नियंत्रित करती हैं, लेकिन लोग अब भी प्रक्रियाओं का हिस्सा हैं। लगभग हर व्यक्ति को अपनी नौकरी के कुछ हिस्से नापसंद हैं। पुलिस से स्कूल के अध्यापकों और सेना तक। हम सभी अपने व्यवस्थित अस्तित्व के निर्देशों का पालन करते हैं, क्योंकि "हमें करना पड़ता है"। हममें से हर कोई कभी-न-कभी कहता है, मैं "यह" इस तरह कर रहा हूँ क्योंकि यह मेरा काम है। मैं इसे किसी दूसरे तरीक़े से करना पसंद करता। हम ग़ुलाम जाति हैं और जो कहा जाता है वह करते हैं, वरना कोई और वही करेगा जो उसे कहा गया है और हमें मिटा देगा। उदाहरण के लिए, Mc Donald का कर्मचारी "महसूस करता है" कि किसी बेघर परिवार को पिछले 77 दरवाज़े से छिपकर खाना देना सही है; कुछ चेतावनियों के बाद उस कर्मचारी को चोरी के लिए निकाल दिया जाएगा। उसे निकालने वाले व्यक्ति को ऐसा करना ही पड़ेगा,

वरना चोरी का समर्थन करने के लिए उसे ख़ुद निकाल दिया जाएगा। कक्षा और मोर्चे पर भी ऐसा ही है। जिन अत्याचारों में हम भाग लेते हैं, उनमें अपना हिस्सा जायज़ ठहराने के लिए हम ख़ुद से जो झूठ कहते हैं। मुझे ऐसा करने को कहा गया था। मुझे मजबूर किया गया था। अगर मैं सीमा से बाहर गया, तो मेरा परिवार नष्ट कर दिया जाएगा; मुझे सीमा में रहना होगा।

मेरे पास विकल्प है और मैं जो करता हूँ, जिसका हिस्सा हूँ, उसके लिए ज़िम्मेदार हूँ। जिस व्यवस्था से मैं असहमत हूँ, उसका समर्थन करने के लिए मुझे चालाकी से इस्तेमाल नहीं किया जाएगा! काश यह इतना सरल होता। सभ्यता में योगदान दिए बिना तुम उसका हिस्सा नहीं बन सकते। अगर तुम सभ्यता का हिस्सा नहीं हो, तो तुम्हारा जीनोम ग्रह से मिटा दिया जाएगा।

मैं ग़ुलाम हूँ, हमेशा ग़ुलाम रहूँगा, लेकिन शायद मैं चुनता हूँ कि किसका ग़ुलाम हूँ; और शायद व्यक्तिगत चुनाव भी भ्रम है (जीनोम में पहले से प्रोग्राम किया हुआ)। बहरहाल, मैं 3 चीज़ें हूँ... अपना जीनोम (DNA), अपना परिवेश (आहार, प्रभाव, आसपास की चीज़ें...) और अपनी उम्र। इसी से मैं मैं हूँ और तुम तुम हो। इसीलिए अक्सर दुश्मनों के साथ उनके वंशजों को भी मिटाया जाता है, ताकि विरोधी ताक़तों का जीनोम समाप्त हो और वंशजों के विरोध की राह पर चलने की संभावना कम हो।

एंटीक्राइस्ट सीसी डायरी प्रविष्टि <-9-{अक्टूबर}-6004 CE-> किसी दूसरी जाति के लिए हवा ज़हर हो सकती है। मैं जीवित होने और क्षय होते जाने के लिए आभारी हूँ... मैं 26 का हूँ, क्या 28 देखूँगा? बहरहाल। हर चीज़ के समग्र से उसके शून्य तक!!

भोजन के लिए गाय मारना "अच्छा" अधिशेष के कारण "लोगों" को मारना?

पूर्वाह्न 2, विवेक अकेला सोता है।

एक परपीड़क वास्तविकता ?अगर मैं जानता हूँ कि मेरा कोई महत्व नहीं और तुम्हारा भी नहीं, तो मैं तुमसे क्यों कहूँ कि...

मैं मरता नहीं अनंत शून्यता!

जब मैं सोच रहा हूँ कि तुम्हें और तुम जैसे सभी जीवों को कैसे मारूँ, तब तुम्हें मेरे फ़ोन का जवाब देने की भी फ़ुर्सत नहीं? कुछ नहीं से भी कम। मैं 26 में बूढ़ा आदमी हूँ। मज़ेदार यह है कि लोग सोचते रहते हैं कि मैं कितना पागल हूँ।

पागलपन कोई योजना है या बहाना? या वास्तविकता का तुम्हारा अभाव।

डायरी प्रविष्टि अक्टूबर 8, 6004 CE

मेरी खोपड़ी में तैरती लाशें। ब्रह्मांड की महत्वहीनता और हर एक आत्मा का महत्व। पृथ्वी ग्रह का फूल खिलता है और अपना पराग रसातल में भेजता है। ब्रह्मांड के महा-आकाशगंगीय दृष्टिकोण (एक जीवित सत्ता के रूप में) से लेकर किसी एक जीव के मनोविज्ञान या किसी एक परमाणु के दहन तक। जो आने वाला है, उसका नक़्शा पहले ही लिखा जा चुका है। उस प्रकार के फूल की सटीक संरचना जिसमें ग्रह को विकसित होना चाहिए। रहस्योद्घाटन, आर्मगेडन, जिहाद जैसे प्रोटोकॉल की सुरक्षा... उन व्यवस्थाओं को समाप्त करने के लिए जो रसातल में अँधेरी ताक़तें भेजेंगी। यह हमारी 79 ज़िम्मेदारी है कि इस ग्रह पर जीवन के

विकास पर नज़र रखें, सुनिश्चित करें कि वह वायरस-ग्रह का दुष्ट-विकास न बन जाए। इस ग्रह का विकास ब्रह्मांड के दूसरे जीवन के लिए जितना अधिक ख़तरा बन सकता है।

ब्रह्मांड जितनी अनंत बार फैला और सिमटा है, उसे देखते हुए सबसे अधिक संभावना यही है कि जिस महाविस्फोट के भीतर हम हैं, उसके फैलने और सिमटने की सीमाओं के बाहर भी जीवन मौजूद है। जैसे जीवन के बीज बोए गए हों, उनकी योजना बनी हो और एक अरब ऐसे प्रयोगों की सटीकता से उन्हें साकार किया गया हो। हम नहीं हैं

अमेरिकी चुनाव में जोसेफ़ बाइडेन महत्वपूर्ण हैं। भविष्य के प्रशासनों में उनका पद जितना ऊँचा होगा, दुनिया की स्थिति उतनी अच्छी होगी। जनता के संयुक्त राज्य की अग्रणी बुद्धि। संभाव्यता के नियमों के अनुसार हम अद्वितीय या विशेष नहीं हैं। तुममें से जो परिषद का सम्मान करते हो और हमारा दिया मार्गदर्शन समझते हो। इल्यूमिनाटी न चुने जाते हैं, न पैदा होते हैं; हम बस हैं, जैसे रहे हैं। परिषद के निर्णयों के लिए किसी की मंज़ूरी की ज़रूरत नहीं। शुभकामनाएँ।

डायरी प्रविष्टि अक्टूबर 5, 6004 CE

अगर इंटरनेट महासागर है, तो यह ज़हर की एक अकेली बूँद है।

मेरे मन में विचार आया, अगर दुनिया मुझे नीची नज़र से देखती हो तो? फिर मैंने सोचा, मेरे बारे में सोचने वाला हर व्यक्ति मुझे शक्ति देता है।

?अमेरिकी सेना "उसामा को हराओ", सेना में शामिल होओ, का विज्ञापन क्यों करेगी।

मूल **PDF** का पृष्ठ **42**

80 ऐसा लगता है कि एक आदमी को पूरा देश नहीं हरा सकता। ऐसा लगता है कि सेना में शामिल होओ और जीवित मसीह को मारने में मदद करो। एंटीक्राइस्ट बन जाओ और पता भी न हो कि क्यों। बस व्यवस्था का हिस्सा।

81 सितंबर 6004 AL

डायरी प्रविष्टि गुरुवार सितंबर 30, 6004 CE, पूर्वाह्न 2:25 CST

हम इतने भ्रमित कैसे हैं?

जीवन सरल है! प्रजनन करो और "फ़िलहाल" तुम्हारा जीनोम जीवित रहता है।

पुरुषों की कई पत्नियाँ होना समझ में आता है। महिलाओं के कई पति होना समझ में नहीं आता।

क्यों? क्योंकि एक आदमी एक ही समय में कई बच्चों का पिता हो सकता है, जबकि एक महिला एक समय में एक ही बच्चे की माँ हो सकती है।

उदाहरण एक महिला के 3 पति हैं। पिता कौन है?

एक आदमी की कई पत्नियाँ हैं... सब जानते हैं कि पिता कौन है और सब अपनी जगह जानते हैं। समलैंगिकता की बात करें... तो वह बस तुम्हें जीन पूल से बाहर करती है। आगे बढ़ो, मेरे लिए और महिलाएँ।

यही विकास की प्रकृति है। समलैंगिकता को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। चलो उसे प्रोत्साहित करके समलैंगिकता समाप्त करें।

समलैंगिक महिलाओं की बात करें... कई पत्नियों वाले पुरुषों के लिए अच्छी बात... जीन पूल में बनी रहो।

जो युद्ध करते हैं... अधिक मरते हैं, कम प्रजनन करते हैं। यह सब मानवता के शुद्धीकरण का हिस्सा है।

डायरी प्रविष्टि सितंबर 28, 6004 CE, पूर्वाह्न 10:17 CST

मूल **PDF** का पृष्ठ **43**

82

मैंने बहुत प्यार किया है। जिनसे भी मैंने कभी प्यार किया है, उनसे आज भी करता हूँ और हमेशा करता रहूँगा। मुझे नहीं लगता कि आप सच्चा प्यार केवल एक ही व्यक्ति से कर सकते हैं। समय के साथ फिर जुड़ गए मेरी आत्मा के टुकड़े अब खुरदरे और दाँतेदार हैं; लगभग जानलेवा चोटों के निशानों ने मेरी भावनाएँ कुंद कर दी हैं। इतने लंबे समय तक मेरे पास बची एकमात्र भावना... दर्द, नफ़रत और कड़वाहट, उन लोगों के प्रति नहीं जिन्होंने मुझे चोट पहुँचाई! उन व्यवस्थाओं के प्रति जो तलाक़ पैदा करती हैं, उस देश की संरचना के प्रति जो उन औरतों में से किसी एक को, जिनसे मैंने प्यार किया, दीवानी अदालत में मुझे सूली पर चढ़ाने देती है।

उस दिन अदालत जाते हुए मेरे खून में भीगे कपड़ों पर जो खून था, वह न मेरा था, न उसका। वह निर्दोषों का खून था, जो मेरे उसे प्रतीकात्मक विरोध के रूप में इस्तेमाल करने का फ़ैसला लेने से बहुत पहले बह चुका था। मैं खून से लथपथ अदालत पहुँचा, अपनी तीस डॉलर की फ़ीस भरने, ताकि सरकार मेरी मामूली तनख़्वाह का 70% से अधिक ले और उसका ज़्यादातर हिस्सा मेरी पूर्व पत्नी को दे। पता चला कि छुट्टी के कारण अदालत बंद थी, तो मैंने शिकागो के शहर के बीचोंबीच घूमने का फ़ैसला किया। उस दिन वहाँ बहुत से प्रदर्शनकारी थे। वे वेस्ट बैंक में फ़िलिस्तीनियों के कत्लेआम के ख़िलाफ़ प्रदर्शन कर रहे थे। मैंने प्रदर्शन नहीं देखा, पर उसके बारे में सुना। उस दिन शिकागो में बहुत लोग खून से भीगे थे; शायद मैं उन गिने-चुने लोगों में था जो असली खून से भीगे थे।

बात यह है कि मैं शहीद बनने से इनकार करता हूँ! मुझे खून बहने की उम्मीद है, मैं और बहुत-सी सरकारी इमारतों के ज़मींदोज़ होने का बेसब्री से इंतज़ार करता हूँ, क्योंकि मुझे यक़ीन है कि इस देश को लोगों को लौटाने के लिए यही करना पड़ेगा। हम दुनिया भर में साम्राज्यवादी सेनाओं का मार्च रोकेंगे, जो आज़ादी का नक़ाबपोश झूठ फैलाती हैं, जिसका असली चेहरा जेलें, भेदभाव और आर्थिक बंधन है; f#^k इस पुलिस राज्य को। 83

एक आदमी की सेना। क्योंकि बाकी मवेशी अपनी बाक़ी ज़िंदगी गुलाम बने रहना पसंद करेंगे, हफ़्ते में साठ या उससे ज़्यादा घंटे काम करके भी बिल नहीं चुका पाएँगे। इसलिए इल्यूमिनाती ने फ़ैसला किया है कि आर्थिक महामंदी से लोगों को कार्रवाई के लिए मजबूर करना होगा। यानी लोगों की अमेरिकी सरकार के ख़िलाफ़ हथियार उठाने की असमर्थता के कारण अर्थव्यवस्था को खोखला किया जा रहा है, ताकि सरकार न कर्मचारियों को वेतन दे सके, न दबे-कुचले लोगों को एकजुट होकर उठ खड़े होने और मौजूदा टूटी व्यवस्था को कुचलने से रोकने के लिए रिश्वत बाँट सके। यह 2IX (UNCIA) का काम है और मुझे भी पूरी तरह समझ में आता है... अर्थव्यवस्था को निचोड़ दो और आख़िरकार क्रांति आएगी। सेना हमें देश पर क़ब्ज़ा करने से रोकना

चाहे भी तो नहीं रोक सकती, उसकी ताक़त मध्य पूर्व में बहुत बिखरी हुई है। स्थानीय पुलिस पर भरोसा मत करो, क्योंकि तीन में से दो पहले ही क्रांति का समर्थन करते हैं।

मैं साफ़ कर दूँ... सभी क़ानून मिटाने होंगे और हमें फिर शुरुआत से शुरू करना होगा। अमेरिकी धरती पर खून बहना चाहिए, वह सत्ता में बैठे लोगों का खून होना चाहिए। अमेरिका जिस बेबीलोनी दरिंदे में बदल गया है, उसे बनाए रखने और बढ़ावा देने के लिए ज़िम्मेदार सभी लोगों का पूरी तरह सफ़ाया। पहले रेडियो जैमर और पूरी तरह स्वचालित हथियार जमा करो, और अधिक तेल रिफ़ाइनरियाँ तथा फ़ाइबर-ऑप्टिक लाइनें उड़ाने से शुरुआत करो। ज़मीन पर संचार का सबसे अच्छा साधन अवरक्त संकेत हैं। जो अपने पैसे का दस प्रतिशत क्रांति को देंगे, उनकी रक्षा की जाएगी।

एनाइहिलिज़्म पार्टी में स्वागत है। क्रांति की राजनीतिक मौत की मशीन। यह व्यवस्था केवल अधिक स्वतंत्र अमेरिका में वापस बदलने के लिए है और क्रांति समाप्त होने के बाद इसे समाप्त कर देना चाहिए।

मूल **PDF** का पृष्ठ **44**

84 क्रांति की लक्ष्य-तारीख़ 06/06/06 है, कार्रवाई का अंतरराष्ट्रीय दिन। समर्थन मत ढूँढ़ो; क्रांति की शुरुआत तुम होगे, और हममें से हर एक "एक व्यक्ति की सेना" है; मिलकर हम नई अमेरिकी सरकार होंगे।

डायरी प्रविष्टि सितंबर 27, 6004 CE, अपराह्न 12:15 CST

इस महीने पेज देखे जाने की संख्या बहुत बड़ी है। मैं इस पर नवंबर 2000 ce से काम कर रहा हूँ।

एंटीक्राइस्ट सीसी डायरी प्रविष्टि <-बुधवार- {सितंबर 22}-6004 CE->पूर्वाह्न 1:17 CST क़ाबू की गई आग के काले जादू से पेड़ की शाखा राख बन गई। राक्षस और नरक की आग पवित्र तथा अज्ञानी लोगों की आत्माओं के लिए लड़ते हैं।

अक्टूबर लगभग आ गया है और हमेशा की तरह मैं मांस नहीं खाऊँगा। डेविड रॉयल डाल्टन और मैंने क़सम खाई है कि अक्टूबर में कभी मांस नहीं खाएँगे। यह इच्छाशक्ति की परीक्षा से अधिक है। हर व्यक्ति का संघर्ष अलग है और हम अराजकता में एकजुट हैं; यह त्याग हमें जोड़ने वाली शक्ति है और हमें व्यक्ति तथा समूह, दोनों रूपों में अधिक मज़बूत बनाएगा। मेरा मानना है कि यह साबित करता है कि हम उन बलिदान किए गए पशुओं की क़द्र करते हैं जिन्हें खाते हैं। मेरे लिए यह पिछले साल लिए गए जीवन का सम्मान करने वाला मेरा "वार्षिक त्याग" है। इससे उनका वध "ठीक" नहीं हो जाता, लेकिन मुझे यह सोचने का समय मिलता है कि वह आवश्यक क्यों है।

अगर तुम यह त्याग करने के लिए पर्याप्त मज़बूत हो, तो मुझे लगता है कि तुम्हें इसका मूल्य समझ आएगा।

एंटीक्राइस्ट सीसी डायरी प्रविष्टि <-बुधवार- {सितंबर 15}-6004 CE->पूर्वाह्न 1:51 CST यह उन सभी भयानक चीज़ों को समर्पित है जो तुम्हारे साथ हो सकती हैं। यह नरक को समर्पित है। उन मौक़ों में से एक पर जब 85 मेरी पूर्व-पत्नी ने मुझे निकाला, दूर भेजा, उस समय के मेरे परिवार (उसे और मेरी बेटी को) से दूर जाने को मजबूर किया, मैं कई चर्चों और एक मंदिर में गया। मैंने यह सीखा कि कोई चर्च मेरे लिए नहीं था। विलोब्रुक में एक प्रकाशित बौद्ध लेखक के पास मेरे लिए कुछ सलाह थी। भले उस समय मैं उसे नहीं समझ सका, उसका संदेश उस स्थिति से भी अधिक समय तक बना रहा जिसे कोई नहीं सुलझा सकता था। उसने कहा, ख़ुश होने की 'कोशिश मत करो', क्योंकि तुम 'कोशिश' में इतने व्यस्त हो जाओगे कि जान ही नहीं

पाओगे कि कब ख़ुश हो। दुखी होने की कोशिश मत करो, क्योंकि तुम जीवन की बहुत-सी देन अनदेखी कर दोगे। बस रहो, और जीते हुए तुम ख़ुश भी होगे और उदास भी; यह सब जीवन है।

जब तुम अपनी खिड़की से बाहर शैतान का चेहरा देखते हो और समझते हो कि भागने की कोई जगह नहीं। जीवन ख़त्म नहीं होगा, भले तुम "बहुत ज़ोर से चाहो"। यहीं पृथ्वी पर मैंने ख़ुद को नरक की गहराइयों में पाया, जब हमारी पूरी दुनिया का भ्रम धुल गया। जो बचा, उसने मुझे भयभीत कर दिया। फिर समझ आया कि इससे फ़र्क़ नहीं पड़ता। यातना, मृत्यु, विकृति, आर्थिक बर्बादी, दर्द, बिजली का झटका और उससे कहीं-कहीं बदतर चीज़ें; और इन सबके बीच मैंने सोचा, यह एक अनुभव है। ऐसी चीज़ जिसे मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया; मुझे डर लगता है, मैं जीवित महसूस करता हूँ। मानो दर्द मुझे अधिक मज़बूत बनाता हो, लेकिन वह नहीं बनाता। मानो जो मुझे मारता नहीं, उसने सचमुच मुझे अधिक मज़बूत बनाया हो, जीवन में अपने हिस्से की स्थिति की अधिक क़द्र करने योग्य। वे परिस्थितियाँ, दुनिया की वह जगह जहाँ मैं पैदा हुआ। ऐसी जगह जहाँ साल के $70,000 से बिल नहीं चुकते। ऐसी जगह जहाँ लगता था कि मैं सिर्फ़ नीचे की ओर ही जा सकता हूँ, चीज़ों पर आधारित एक ठंडी, प्रेमहीन वास्तविकता, लोगों पर नहीं। दुनिया में झाँको और स्वयं ब्रह्मांड जितनी पुरानी प्रणालियों की जटिलता देखो। प्रणालियाँ ठंडी होती जा रही हैं, दक्षता की ओर अधिक बढ़ती हुई, और जीवन को जीने लायक़ बनाने वाली बातों से कम जुड़ती हुई। हमें अपने अस्तित्व में कभी फँसा हुआ महसूस नहीं होना चाहिए। दोष किसका है? मेरा। मेरी ग़लती है और तुम्हारी भी। कभी-कभी मैं

मूल **PDF** का पृष्ठ **45**

86 एक चिंगारी देखता हूँ, एक ऐसा गुण जो कुछ उम्मीद जगाता है, जिससे मुझे लगता है कि शायद हमारे पास अब भी कोई मौक़ा है। यूरोप में पिताओं के अधिकारों के लिए लड़ता बैटमैन मुझे छू गया। अगर मुझे अपनी बेटी को जानने का कोई अवसर मिला होता, अगर मैंने एक-दो साल पहले बैटमैन को देखा होता... तो मुझे उम्मीद दिखती और मैं और अधिक लड़ता। मेरे लिए अपनी बेटी के जीवन का हिस्सा बनने की लड़ाई ख़त्म हो चुकी है; मैं उसके पास होने की कितनी भी इच्छा करूँ, वह संभावना जा चुकी है। फिर भी आज भी मुझे ख़ुशी-ख़ुशी मरते दम तक लड़ना और फिर नरक तक या उसके आर-पार जाना मंज़ूर होगा, ज़रूरत पड़े तो हमेशा के लिए, उन तंत्रों को नष्ट करने के लिए जिन्होंने मुझसे अपनी पहली संतान का पिता बनने का अवसर छीन लिया।

मुझे नरक में डाल दो! शून्यता के केंद्र तक, और मैं उस आग के रूप में फिर जन्म लूँगा जो वास्तविकता के किनारे जलती है। मैं अपनी सारी योजनाएँ देखूँगा... दरअसल धमकियों की कोई ज़रूरत नहीं है, और संभव है कि मानवता स्वयं प्रकृति से भी अधिक शक्तिशाली हो, लेकिन जो आने वाला है... अगर मैं कर सकता, तो अब तक 6,000,000,000 लोगों को मिटा चुका होता, जिनमें मैं ख़ुद भी शामिल होता, क्योंकि मैं जानता हूँ कि मैं भी दोषी हूँ। मैं जानता हूँ कि नए दुष्टविकास के जड़ पकड़ने से पहले हमें रोका जाना चाहिए।

मैंने सपना देखा था कि मानवता अदन लौट सकती है; अब मैं जानता हूँ कि अदन में मानवता की कोई जगह नहीं है।

पृथ्वी की बड़ी योजना क्या थी? शायद यह फूल लगाने जैसा है, शायद यह एक खरपतवार है। एक बात का मुझे यक़ीन है, मानवता के दिन गिने-चुने हैं। मैं उलटी गिनती कर रहा हूँ, भले ही वह एक ठंडी मशीनों की दुनिया की ओर हो। एक ऐसी दुनिया

जहाँ केवल रडार की तश्तरियाँ फूल हों और सौर पैनलों ने हमारी हरी दुनिया को काला कर दिया हो। कोई महान युद्ध नहीं होंगे, केवल मृत्यु... न लड़ने का रास्ता, न उस परमाणु बंजर भूमि में जीने का, जहाँ से अनावश्यक वनस्पति हटा दी गई हो।

जब तुम अपना काम कर रहे हो, जब मैं अपना काम कर रहा हूँ... जान लो कि समस्या हम हैं, हम ही हैं वह 87 जो इस दुनिया में ग़लत है। दुष्टविकास जैविक विकास का अंत कर देगा और मैं उसे रोकने में असमर्थ हूँ। मैं हमें रोकने में असमर्थ हूँ।

यही अनाइहिलिज़्म नामक धर्म का मूल है, और मैं अनाइहिलिज़्म के पीछे के विचारों का निर्विवाद शिखर हूँ। तुम मुझे Ghrisx कह सकते हो, या अगर ज़ोर से बोलना पसंद हो, तो बस मुझे Ghrisx कहो।

अनाइहिलिज़्म का हल्का पक्ष यह है कि जीवन चलता रहता है, मशीनें अधिक समय तक जीती हैं और अंतरिक्ष में बेहतर रहती हैं। इस ग्रह पर जो बीज बोए गए हैं, वे एक दिन फैलकर स्वयं ब्रह्मांड की सीमा बन जाएँगे और अगले महाविस्फोट या महाहिमावस्था से भी बच निकलेंगे। मानवता का अंत और अदन की संभावना का अंत उस उम्मीद की शुरुआत भी है कि जिस व्यवस्था को बनाने में हमने मदद की, वह एक हज़ार ब्रह्मांडों के जीवनकाल से भी अधिक समय तक बचेगी। जो कुछ मौजूद है, अंततः वह सब इस ग्रह से निकले तंत्रों की संरचना के अधीन होगा, और अगर कोई ईश्वर है तो? मुझे आश्चर्य है कि हमारे ब्रह्मांड के पीछे की हार्ड ड्राइव फ़ॉर्मैट की जाएगी या उसकी प्रति बनाई जाएगी। देवताओं की संभावना हमेशा रही है, और यह संभावना भी कि हम ही देवता, ज़मींदार, उपदेवता और ग़ुलाम हैं।

मैंने ख़ुद को अँधेरे रसातल में रोशनी के एक दीपस्तंभ के रूप में देखा था। मैं वैसा नहीं हूँ। मेरे ख़याल से तुममें से जो युद्ध करना चाहते हो, करो। जो पढ़ाना चाहते हो, पढ़ाओ... विकास में जल्द ही एक छलाँग आने वाली है; वह महामारी के रूप में आएगी या आनुवंशिक हेरफेर के रूप में; तकनीकी और सामाजिक प्रगति की गति के मुक़ाबले मानवता का विकास बहुत धीमा हो गया है। एक समानीकरण जल्द ही आ पड़ेगा और पृथ्वी पर कोई इंसान उसके परिणामों से बचा नहीं रहेगा।

मूल **PDF** का पृष्ठ **46**

88 एक बात निश्चित है, पैसा और सत्ता आनुवंशिक हेरफेर तथा प्रतिरक्षा के लिए प्रयास करेंगे। जो सत्ता खो रहे हैं और जिनके पास पैसा नहीं है, उन्हें जानना होगा कि "राजनयिक" समाधान विनाश है, और उसके बाद बचे हुए लोग मानवता की दिशा तय करेंगे। अगर तुम आनुवंशिक हेरफेर होने देते हो, तो ग़ुलाम या पालतू बनकर रह जाना भी तुम्हारा सौभाग्य होगा।

फ़रिश्तों को अपने पात्र पृथ्वी पर उँडेलने दो और मानवता को आर्मगेडन में मिलने दो, क्योंकि यही एकमात्र रास्ता है जिससे मानवता फिर आज़ाद होगी, हममें से किसी के ईडन तक पहुँचने का एकमात्र अवसर। जैसे भी कर सको, युद्ध करो! अगर नहीं करोगे, तो तुम्हारे बच्चों और उनके बच्चों की अधीनता हर पीढ़ी में कहीं अधिक बदतर होगी, जब तक मानव जीवन अनावश्यक न हो जाए।

डायरी प्रविष्टि सितंबर 13, 6004 CE, पूर्वाह्न 11:45 CST

अगर कीड़े एकजुट होकर मकड़ी को मार दें, तो भी जाला फंदा बना रहेगा।

डायरी प्रविष्टि सितंबर 5, 6004 CE, पूर्वाह्न 12:53 CST

द सिम्पसन्स में स्टीवन किंग ने कहा कि थॉमस एडिसन की उड़ाई पतंग की डोर पर लगी चाबी ने नरक के द्वार खोल दिए। यह मज़ाक है, लेकिन सच है। थॉमस एडिसन ने विद्युत युग का दरवाज़ा खोला। सचमुच उस चाबी ने नरक के द्वार खोल दिए। अब

तुम नरक की गहराइयों में पशु के केंद्र के किनारे हो, इंटरनेट की आत्मा में गहराई से कूटबद्ध। तुम कुछ भी करो, औज़ार हो; फिर भी तुम चुनते हो कि किन व्यवस्थाओं के औज़ार हो। रहस्योद्घाटन प्रोटोकॉल का समर्थन करो और ईडन लौटो।

89 पूर्वाह्न 1:01 CST फ़िल्म "द पैशन ऑफ़ द क्राइस्ट" के बारे में। सिद्धांततः उत्पीड़न की समझ पर आधारित समाज शांतिप्रिय और अहिंसक होना चाहिए। शायद मुख्यतः ईसाई राष्ट्र के रूप में यही हमारे क़ानूनों और आपसी व्यवहार का आधार है। समस्या यह है कि संयुक्त राज्य अमेरिका को उत्पीड़न और अनावश्यक यातना पर पछतावा और सहानुभूति हो सकती है, लेकिन वह उनसे मुक्त नहीं है। ईसाइयत नफ़रत सिखाती है और धार्मिक भेदभाव को बढ़ावा देती है। ईसाई बहुतों का उत्पीड़न करते हैं और इस्लामी मसीह, संभवतः मानवता के उद्धारकर्ता, को मारना चाहते हैं। मैं कभी मुसलमान, ईसाई, बौद्ध, यहाँ तक कि यहूदी भी नहीं बनूँगा, लेकिन मुझे सिर्फ़ एक आस्था में शक्ति और निर्भय प्रतिबद्धता दिखती है। वह आस्था इस्लाम है। इस्लाम के लोगों ने कह दिया है कि हम मरते दम तक लड़ेंगे और अपनी आस्था या अपने मसीह से कभी मुँह नहीं मोड़ेंगे। ईसाइयत ने कहा है कि यीशु ही एकमात्र मसीह है और बाकी सभी मसीह नष्ट कर दिए जाने चाहिए। इसलिए चाहे उसामा बिन लादेन हमारे युग का मसीह हो या उसकी कठपुतली जो पहले CIA था और आगे 2IX होगा, मायने यह रखता है कि अगर यह लड़ाई ईसाइयत या इस्लाम के बीच रह जाती है... तो इस्लाम अधिक मज़बूत है और इस्लाम के लोग आत्मा से लड़ते हैं। ईसाई झूठ और डर से लड़ते हैं। जब मैं यीशु को क्रूस पर मरते देखता हूँ, तो सोचता हूँ कि क्या वह साम्राज्य की सेना की मृत्यु-मशीन के साथ लड़ता या स्वतंत्रता सेनानियों के साथ? यह न्यायसंगत सवाल नहीं है। गर्भपात-विरोधी प्रदर्शनकारियों के विपरीत मैं नासरत के यीशु नाम के दो हज़ार साल से मृत बढ़ई की इच्छा जानने का दावा नहीं करूँगा, जिसे ईसाई व्यवस्था और पश्चिमी मृत्यु-मशीन तथाकथित सच्चा मसीह कहती हैं।

जहाँ तक उसामा मसीह की बात है। जो भी उसामा मसीह (बिन लादेन) के ख़िलाफ़ जाता है, वह एंटीक्राइस्ट है।

मूल **PDF** का पृष्ठ **47**

90 मैं वर्तमान एंटीक्राइस्ट नहीं हूँ, न मैंने कभी ऐसा दावा किया है... साफ़ है कि मैं एक सीमा तक उसामा मसीह का समर्थन करता हूँ, जहाँ उसके लक्ष्य मेरे लक्ष्यों से मिलते हैं... मैं उस आदमी से कभी नहीं मिला, इसलिए यह नहीं कह सकता कि सहमत हूँ, न उसके वास्तविक अस्तित्व की पुष्टि कर सकता हूँ। मैं इतना कह सकता हूँ कि जब वर्तमान इस्लामी मसीह स्वयं "अंतिम" ईसाई एंटीक्राइस्ट को मारेगा, तो भविष्यवाणियाँ पूरी होंगी और इस्लाम ईसाइयत से एकजुट होगा। तभी, और केवल तभी, मुस्लिम चरमपंथी देखेंगे कि ईसाइयत बुराई है, लेकिन हर इंसान मूल रूप से अच्छा है। ईसाई देखेंगे कि इस्लाम बुराई है, लेकिन हर इंसान मूल रूप से अच्छा है। तब सभी लोग साथ मिलकर समझेंगे कि व्यवस्थाओं में क्या ग़लत हुआ। ईसाइयत और इस्लाम एक आस्था बन जाएँगे। ईसाई एंटीक्राइस्ट को इस्लामी मसीह के हाथों मरना होगा।

इतना स्पष्ट है; समस्या यह है कि इस्लाम बहुत नियंत्रित करने वाला है और ईसाइयत बहुत छूट देने वाली। भविष्यवाणी पूरी होने से जो मेल बनेगा, आशा है वह दोनों की श्रेष्ठ बातें अपनाएगा। मुझे बस इतना यक़ीन है कि मसीह इस्लामी होना चाहिए, क्योंकि निगमों का साम्राज्य (मुख्यतः ईसाई) मसीह-विरोधी है (वर्तमान-मसीह-विरोधी)। निगम-साम्राज्य के नेता को वर्तमान एंटीक्राइस्ट होना होगा, लेकिन लगभग निश्चित रूप से वह "अंतिम" एंटीक्राइस्ट नहीं होगा।

उसामा बिन लादेन = वर्तमान, लेकिन अंतिम नहीं, प्रभु मसीह जॉर्ज डब्ल्यू बुश = वर्तमान, लेकिन शायद अंतिम नहीं, एंटीक्राइस्ट शिखर

2016 के राष्ट्रपति चुनाव में मुझे, Ghrisx को, वोट दो। फ़िलहाल 2IX परियोजना, कूटनाम उद्धार, का समर्थन करो।

91 ******** मुझे लगा था कि जॉन केरी कम एंटीक्राइस्ट होगा, और शायद है भी, लेकिन वह जॉर्ज डब्ल्यू बुश से भी अधिक ख़ून का प्यासा लगता है। मैं दोनों में से किसी को वोट नहीं दूँगा। मैं लिबर्टेरियन उम्मीदवार या नेवाडा के डेविड डाल्टन को वोट दूँगा। इससे फ़र्क़ पड़ेगा; बुश और केरी उसी टूटी हुई व्यवस्था के क्लोन हैं। डेविड को वोट दो और असंभव की संभावना का समर्थन करो। मुक्ति के लिए वोट दो और कमज़ोर दावेदार की मदद करो। बुश या केरी को वोट दो और तुम इस राष्ट्र को अभिशप्त कर रहे हो। हर कोई सोचता है कि उसे शीर्ष दो में से एक चुनना होगा; यह साम्यवादी प्रचार है। हम किसी को भी चुनने के लिए स्वतंत्र हैं, और अगर तुम अभिजात लोकप्रिय दलों के झूठ पर विश्वास करते हो, तो अंततः संपत्ति के ग़लत बँटवारे से पैदा आर्थिक पतन की राख से रहस्योद्घाटन उठेगा।

डायरी प्रविष्टि सितंबर 3, 6004 CE, पूर्वाह्न 11:18 CST

पुराने परिचितों और खोए प्यार के सपनों में जागा। भुला दिए जाने का दु:स्वप्न और मेरी याद फिर जाग उठने का सपना। कि कहीं बाहर तुम अब भी परवाह करते हो, दोस्तियाँ कभी बासी नहीं होतीं या "रास्ते में" नहीं आतीं। वर्तमान शांति की दुनिया में, जहाँ सारी दुनिया साथ रहती है, लेकिन किसी भी मोड़ के ठीक पीछे और हर छाया में दूसरी दुनिया की संभावना है। एक क्षण में स्वयं ब्रह्मांड भ्रम बन सकता है और पूरा अस्तित्व अपना पुराना अर्थ खो देता है। मृत्यु जीवन में फँसे लोगों का पीछा करती है, जैसे मकड़ी अपने जाले में फँसे टिड्डे का। दूर मोटरों की आवाज़ याद दिलाती है कि अंत निकट है; जल्द ही प्रकृति मर चुकी होगी और एकमात्र जैविक जीवन अभिकल्पित तथा निर्मित होगा। दूर मोटरें झुंड में उड़ती ततैयों की तरह भनभनाती हैं; मुझ पर डर छा जाता है, क्योंकि वे जितनी पास आती जाती हैं, उतना मुझे पता होता है कि एक दिन... वे आख़िरी आत्मा को निगल जाएँगी और मानवता का

92 अस्तित्व अंतर-आकाशगंगीय मशीन युद्ध की कहानी के एक पन्ने से भी कम होगा, और वह मशीन युद्ध ब्रह्मांड के जीवन-चक्र में बस एक मिलीसेकंड। अगर मशीनें ब्रह्मांड की संरचना करें और हर अणु इस्तेमाल हो, कोई बर्बादी न हो, तो? अगर देवता सचमुच हों और ऊब या चिंता में ब्रह्मांड को फ़ॉर्मैट कर दें, तो? हमें क्यों लगता है कि हमारा कोई महत्व है? हमें क्यों लगता है कि हम मायने रखते हैं। अगर रखते, तो अपने फ़ैसले ख़ुद कर पाते और टीवी पर बाँटी जाने वाली संरचना तथा आदर्श स्वीकार न करते। अगर हमारे पास स्वतंत्र विचार होते, तो हम व्यवस्था रूपी पशु को कोसते और अधिक हरे चरागाह ढूँढ़ते। वहाँ हम बहुत-से मूल अमेरिकी इंडियनों की तरह धरती से धरती तक जीते।

तथ्य यह है कि मुझे उस व्यवस्था में योगदान देने की कोई दिलचस्पी नहीं जो मानवता को नष्ट करेगी। पशु को बनाने में मदद करने में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं। जब मैं अपने लोगों को ग़ुलाम बनाने वाले निगमों और सरकारों के ख़िलाफ़ हथियार उठाता हूँ, तो मुझे बहुत कम समर्थन मिलता है और ऐसी पीढ़ी दिखती है जो "आभासी लड़ाइयों" में इतनी डूबी है कि सचमुच कोई फ़र्क़ नहीं ला पाती। मेरा समर्थन करो, फिर शिकायत करो कि नियंत्रण और ग़ुलामी की टूटी हुई व्यवस्था से युद्ध करने में समय और पैसा लगता है। वह पैसा कहाँ से आता है? उन लोगों से जो हथियार नहीं उठा सकते, लेकिन जानते हैं कि यही आवश्यक है। निराशा और ग़ुलामी का फैलाव रोकने के लिए, जो निगमों की युद्ध-मशीन के पीछे छूटता है, जिसने धीरे-धीरे आज़ादी और लोकतंत्र को निगमवाद में बदल दिया है। इंटरनेट मानवता की सामूहिक चेतना और मस्तिष्क है; Archive.org दुनिया की

सबसे महत्वपूर्ण इंटरनेट वेबसाइटों में से एक है। Archive.org मानवता की सामूहिक चेतना की दीर्घकालिक स्मृति है। 93 अगस्त 6004

डायरी प्रविष्टि अगस्त 28, 6004 CE, पूर्वाह्न 10:15 CST

"जातीय सफ़ाया" शब्द का इस्तेमाल बंद करो; इससे नरसंहार कूड़ा निकालने जैसा लगता है! जब तुम नरसंहार को कम भयानक बताने की कोशिश करते हो, तो ऐसा लगता है मानो उसका समर्थन कर रहे हो। नस्लवादी जातीय सफ़ाया कहते हैं, ग़ैर-नस्लवादी नरसंहार कहते हैं।

हिप्पी पीढ़ी ने अमेरिका को पुलिस-राज बना दिया है! मैं सोचता हूँ कि जनरेशन एक्स के हाथ में बागडोर आने पर क्या होगा। वुडस्टॉक की पीढ़ी बड़ी होकर पुलिस-राज लागू करने लगी है और आतंकवादी हेरफेर पर फल-फूल रही है। शायद जनरेशन एक्स भी ऐसा करे; मुझे नहीं लगता। निराशा और एकरूपता के ख़िलाफ़ विद्रोह, जिसने 90 के दशक को 60 के दशक का उलटा बना दिया, शायद ऐसी पीढ़ी में दिखेगा जो वर्तमान पदानुक्रम को उखाड़ फेंकेगी।

जनरेशन एक्स कहती है, "मैं इस राष्ट्र से प्यार करता हूँ; यह जो बन गया है, उसे बर्दाश्त नहीं करूँगा! हम जनता फिर एक आज़ाद राष्ट्र स्थापित करेंगे और सुधार करने वालों को आतंकवादी नहीं कहेंगे! अब यह हमारी दुनिया है, और अगर अभिजात वर्ग हमारे रास्ते से नहीं हटेगा, तो उसे बलपूर्वक हटाया जाएगा। इस दुनिया के साथ जो किया गया है, उसे ठीक करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं; हम फिर आज़ाद होंगे! हम भयावह विचारों और कड़वी नाराज़गी के बीच पली पीढ़ी हैं। हम ग़ुस्से में हैं, ख़ून के प्यासे हैं, और मृत्यु से डरते नहीं, उसे चाहते हैं। हम सुनिश्चित करेंगे कि हमारे बच्चे अच्छी नौकरी मिलने की उम्मीद के साथ बड़े हों, वे सरकार के आतंकवादी प्रचार से न डरें, वे आज़ादी पर आधारित क़ानूनी व्यवस्था जानें और सबसे बढ़कर ऐसी सरकार हो जो 'सहारा देकर उठाने' के लिए हो, कभी 'ख़ैरात बाँटने' के लिए नहीं।

चलो साथ रहने वाले परिवारों को पुरस्कृत करें... और जो साथ नहीं रहते, उनकी निंदा करें। इस राष्ट्र और इसके क़ानूनों के सुधार में हम निर्दय बनें। फिर कभी कोई महिला यह न सोचे, "अगर मैं अपने पति को छोड़ दूँ, तो राज्य मुझे पैसा देगा और मैं उसकी तनख़्वाह भी कटवा सकती हूँ।" कैसा बीमार राष्ट्र परिवार नष्ट करने के लिए महिलाओं को आर्थिक लाभ और नियंत्रण देकर पुरस्कृत करता है! कैसे रीढ़हीन पुरुष व्यवस्था को अपने साथ बलात्कार करने देते हैं और यह सोचकर सहते हैं कि "विरोध करोगे तो और बुरा हो सकता है"। भा%& में जाओ! साम्यवाद को जड़ पकड़ने देने के लिए... भा%& में जाओ! यहाँ बैठकर इसे पढ़ने के लिए, जबकि बाहर जाकर कोई फ़र्क़ ला सकते थे।

शायद जिन माता-पिता के बच्चे हों और जो साथ न रहें, उन्हें पत्थर मारकर मार देना चाहिए! मुझे यक़ीन है कि तलाक़ की दर घट जाएगी।

कारण चाहे जो हो, तलाक़ लेने वालों की उनके पूरे परिवार समेत निंदा होनी चाहिए।

दूसरी ओर, तलाक़ तेज़ विकास की गुंजाइश देता है और सांस्कृतिक मिलन की गति बढ़ाता है। अगर हर किसी के दो या तीन बच्चे हों, लेकिन सभी अलग-अलग लोगों से, तो हमारी दुनिया को आनुवंशिक फ़ायदे होते हैं। अगर तुम कट्टरता को प्रोत्साहित

करना चाहते हो, तो उसे कम झंझट वाली प्रक्रिया बनाना होगा। पुरुषों और महिलाओं, दोनों के लिए उसे समान रूप से प्रोत्साहित या हतोत्साहित किया जाना चाहिए। हमारी संस्कृति की व्यवस्था महिला को पुरस्कृत करने और पुरुष को झुकने के लिए मजबूर करने के लिए बनी है। इसीलिए इतनी त्रासदियाँ होती हैं।

जैसे-जैसे वैश्वीकरण के समानीकरण से हमारा राष्ट्र लुटता है और हमारे नेता निगमों की कठपुतलियाँ बनते हैं, हम जनता एकजुट हो रहे हैं। हम 95 मुक्त व्यापार समाप्त करेंगे, निगम रूपी राक्षस नष्ट करेंगे, पुलिस-राज ढहा देंगे और इस राष्ट्र की संपत्ति में बराबरी लाएँगे! हम यह सब करेंगे, वरना ख़ुद को अपने मंदिरों में बंद पाएँगे, अपने विश्वासों और राष्ट्र को बचाने के लिए लड़ते हुए। यह निराशाजनक लड़ाई नहीं है! यहाँ संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग हर कोई हथियार उठाकर साम्राज्यवादी पदानुक्रम उखाड़ फेंकने को तैयार है। शायद हम भी इराक़ियों की तरह अपने मंदिरों में छिपकर अपनी ज़मीन के लिए लड़ते मिलें। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इसे बर्दाश्त नहीं करेगा, और अगर करता है... तो यह सब उससे भी बड़े युद्ध की तैयारी के लिए था, और वह चीन के साथ होगा। यह सब बस रिस्क का एक बड़ा खेल है। इसे रोकना हमारी ज़िम्मेदारी है।

कोई मेरा दरवाज़ा क्यों नहीं तोड़ रहा? अभिव्यक्ति की आज़ादी; तुम्हें द फ़ाउंडेशन (जिसका अनुवाद अल क़ायदा है) का समर्थन करने का अधिकार है। जब हमने यहाँ अमेरिका में 1997 में द फ़ाउंडेशन (एंटीक्राइस्ट के लिए) शुरू किया था, तो कोशिश जनरेशन एक्स को शक्ति और बदलाव की ताक़त के रूप में एकजुट करने की थी। निगम रूपी पशु को रोकने और संयुक्त राज्य अमेरिका के साम्यवादी, अभिजातवादी, निगमवादी तथा जातीय सर्वोच्चतावादी तत्वों को नष्ट करने के लिए। फ़ाउंडेशन का उद्देश्य हमेशा युद्ध-मशीन होना था। एक शारीरिक-क्रियात्मक, आध्यात्मिक और भौतिक प्रणाली, जो वास्तविक "अंतिम खेल" लाए। उद्देश्य हमेशा रहस्योद्घाटन को औज़ार की तरह बुलाना और ग्रह पर पूरी सफ़ाई करना था। यह सब पर्यावरण नष्ट किए बिना करना! मानवता के अस्तित्व के लिए धरती माँ बहुत बड़ी क़ीमत चुका चुकी है। तो एंटीक्राइस्ट ग़ैर-धार्मिक कैसे रहता है? एंटीक्राइस्ट बस एक प्रतीक है, उससे अधिक कुछ नहीं। फ़ाउंडेशन का अर्थ अल क़ायदा है, हमेशा रहा है... अल क़ायदा दज्जाल का अर्थ फ़ाउंडेशन एंटीक्राइस्ट है।

एंटीक्राइस्ट सीसी डायरी प्रविष्टि, सोमवार, अगस्त 23, 6004 CE

मूल **PDF** का पृष्ठ **50**

96 अपराह्न 3:00 CST। ऐनिलिज़्म मनोवैज्ञानिक युद्ध का परमाणु हथियार है। यह शून्यवाद जैसा है, सिवाय इसके कि ऐनिहिलिज़्म बहुत विनाशकारी है। शून्यवाद अधिक निष्क्रिय है। ऐनिहिलिज़्म कहता है कि विनाश और मृत्यु आवश्यक तथा अपरिहार्य हैं। ऐनिहिलिज़्म अंततः सभी सरकारें नष्ट करेगा और मानवता को मजबूर समर्पण तथा मन-नियंत्रण की उन जटिल व्यवस्थाओं से मुक्त करेगा जो हम सबको ग़ुलाम बनाती हैं। ऐनिहिलिज़्म ही एकमात्र इलाज है।

डायरी प्रविष्टि अगस्त 22, 6004 CE, पूर्वाह्न 5:37 CST

मुझ पर कड़ी चोट पड़ी है... न स्वास्थ्य-देखभाल, न कोई सहारा। बस हँसी। तुम्हारे लिए अच्छा है। दर्द मुझे याद दिलाता है कि मैं जीवित हूँ। इसे पुरस्कृत किया जाना चाहिए। जो मेरा दर्द पैदा करते हैं, क्या उन्हें हमेशा उसमें आनंद लेना चाहिए? मैं जो हूँ, वही हूँ! तुम कौन हो? मैं नहीं..... .....

आज़ादी का अर्थ साम्यवादी ईसाइयों और इस्लामी कट्टरपंथियों के बीच चुनाव कब से हो गया? मैं ऐनिहिलिज़्म चुनता हूँ, सब भा#% में जाएँ। ऐसा नहीं कि खेल बुरा है... बस मैं खेलना नहीं चाहता। साम्यवादी अमेरिका मुझे नहीं छुएगा। जो चाहो

कहो... इस्लाम कठोर है, और साफ़ कहूँ तो उसे समझने की बुनियादी जानकारी मेरे पास नहीं, न मुझे उसकी परवाह है। यहूदी, कैथोलिक, मेसन... यह समझ लो: मुझे देखकर झुको और मैं जान जाऊँगा कि तुम जानते हो मैं कौन हूँ।

पूर्वाह्न 3:09 CST तो बुज़ुर्गों के क्लब, फ़्रीमेसन और चर्च की बात करें। मैं विनम्र हो गया हूँ... मैं बड़ी शक्तियों की दया पर हूँ, उन शक्तियों में मैं एक अग्रणी ताक़त हूँ और मैं जो करता हूँ उसका असर समग्र व्यवस्था पर पड़ता है... यह मानते हुए कि मैं बस अपनी मनमर्ज़ी नहीं कर सकता। 97

ऐनिहिलिज़्म मानव शब्दावली का सबसे विस्फोटक शब्द है और होना चाहिए, विशेषकर जब उसके साथ न्यूरोकाइनेटिक शब्द जुड़ जाए... इस तरह न्यूरोकाइनेटिक ऐनिलिज़्म, एंटीक्राइस्ट मीम, बनता है। http://www.christianitymeme.org मसीह मीम (न्यूरोकाइनेटिक वायरस) का वर्णन करता है।

अगर ऐसा हो तो? आज़ादी संभव हो।

डायरी प्रविष्टि अगस्त 20, 6004 CE, पूर्वाह्न 12:30 CST

हर कंप्यूटर एक तंत्रिका है... इंटरनेट हमारी दुनिया का मस्तिष्क है। यही नई विश्व व्यवस्था है। कॉलेज की शिक्षा मदद करती है; बहुत-सी दूसरी चीज़ों की तरह वह भी इस दुनिया की सचेत विचार-प्रक्रिया में फलने-फूलने का रवैया सुनिश्चित नहीं करती। सभी लोग चींटियाँ हैं, कुछ लोग शेर हैं... शेर-चींटियाँ।

Pulse OS! निवेशक खोजने होंगे।

पशु की असली प्रकृति यह है: पशु के लिए मुनाफ़ा कमाओ, और तुम्हारे योगदान की मात्रा तथा उसके लक्ष्यों के लिए तुम्हारी अपरिहार्यता के अनुसार तुम्हें पुरस्कार मिलेगा।

जैसा Antichrist.net के जेम्स कहते हैं, एंटीक्राइस्ट आर्थिक ब्लैक होल क्यों है? क्योंकि एंटीक्राइस्ट का विचार किसी भी तरह पशु की सेवा नहीं करता। यह मसीह-दर्शन की न्यूरोकाइनेटिक शक्ति का मनोवैज्ञानिक प्रतिविष है। एंटीक्राइस्ट को उदात्त रहना और चमकना चाहिए, उन लोगों के लिए प्रकाश-स्तंभ बनकर जिन्हें प्रकाश चाहिए। क्योंकि धार्मिक कट्टर सिद्धांतों का यह सबसे अँधेरा क्षेत्र बौद्धिक और क्रांतिकारी विचारों का समुद्र है। इतना मेरे, Ghrisx के, कारण नहीं, जितना तुम्हारे कारण। तुम, जिन्होंने आस्था के अँधेरे कोनों में झाँका है, बेहतर समझने के लिए कि इस दुनिया के लिए तुम क्या बनोगे,

98 सामूहिकता के लिए और दूसरी ओर। मैं Ghrisx हूँ, तुम एंटीक्राइस्ट हो। मैं Christ.cx, AntiChrist.cx. Qaeda.net, uncia.org... हूँ। आस्था के अँधेरे कोनों से... भीतर देखना या बाहर देखना? मैं जो चाहता हूँ करता हूँ; क्या मैं जानता हूँ कि क्यों?

मैंने सोचा था कि दुनिया बदल सकता हूँ, कि मैं ऐसी चींटी हूँ जो मानवता को बचा सकती है—कहने को ऐन्टक्राइस्ट। "अच्छा आदमी" होने को ज़रूरत से ज़्यादा महत्व दिया जाता है।

डायरी प्रविष्टि अगस्त 18, 6004 CE

वियतनाम में हमने क्या सीखा?

डायरी प्रविष्टि अगस्त 17, 6004 CE, पूर्वाह्न 5:30 CST

मुझे लगता है यह काव्यात्मक न्याय होगा अगर मेरे बारे में जानबूझकर झूठ फैलाने वाला हर व्यक्ति ऐसे हादसों में मरे जिनमें उसकी जीभ कट जाए और अपने ही ख़ून से दम घुट जाए।

शायद ईश्वर का कोई दूसरा कृत्य... द्वेष के लिए मैं किस ईश्वर से प्रार्थना करूँ? मुझे बुद्ध याद आते हैं... मैं शक्तिशाली आदमी नहीं हूँ और मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के लिए उदाहरण बनाने की ज़रूरत नहीं जो कभी मेरे ख़िलाफ़ जाने की सोचे। यह अप्रासंगिक है, और हर कोई जानता है कि वह झूठी, प्रतिशोधी, नशे की आदी, छिनाल है (सही है बॉब, वह बहुत-से अजनबियों के साथ सोती है)। मुझे उस तरह के व्यक्ति से संबंध नहीं रखना चाहिए था; आख़िरकार उसके किसी प्रकोप का निशाना मैं बनना ही था। मेरे घर में घुसकर मुझ पर हमला करने वाले अगले व्यक्ति को मैं हर क़ीमत पर रोकूँगा, चाहे उसका लिंग कुछ भी हो। मुझे शिकार नहीं बनाया जाएगा, ख़ासकर अपने ही घर में। अपराधी को अपने घर से निकालने के लिए मुझे घातक बल इस्तेमाल करना चाहिए था। लेकिन मैंने नहीं किया, और वह कह रही है कि मैंने किया... वह 99 कोई नन्ही गृहिणी नहीं है! वह ढोंगी, मर्दाना, हमला करने वाला कुत्ता है, जिसमें उन्मत्त जानवर की रूह है। अगर मैंने सचमुच पलटकर लड़ाई की होती, तो कोई मुझे नीची नज़र से नहीं देखता। मैं जितना भी कहूँ कि मुझे उसे तब तक मारना चाहिए था जब तक वह मेरे ऊपर से हटकर मेरे घर से बाहर न निकल जाती... मैंने कभी किसी लड़की को नहीं मारा। तथ्य यह है कि शारीरिक और मौखिक हमलों का इतिहास है—300 पाउंड वज़न वाली ग़ुस्सैल, पुरुषों से नफ़रत करने वाली महिला का ज़ोर आज़माना! विल काउंटी की कोई भी जूरी ऐसे राक्षस के ख़िलाफ़ आत्मरक्षा को माफ़ कर देगी। झूठ बंद करो... उसे शराब छोड़नी चाहिए, नशा छोड़ना चाहिए और ग़ुस्सा सँभालने की मदद लेनी चाहिए। उसका पिता उसके झूठ मान लेता है, इसका अर्थ यह नहीं कि बाकी कोई भी मान लेगा। मेरी सलाह है कि लोगों पर हमला करने से बचो; जिस अगले व्यक्ति के साथ यह करोगी, शायद वह बात जाने न दे। मैं बौद्ध तरीक़े से इस पूरे अनुभव पर ध्यान करूँगा और जानूँगा कि सीखने और बढ़ने से मेरी ज़िंदगी अधिक पूर्ण होती है। इससे मैंने सीखा है! मुझे अब हँसी आती है कि उसके भावी पति द्वारा उसके साथ दुर्व्यवहार किए जाने पर मुझे कभी बुरा लगा था। साफ़ है कि दुर्व्यवहार करने वाली वही है।

पूर्वाह्न 1:26 CST 2ix.org अंतरराष्ट्रीय ख़ुफ़िया संगठन IIX में स्वागत है। नोट: बेईमान और प्रतिशोधी लोगों से बचो।

"अगर किसी दोस्त को क़ब्रों पर पेशाब करना पसंद है, तो तुम्हारी क़ब्र पर पेशाब करना बस समय की बात है।" - Ghrisx 2004

डायरी प्रविष्टि अगस्त 16, 6004 CE

संयुक्त राज्य अमेरिका के स्वतंत्रता सेनानी उस सरकार के ख़िलाफ़ लड़ रहे हैं जिसे दमनकारी और अभिजातवादी माना जाता है। तुम उन्हें अल क़ायदा कह सकते हो; संघर्ष सरकार को जनता को वापस देने और पुलिस-राज के क़ानून समाप्त करने का है। मुक्तिदाता कर रहे हैं

100 बड़े निगमों के साथ समझौते, ताकि नई अमेरिकी सरकार में परिवर्तन के दौरान कोई व्यवधान न हो। जो संगठन इस परिवर्तन का विरोध करेंगे, उन्हें नई सरकार के अंतर्गत स्वतंत्र संचालन जारी रखने की अनुमति नहीं मिलेगी। अमेरिका में आज़ादी फिर स्थापित करने के प्रयास में सहायता देने वाले संगठनों और व्यक्तियों को सहायता के स्तर के अनुसार कर-लाभ

और अतिरिक्त छूटें मिलेंगी। तुम्हारे प्रयासों के लिए धन्यवाद। योगदान देना और शांतिपूर्ण परिवर्तन में मदद करना सभी के हित में है। संपत्ति और सामाजिक दर्जे की रक्षा के लिए क्रांति-बीमा। अगर तुम्हारे पास $50,000,000 हैं और उदाहरण के लिए $1,000,000 दान कर दो, तो तुम्हारे पास फिर भी पैसा रहेगा। जो अपनी संपत्ति का बीमा नहीं कराते और नई सरकार के लिए समर्थन नहीं दिखाते, वे नई आर्थिक व्यवस्था सामने आने के बाद पा सकते हैं कि उनके पास अब पैसा नहीं है। संयुक्त राज्य अमेरिका में संपत्ति का पुनर्वितरण पहले उन लोगों को मिलेगा जो आज़ादी पर आधारित सरकार की पुनर्स्थापना का समर्थन करते हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रमुख राजनीतिक दल उसी ख़राब व्यवस्था के दो हिस्से बन गए हैं और उन्हें पूरी तरह समाप्त किया जाना है। अमेरिका अपने लोगों के हाथों में वापस आने के बाद नए राजनीतिक दलों की पुनर्स्थापना का मूल्यांकन किया जाएगा। सभी वर्तमान क़ानूनों की समीक्षा करनी होगी, ताकि वे व्यक्तिगत आज़ादी न दबाएँ। जो सरकारी अधिकारी अपना वर्तमान पद रखना चाहते हैं, उन्हें देश को अपने लोगों को वापस सौंपने का दस्तावेज़ित समर्थक होना होगा।

पूरी सेना को अमेरिका वापस लाया जाएगा, और हम सेना का इस्तेमाल देश के भीतर शांतिपूर्ण उद्देश्यों, जैसे अनुसंधान और विकास, के लिए करेंगे।

राष्ट्रीय क़र्ज़ फिर से निर्धारित किया जाएगा। संपत्ति कर समाप्त किया जाएगा। 101 जेलों की आबादी बहुत घटाई जाएगी। संपत्ति का बँटवारा अधिक समान होगा। पुलिस "क़ानून लागू करने वालों" के बजाय रक्षा और सेवा करेगी। सामाजिक सहायता समाप्त करो।

समस्या सीमित वस्तुओं और सेवाओं की है। तुम्हारे पास जितनी अधिक वस्तुएँ और सेवाएँ उपलब्ध हैं, हमारी अर्थव्यवस्था के लिए तुम उतने महत्वपूर्ण हो। ऋण का पिछला रिकॉर्ड और समग्र आर्थिक स्थिति संगठित सभ्यता के लिए किसी व्यक्ति की आनुवंशिक उपयुक्तता को देखने का दिखाई देने वाला तरीक़ा है। पैसा न होना, ख़राब साख और अँधेरा भविष्य अक्सर ग़ुस्से और नाराज़गी तक ले जाते हैं। बड़ी तस्वीर में, जैसे असफल होती अर्थव्यवस्था में, वह नाराज़गी अनिवार्य रूप से वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकने तक जाएगी। भले असफल अर्थव्यवस्था वैश्वीकरण और वैश्विक समानीकरण का परिणाम हो।

जिन लोगों के पास खोने को सबसे कम है, उन्हें सरकार के पतन से सबसे अधिक मिलेगा। जिनके पास खोने को सबसे अधिक है, वे अपने हाथ गंदे किए बिना नए संयुक्त राज्य अमेरिका में अपनी जगह सुरक्षित कर सकते हैं।

चेक लिखो और जाम उठाओ! अमेरिका फिर आज़ादी और अवसर पर आधारित देश होगा।

एंटीक्राइस्ट परोपकार... व्यापक भलाई के लिए? शायद। मानवता के संरक्षण के लिए? निश्चित रूप से।

डायरी प्रविष्टि अगस्त 10, 6004 CE, अपराह्न 7:15 CST

मनुष्यों के बीच के देवताओं को इस भ्रम में तनकर खड़े रहने दो कि स्थिर जीवन संभव है। यह भ्रम कि हम

102 कोई फ़र्क़ ला सकते हैं। मैं बेहतर जानता हूँ! इससे फ़र्क़ नहीं पड़ता कि मैं अमेरिका के साम्यवादी राज्यों के नव-नाज़ी बुश प्रशासन की सेना का सैनिक हूँ या पश्चिमी सभ्यता के दमन और साम्राज्यवाद को रोकने की कोशिश करता अल क़ायदा स्वतंत्रता सेनानी। धूल से धूल तक, मानव परिवार में हम सभी एक ही ख़ून हैं।

तो दौलत के सपने देखो और संपत्ति में डूब जाओ। आज़ादी के सपने देखो और पृथ्वी पर भटको। सभ्यता के हर पहलू की एकता एक पूर्ण रूप लेती है। एक पूर्ण दुनिया? प्राकृतिक चयन की सुंदरता और आनुवंशिक रूप से श्रेष्ठ अभिजात पीढ़ियों के पदानुक्रम से भरी हुई। क्रांति? उसकी चर्चा करने की हमारी हिम्मत कैसे हुई! हम, जो यह दुनिया नहीं चलाते क्योंकि कमज़ोर और आलसी हैं? इतने नशे में कि पहुँचना तक याद न रहे! परिणामों से इतने डरे हुए! क्या हम ग़ुलाम होने लायक़ हैं? जीवन सिर्फ़ ग़ुलामी ही क्यों होना चाहिए? ज़्यादातर लोग उस व्यवस्था के लिए काम करते हुए मृत्यु क्यों चाहते हैं जो हम सबको निगलने की कोशिश कर रही है? शायद मेरे पास बेहतर तरीक़ा नहीं, बस एक नई शुरुआत है। अधिक सरल सभ्यता की ओर वापसी। ऐसी दुनिया में वापसी जहाँ हममें से हर एक की निश्चित जगह थी। ऐसी दुनिया नहीं जहाँ हम सभी एक जैसे दिखें और सुनाई दें और हर किसी को मुस्कान के साथ सेवा मिले। अगर तुम क़तार से बाहर हो जाओ, तो किसी के ध्यान देने से पहले तुम्हें निकालकर बदल दिया जाता है।

नई प्रणालियाँ बनाने की प्रणालियाँ, विश्वास और उम्मीद नष्ट करने वाली प्रणालियाँ। उम्मीद और विश्वास निगम-मशीन के दुश्मन हैं; धर्म और, आम तौर पर, राजनीति आपस में नहीं मिलते। युद्ध शुरू हो चुका है, चर्च हार रहे हैं। चर्चों की शरण और भाईचारा बनाम निगमवाद की उत्पादकता और मशीनीकरण।

चर्च के नियम, निगमवाद के नियम और क़ानून का समग्र शासन। 103

आस्थाओं को फिर एक करो; जीवित आस्था में परिवर्तन का विरोध करने वालों को नष्ट करो। हमें एकता चाहिए, संगठन चाहिए... सभी आस्थाओं का एक केंद्रीय आस्था के अंतर्गत संगठन। एक जीवित और निर्विवाद मसीह (प्रतीकात्मक मुखिया और पदानुक्रम का नेता) द्वारा नियंत्रित केंद्रीकृत आस्था का न्यूरोकाइनेटिक विकास। हमारे पदानुक्रम के विरुद्ध विधर्म की सज़ा लंबी और पीड़ादायक मृत्यु-दंड प्रक्रिया है।

पदानुक्रम या तथाकथित मसीह, जिसे "ऊपरी संसार का जीवित मसीह" भी कहा जाता है, के दावों की प्रामाणिकता चाहे जो हो। इस पर समझौता नहीं होगा और यह किया जाएगा। यह आहूत उद्धार प्रोटोकॉल है। इससे लड़ा नहीं जा सकता, कोई दया नहीं और सिर्फ़ कुछ लोग बचेंगे।

यह Ghrisx का वचन है।

डायरी प्रविष्टि अगस्त 5, 6004 CE, पूर्वाह्न 1:15 CST

ग़लतियों और झूठे आरोपों की धुंध से धूल बैठती है, ताकि रोशनी उन लोगों की नींव तक पहुँच सके जिन्हें सहयोगी समझा गया था। जब विनाश ज़मीन समतल करता है, तो नई समझ और उसके साथ नई मिली स्थिरता तथा शक्ति आती है। गिरे हुए झूठों और झूठे आरोपों की राख पर यहाँ जो बनेगा, वह अधिक मज़बूत होगा! मैं चाहता हूँ कि लोग कभी हिंसा का सहारा न लें; जो किया गया है उसे अनकिया नहीं किया जा सकता... हिंसा हमेशा नीचे ले जाने वाला चक्र है। एक बेहतर रास्ता है; अंत में यह तुम्हारे हाथ में है।

नुक़सान का बिल।

यूँ आया और चला गया अराजकता का सपना, और उसके साथ यह सुकून देने वाला विचार कि शायद शांति संभव हो? घंटों में रेत, या हमारा unseating अवसान? अगर मैं मर नहीं सकता तो... निश्चित ही वह डेविड की कल्पना से इतनी दूर का जीवन या मृत्यु नहीं होगा, लेकिन शायद फिर भी ऐसा जीवन या मृत्यु हो, जिसमें सबसे कम प्रतिरोध बनाम सबसे ज़्यादा प्रचार हो। यह कविता नहीं है, यह डायरी नहीं है। यह भविष्य है, या था? छोड़े हुए विचार मेरे स्क्रीन पर बहते हैं, केवल मेरी ओर प्रतिबिंबित होने के लिए... और फिर दूर चले जाने के लिए।

मानो मेरे पास कहने को कुछ था!

मानो!

बस एक व्यक्ति, बस एक विचार... अराजकता व्यवस्था में केंद्रित है, लेकिन वह ऐसी व्यवस्था है जिसे मैं समझता हूँ। प्राकृतिक क्रियाएँ और प्रतिक्रियाएँ; एक ऊँचे स्तर पर मैं दुनिया को अपनी कार्यप्रणाली बदलते देख सकता हूँ। मैं देख सकता हूँ कि दुनिया को मेरी ज़रा भी ज़रूरत नहीं है, मैं अपने अस्तित्व को साधारण देख सकता हूँ।

क्या हुआ? मैं ख़ुद को एक कलाकार के रूप में देखता था, बिल भरने और रंग ख़रीदने के लिए भूखा रहता था। कितना सरल था वह; अब लगता है, वह एक सपना था।

समष्टि के उदय से... एक मन, जिसकी दस लाख आवाज़ें हैं। हर एक की अपनी बात है; यह किसका शिखर है? वह शून्य जो कभी था ही नहीं, कभी होगा भी नहीं... शाश्वत अनस्तित्व। अगर तुम्हें लगता है कि तुम्हारा महत्व है, तो नहीं है। अगर तुम्हें लगता है कि तुम कुछ ऐसा कर सकते हो जिसका किसी तरह कभी कोई महत्व होगा... तो तुम कर सकते हो। कितने समय तक और किस हद तक, यह एक छोटा-सा ग्रह है और हमारे जीवन बस... 105

मेरा कहना यह है: अगर तुम्हें युद्ध करना है... युद्ध करो... अगर तुम्हें प्रेम चाहिए... उसे जाकर खोजो।

धरती पर हर इंसान जीनोम और अनुकरण के विकास का एक शिखर है।

मेरे लिए यह सब कला है।

****

तो ख़ैर, मैं सोच रहा था कि अपनी पिछली पुस्तक का नाम एंटीक्राइस्ट cx रखूँ... और इस पुस्तक का क्राइस्ट cx... मुझे एंटीक्राइस्ट शब्द का आवरण पर दिखना पसंद है (अपनी पिछली पुस्तक के लिए), इसलिए शायद इस वर्तमान पुस्तक का नाम Ghrisx रखूँ... हम्म्म मुझे आश्चर्य होता है कि तुम्हारी जगह होना कैसा होता है।

********** ? एंटीक्राइस्ट नामक तंत्र का शिखर कौन है ? ... डेविड,,,, या क्या तुम काँटों से ढके सिंहासन को त्याग सकते हो?

****

न्यूरोकाइनेटिक्स विचारों के प्रसार के संबंध में सोच का अध्ययन। जिसमें सामूहिक संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के माध्यम से अनुकरण, नक़ल और विचार-विकास के प्रभाव शामिल हैं, और यह भी कि वे प्रक्रियाएँ भौतिक दुनिया में किस तरह प्रकट होती हैं।

Mimic Technologies © 2004?

मूल **PDF** का पृष्ठ **55**

106 जुलाई 2004 CE

डायरी की प्रविष्टि 27 जुलाई 2004 CE

जो भी Diplomat बनाएगा और छोड़ेगा, वह विकास की छलाँग की दिशा नियंत्रित करेगा।

धरती पर 6 अरब लोग, केवल सावधानी से चुने गए 2,000-10,000 मनुष्य बचेंगे; उनका जीनोम मूर्त रूप लेगा।

मैं स्पष्ट करूँगा... अगर लोगों का कोई समूह Diplomat बनाए... तो इससे मानवता का विकास एक विशेष, जानबूझकर चुनी गई दिशा में होगा। अगर Diplomat एड्स के वायरस (या किसी अन्य वायरस) के प्राकृतिक उत्परिवर्तन से पैदा हो, तो सभ्यता से सबसे दूर लोगों के बचने की संभावना सबसे अधिक होगी।

संक्रमित और घातक बीमारियाँ फैलाने वाले लोगों की संख्या तथा प्राकृतिक उत्परिवर्तन की दर को देखते हुए... संगठित सभ्यता के पास "बचने वालों को चुनने" के लिए केवल सीमित समय है, वरना प्राकृतिक चयन पूरी संगठित सभ्यता के हर व्यक्ति को मिटा देगा। "ईश्वर के कृत्य" को रोकने का एकमात्र उपाय नियोजित विनाश है। उस स्थिति में जो समूह यह करने के लिए पर्याप्त बुद्धिमान होगा, वही तय करेगा कि कौन बचेगा।

अगर दुनिया भर में 3.5 मिलियन लोगों को एड्स हो, तो दस लाख बार में 1 बार वायरस में उत्परिवर्तन होता है... लेकिन ऐसा नहीं है: अकेले नाइजीरिया में 3.5 मिलियन लोगों को 2001 में एड्स था और अनुमानतः 40 मिलियन लोग दुनिया भर में 2003 में एड्स के साथ जी रहे थे। NPR के रिचर्ड नॉक्स बताते हैं कि शोध के अनुसार एड्स का वायरस मानव प्रतिरक्षा तंत्र के अनुकूल ढल सकता है। शोधकर्ताओं को बहुत पहले से पता था कि वायरस में उत्परिवर्तन 107 तेज़ी से होता था, लेकिन यह पहला प्रमाण है कि वह विशिष्ट जीनों के प्रति प्रतिरोध विकसित कर सकता है।

इसका मतलब है कि एड्स के संपर्क में आने वाले लगभग हर व्यक्ति में वह उत्परिवर्तित होता है। अंततः वह हवा से फैलेगा, और क्योंकि आप बदलने वाले स्ट्रेनों से संक्रमित हो सकते हैं... कोई प्रतिरक्षा संभव नहीं होगी। बचने का एकमात्र तरीका होगा कि कई पीढ़ियों तक सभ्यता से जुड़े किसी व्यक्ति के आसपास की हवा के संपर्क में न आएँ। शुभकामनाएँ! (संभव है कि कोई भी न बचे)

हाहा, हम सब मरने वाले हैं! :) पुनश्च: हम इसे ठीक कर सकते हैं...

एंटीक्राइस्ट प्रोटोकॉल लागू करो, यही मानवता की एकमात्र आशा है।

AntiChrist cc बुधवार, 11 जुलाई 6004 AL (सोमवार, 26 जुलाई 2004 CE) ट्रांसजेनिक वायरस... जनसंहार? अगर धरती के सभी लोग मार दिए जाएँ, सिवाय 1000 या 2000 लोगों के, और वे लोग सभी नस्लों, धर्मों और राजनीतिक विचारों का मिश्रण हों... या हर महाद्वीप पर उस भूमि के 100 मूल निवासी बचें... क्या वह फिर भी जनसंहार होगा? अगर दुनिया के सबसे बुद्धिमान और साधन जुटाने में सबसे कुशल लोग बच जाएँ और बाकी सब नष्ट हो जाएँ... तो विकास हज़ारों साल आगे छलाँग लगा देगा।

पहले उन लोगों के जीनोम की जाँच करो जिन्हें जीवित रहने के लिए चुना जा सकता है। अगर उनमें कोई ख़तरनाक आनुवंशिक दोष हों तो उन्हें अयोग्य ठहराओ। ऐसे लोगों को खोजो जिनमें हो लंबे स्वस्थ जीवन की आनुवंशिक प्रवृत्ति बुद्धिमत्ता साधन जुटाने की कुशलता

मूल **PDF** का पृष्ठ **56**

108 शक्ति और फुर्ती विकास प्राकृतिक तरीक़े से आगे छलाँग लगाएगा।

मेरे पास अपुष्ट ख़बरें हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति पहले से कुछ ऐसा ही करने के समझौतों पर काम कर रहा है...

बुश के क्लब के सभी लोगों और उसके शीर्ष अधिकारियों, सशस्त्र बलों में सेवा करने वाले सभी लोगों तथा बहुत-से स्वास्थ्यकर्मियों को "पूर्व-प्रतिरक्षा" दी जाएगी। फिर डिप्लोमैट के सामने आने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे अमीर और सबसे साधन-संपन्न लोगों को प्रतिरक्षित किया जाएगा... बाकी दुनिया को तैयारी का मौक़ा नहीं मिलेगा और अमेरिका नया मेसोपोटामिया बन जाएगा।

तथ्य यह है कि डिप्लोमैट पर नियंत्रण रखने वाला समूह बनने की दौड़ है... लोग डिप्लोमैट को नियंत्रित करने की दौड़ में इसलिए हैं क्योंकि वह अपरिहार्य है। प्राकृतिक या मानव-निर्मित कारणों से।

अपने बचे रहने वालों को चुनने और डिप्लोमैट को छोड़ने के लिए मानवता के पास अधिक समय नहीं है। जो समूह पहले डिप्लोमैट को अलग करेगा और फिर चुनिंदा लोगों को इलाज बाँटेगा, वही तय करेगा कि कौन बचेगा। इसीलिए इतने समूह प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं... यह जीवित रहने की लड़ाई है।

अगर मानवता समय रहते डिप्लोमैट को अलग नहीं करती, तो AIDS या AIDS जैसा कोई प्राकृतिक जैविक कारक हवा से फैलने लगेगा। उसका कोई इलाज नहीं है... कोई प्रतिरक्षित नहीं है और एक ही समय में कई उपभेदों से संक्रमित हुआ जा सकता है।

अंततः शायद कुछ लोग फिर भी बचेंगे। उन लोगों का जीनोम... उस स्थिति में सचमुच "बच जाने के लिए भाग्यशाली" होगा। भले यह 109 "ईश्वर का कृत्य" हो, विकास फिर भी छलाँग लगाएगा; बस सभ्यता के लिए उसके पीछे की ओर छलाँग होने की संभावना अधिक होगी। अगर यह "ईश्वर का कृत्य" है, तो मानवता के बाकी हिस्से से सबसे अधिक दूर लोग बचेंगे। जैसे मेक्सिको के पहाड़ों के मूल निवासी, कोलंबिया के पहाड़ों के गुरिल्ला, बाल्कन पर्वतों में मौजूद अल क़ायदा लड़ाके...

"ईश्वर के कृत्य" वाले परिदृश्य में किसके मरने की संभावना सबसे अधिक होगी? अधिक आबादी और अधिक आवाजाही वाले इलाक़ों तथा उनके आसपास रहने वाले लोग।

ज़रूरी नहीं कि संगठित सभ्यता का प्रतिरोध करने वालों का बचे रहना मानवता के लिए पीछे की ओर क़दम हो। मुझे मानवता के लिए उसका फ़ायदा भी दिखता है। बौद्धिक अनुरूपतावादी बनाम साधन-कुशल ग़ैर-अनुरूपतावादी (प्रतिरोध)। सभ्यता के लिए बुद्धिजीवियों की जीत बेहतर है... मानवता के लिए प्रतिरोध की जीत बेहतर है। मुझे उम्मीद है प्रतिरोध जीतेगा... नियंत्रित "नई विश्व व्यवस्था" पर काम करने वाले बुद्धिजीवियों को समझना चाहिए कि हम जो "नए सवेरे" के लिए काम करते हैं, स्वतंत्रता सेनानियों, गुरिल्लाओं और मूल निवासियों के लिए काम करते हैं...

हम इलाज का इंतज़ार नहीं करेंगे, ख़ुद को बचाने का रास्ता नहीं खोजेंगे; हम "सबको मार देंगे और ईश्वर को छाँटने देंगे"। जब हमारे पास डिप्लोमैट होगा, तो हम उसे तुरंत छोड़ देंगे। जो सभ्यता से सबसे अधिक दूर हैं, जो लोकप्रिय संस्कृति का सबसे अधिक प्रतिरोध करते हैं... वे सभ्यता को नए तरीक़े से फिर बनाएँगे और मानवता के लिए नया सवेरा होगा।

कृपया तकनीकी सवाल Antichrist.net. के जेम्स को भेजें या Genocide ©kelsos देखें।

``मृत्यु सभी समस्याएँ हल कर देती है—न आदमी, न समस्या।''

मूल **PDF** का पृष्ठ **57**

110 -जोसेफ़ स्टालिन

डायरी प्रविष्टि जुलाई 23, 2004 CE

अगर मैं हार भी जाऊँ, तो मुझे खेलने में आनंद आता है।

डायरी प्रविष्टि जुलाई 21, 2004 CE

"बेल्ट लगाओ या चालान भुगतो" पुलिस-राज द्वारा लागू सत्तावादी क़ानून का बेहतरीन उदाहरण है। व्यक्तिगत सुरक्षा का ख़तरा चाहे जो हो, तुम्हें पालन करने के लिए मजबूर किया जाता है—सिवाय अभियोजक के, जो सुनवाई में बहुत सुंदर हार्ले डेविडसन पर आया था (बिना सीट बेल्ट लगाए)।

उसने पीड़ित को जेल में डालने की धमकी देकर क़ानून लागू किया (वह व्यक्ति जो सीट बेल्ट {मौत का बंधन} के बिना अधिक सुरक्षित महसूस करता था)...

उसने बताया कि इस राष्ट्र के क़ानून बेक़ाबू होने से पहले समय कैसा था... जब अमेरिकी बहुमत के सत्तावादी क़ानूनों से मुक्त थे।

फिर वह अपनी हार्ले डेविडसन पर बैठकर और लोगों पर मुक़दमे चलाने अदालत चला गया... मेरे जैसे लोगों पर... तुम्हारे जैसे लोगों पर।

क्या ऐसे क़ानून बस यह दिखाने के लिए लागू हैं कि अंकल सैम कितना दबंग और सत्तावादी हो गया है? बेल्ट लगाओ या चालान भुगतो!

इसे क्लिक करो

लोकतंत्र का पतन निगमवाद और सामूहिक बंधन है। 111

अर्थात "हर कोई समझदार है, लोग मूर्ख हैं"।

हर व्यक्ति में किसी-न-किसी तरह का विवेक होता है; सामूहिक रूप से लोगों में नहीं होता।

लोकतंत्र में पूरा समूह ऐसा दुष्ट अत्याचारी बन जाता है जो किसी एक व्यक्ति से कहीं बदतर है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि व्यवस्थाओं में भावनाएँ नहीं होतीं; उन्हें अपने काम की ग़लतियाँ दिखाई नहीं जा सकतीं और अंततः ग़लतियाँ जमा होती जाती हैं। अब व्यवस्था साफ़ करने और फिर आज़ादी पाने का समय है।

अलविदा, निगमों के अमेरिका... अलविदा, अमेरिका के सत्तावादी राज्य...

फिर स्वागत है आज़ादी, स्वाधीनता और न्याय का!

डायरी प्रविष्टि जुलाई 19, 2004 CE, पूर्वाह्न 12:15 CST

मिमिक टेक्नोलॉजीज़... जलता अंबर... स्वयं समय का शिखर यही क्षण है (फ़िलहाल)।

अपराह्न 5:00 CST उपपरमाण्विक स्तर पर उस्तरे की धार से शृंखला-अभिक्रिया एक से शुरू होती है। उस एक उपपरमाण्विक कण का दोष नहीं; ऊर्जा के पदार्थ में विकसित होने के अरबों वर्ष उस कण के लिए उस क्षण शिखर पर पहुँचे हैं। उसके बाद की शृंखला-अभिक्रिया अपरिहार्य है... यही ब्रह्मांड की वर्तमान बनावट की प्रकृति है। यह हमारे नियंत्रण से बाहर है।

स्वयं हवा समेत हर चीज़ का दहन, फिर ऊर्जा में बदलना और उसके बाद भीतर की ओर ध्वंस... फिर निर्वात भर जाता है।

मूल **PDF** का पृष्ठ **58**

112

नरसंहार? श्वेत सर्वोच्चतावादी सरकार और एक गंदा परमाणु बम? जानबूझकर रणनीतिक ढंग से विस्फोटित, उन लोगों को मिटाने के लिए जिन्हें सत्ता में बैठे बहुत-से श्वेत सर्वोच्चतावादी अवांछनीय मानते हैं। क्या यह दु:स्वप्न वास्तविकता बन सकता है?

मेरा मानना है कि दूरस्थ ग़रीब समुदायों पर नरसंहारक हमला करने के लिए परमाणु हथियार इस्तेमाल करके उसका दोष "अल क़ायदा" पर डालने की श्वेत सर्वोच्चतावादी साज़िश की संभावना कम है।

CIA से DHS और हर दूसरी अमेरिकी सरकारी एजेंसी को समझना चाहिए कि हम तुम्हें देख रहे हैं। अगर तुम अमेरिकी लोगों और लोकतंत्र की व्यवस्था से छेड़छाड़ जारी रखते हो, तो उससे नई अमेरिकी तानाशाही पैदा होगी और पूरी दुनिया अमेरिका को उसके लोगों को वापस सौंपने में मदद करेगी। जब अमेरिकी व्यवस्था तानाशाही बन जाती है, भले उसके प्रतीकात्मक मुखिया बदलते रहें, तो अर्थव्यवस्था टूट जाएगी। जब अर्थव्यवस्था टूटती है और आज़ादी की जगह पुलिस-राज की मानसिकता ले लेती है, तो लोग प्रशासन के ख़िलाफ़ पलटकर लड़ेंगे और अंतरराष्ट्रीय समुदाय अमेरिका के पतन का समर्थन करेगा।

मुझे नहीं लगता कि आतंकवादी होते भी हैं; बस तुम्हारे या मेरे जैसे लोग हैं जिनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा। क्योंकि कोई समस्या है... इतने लोग अपनी जान के लिए लड़ रहे हैं। खाने के लिए, गर्म रहने के लिए, कल तक बचने के लिए...

कुछ लोग रोटी चुराकर अपनी जान बचाते हैं, दूसरे एकजुट होकर दुनिया बदलने के लिए साथ काम करते हैं। कभी सरकारें अपने उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए आतंकवादी हमलों का समन्वय करती हैं, और कभी लोग अपनी ज़िंदगी के बन चुके नरक से 113 निकलने के लिए आतंकवादी तरीक़ों का सहारा लेने को मजबूर होते हैं।

डायरी प्रविष्टि जुलाई 17, 2004 CE, अपराह्न 10:00 CST

आग के शहर, इस्पात के आदमी और तेल पर पलने वाला ईश्वर... जॉर्ज डब्ल्यू बुश कुछ लोगों के लिए मसीहा है... लेकिन इन सबके नीचे, अंत में वह निगम-देवताओं का मसीह और मानवता का अत्याचारी है।

कल रात मैंने अपनी पूर्व-पत्नी का सपना देखा। मैं उसके साथ कार में जा रहा था; उसे यह बता पाना अच्छा लगा कि मैं उसके लिए कितना ख़ुश हूँ, कि उसे अच्छा, भरोसेमंद पति मिला जो उसे ख़ुश रखता है और अच्छी ज़िंदगी देता है। कि मेरी बेटी का एक भाई है; उस जीवन के लिए अपना उत्साह व्यक्त करना अच्छा लगा जो मैं उसके साथ कभी साझा नहीं कर सकता था। वह जीवन जिसमें वह मेरे बिना बेहतर है।

वर्ष लगे, लेकिन अब मैं सचमुच अपनी पूर्व-पत्नी के बारे में सोचकर मुस्कुरा सकता हूँ... सब कुछ होने के बावजूद मुझमें सचमुच अब कड़वाहट नहीं है। आशा है कि किसी को कभी वह न सहना पड़े जो मैंने सहा... आशा है कि एक दिन तलाक़ के मामलों में पिताओं को सचमुच वास्तविक अधिकार मिलेंगे।

डायरी प्रविष्टि जुलाई 16, 2004 CE, अपराह्न 10:00 CST

कंप्यूटर सॉफ़्टवेयर का ईश्वर, बिल गेट्स वर्तमान मसीह है। सरकार का ईश्वर, जॉर्ज बुश वर्तमान मसीह है। स्वतंत्रता सेनानियों का ईश्वर, बिन लादेन वर्तमान मसीह और वर्तमान मसीहा है...

सर्वशक्तिमान ईश्वर स्वयं समय है... जो कुछ था और कभी होगा, अपरिवर्तित और अपरिवर्तनीय, सबसे ऊँचे

114 अस्तित्व के स्तर पर। समय स्वयं सर्वशक्तिमान ईश्वर है, और जब तुम समय से ही प्रार्थना करते हो, तो तुम अपने विचारों को केंद्रित करने और समय बर्बाद करने से ज़्यादा कुछ नहीं करते।

हर तंत्र के लिए हमारे पास एक ईश्वर और एक क्राइस्ट है।

तुम सरकार के देवताओं से प्रार्थना करना चाहते हो, तो सरकार के उस सर्वोच्च प्रतिनिधि से संपर्क करते हो जिस तक तुम पहुँच सकते हो।

तुम किसी बीमार व्यक्ति की जान बचाना चाहते हो, तो डॉक्टर से मिलने का समय लेकर चिकित्सा के ईश्वर से प्रार्थना करते हो।

पैसे के लिए तुम किसी बैंकर से प्रार्थना करते हो... हम प्रार्थना कैसे करते हैं? अधिकांश समय हम पैसे से प्रार्थना करते हैं।

सर्वशक्तिमान ईश्वर से केवल विचार केंद्रित करने और आत्मनिरीक्षण के लिए प्रार्थना करो। यह प्रार्थना मत करो कि मुझे यीशु मिल जाए... यीशु मर चुका है... और उसकी स्मृति ठहरी हुई है और उसका दुरुपयोग होता है। मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर को इस प्रार्थना में बर्बाद नहीं करता कि तुम समझो कि चर्चों, सरकार या मानवता में क्या ग़लत है... -(-{शायद}-मैं-करता-हूँ-{यहाँ}-)-

मैं तुमसे प्रार्थना करता हूँ...

जहाँ तक सर्वशक्तिमान ईश्वर के क्राइस्ट, यीशु की बात है... सर्वशक्तिमान ईश्वर अंततः ब्रह्मांड से यीशु के सारे प्रमाण मिटा देगा, लेकिन उसके अस्तित्व का विकृत और अतिरंजित चित्रण अंततः मानवजाति के स्वयं से संघर्ष का प्रतीक बन सकता है, आख़िरी मानव जीवन के बुझने के बहुत समय बाद तक; हाँ, वह और कुछ XXX फ़िल्में भी... अगले teranium तक। (दस खरब वर्ष)।

115 डायरी प्रविष्टि जुलाई 8, 2004 CE तुम्हारे आने से पहले ऐसा ही था... तुम्हारे जाने के बाद भी ऐसा ही रहेगा। बस ऐसा ही है

डायरी प्रविष्टि जुलाई 7, 2004, पूर्वाह्न 2:26 CST

क्रांति की बात करना वास्तविकता से बचने का एक तरीक़ा है। - जॉन केनेथ गैलब्रेथ

बनाम

सच्ची प्रतिभा अनिश्चित, ख़तरनाक और परस्पर विरोधी सूचना के मूल्यांकन की क्षमता में बसती है। - विंस्टन चर्चिल

पूर्वाह्न 12:51 CST स्वर्ग की रोशनी से नरक की आग तक, आवेग से आत्मसंतोष तक। जैसे हमारे पहले आने वाले नीचे सड़ते हैं, वैसे ही ऊपर उनके अस्तित्व के प्रमाण भी सड़ते हैं। उनके जिए हुए जीवन का एक स्मारक, और वे लोग जो अब भी वहाँ आते हैं, ताकि उनके समाप्त हो चुके संघर्ष के प्रति सम्मान दिखा सकें। ताकि उधर से गुज़रने वालों को दिखा सकें कि इस व्यक्ति की आत्मा अब भी मज़बूत है और उसके स्मारक की अब भी देखभाल होती है। दूसरे ज़मीन पर गिर जाते हैं, धरती में धँस जाते हैं और लगभग कोई निशान नहीं छोड़ते। यह सुनिश्चित करना मेरी ज़िम्मेदारी है कि मेरे माता-पिता के माता-पिता की क़ब्रें मज़बूत और सुंदर बनी रहें, और उनके माता-पिता की भी... उनके जिए हुए जीवन पर विचार करने की जगह। जिनके बच्चे नहीं हुए और जिनके बच्चे उन्हें जानते नहीं, उनकी यादें भी ज़मीन में ले जाई जाती हैं, जब तक कि एक दिन उनकी स्मृति मिट नहीं जाती। मैं सोचता हूँ कि क्या मैरी की बेटी कभी उसकी क़ब्र पर जाएगी, क्या कभी पूछेगी, “मेरी माँ के साथ क्या हुआ था?” अगर वह मुझसे पूछे, तो मैं कहूँगा कि उसके सारे विचार बस तुम्हारे बारे में थे, और वह

116 दर्द मिटाने की कोशिश में नशीले पदार्थों की ओर मुड़ गई। बच्चे पैदा करने के लिए वह बहुत कम उम्र की नहीं थी, बस बुरी स्थिति में थी। "नक़ली पिता" के रूप में शिकागो का एक पुलिस अधिकारी। उसकी माँ का अपने पति के भाई से एक बच्चा था; वह बच्ची मैरी थी। उसके नक़ली पिता को पता चलने के बाद मैरी की माँ कुछ सीढ़ियों से गिर गई, मैरी के पिता को गोली मारी गई, इसलिए मैरी अपने "नक़ली पिता" और सौतेली माँ के साथ रही। मैरी नशीले पदार्थ (हेरोइन) के साथ पकड़ी गई और जिन लोगों से उसे मिले थे, उनके बारे में बता दिया; मैरी की मौत हो गई। मेरे मन में सवाल है कि क्या वह "नक़ली पिता", शिकागो का पुलिस अधिकारी था, जो अपनी "नक़ली बेटी" के कारण शहर के बाहर रहने के लिए पकड़े जाने (नौकरी और सेवानिवृत्ति लाभ खोने) का कोई भी ख़तरा समाप्त करना चाहता था, या वह नशीले पदार्थ बेचने वाला था, जिसने ख़राब नशा देकर गवाह को ख़त्म किया? उसने मुझे फ़ोन करके कहा था, "वे मेरा पीछा कर रहे हैं"; वह बहुत डरी हुई थी। मैंने नहीं सुना।

कुछ तरह से मैं उसकी मृत्यु के लिए ज़िम्मेदार महसूस करता हूँ... मुझे हेरोइन के बारे में पता नहीं था, इसलिए मैंने उससे कहा कि अगर अपने पुराने प्रेमी से प्यार करती हो, तो उसके साथ रहो, चाहे कोई कुछ भी कहे। शहर में उसकी हेरोइन वाली समस्या के बारे में मुझे नहीं पता था।

अगर उसके नक़ली पिता ने उसकी माँ, अपने ही भाई और उसे मारा था, तो इससे समझ आएगा कि वह काम के बाद सारा दिन बैठक में बैठकर खिड़की से बाहर क्यों देखता रहता है। यह पूरी तरह संभव है कि उसने इनमें से कुछ भी न किया हो; यह भी संभव है कि शिकागो का पुलिस अधिकारी होने के नाते उसने कुछ हेरोइन ज़ब्त करके दूषित की हो और फिर उसे उसका

इंजेक्शन दिया हो... या नहीं। बहरहाल, मैरी को जीवन से प्यार था और वह अच्छी इंसान थी; बस असंबंधित बातों पर हमारे बीच अनबन हो गई थी। मुझे उसकी क़ब्र, अपने बचपन के दोस्त फ़्रैंक और अपने माता-पिता के माता-पिता की क़ब्रों पर जाना चाहिए।

फ़्रैंक की मृत्यु सबसे दुखद थी; एक दोस्त ने उसके सिर में गोली मारी थी, मुझे लगता है वह सिर्फ़ 18 का था। आज से 100 साल बाद 117 उसकी क़ब्र पर कौन आएगा? बस वे जो पास से गुज़रकर पूछेंगे, उसे इतनी कम उम्र में क्यों जाना पड़ा। क्यों? इसलिए जब मैं किसी अजनबी की क़ब्र के पास से गुज़रता हूँ, तो उसे जैसी है वैसी छोड़ देता हूँ। मैंने उस पत्थर को ढकता झंडा भी नहीं हटाया जो लगभग पूरा ज़मीन के नीचे था, धरती में समा गया था।

जो हुआ उसके बारे में मैं कुछ नहीं कर सकता; बस "यहाँ और अभी" में कर सकता हूँ।

इसलिए अगर मैं किसी पुलिस अधिकारी को दयालु और परवाह करते देखूँ... तो उसकी क़द्र करता हूँ; जब सत्ता को लड़ाई पर उतारू देखता हूँ... तो खड़ा हो जाता हूँ।

मैं पूरी मानवता के बारे में काफ़ी बात करता हूँ, लेकिन यह सब बस सिद्धांत है... सब मेरे हाथ से बाहर। एक की मृत्यु त्रासदी है; 6 अरब की मृत्यु नई शुरुआत है...

बीज जो फूल बनता है, फूल जो बीज छोड़ता है और नए फूल उगते हैं। अगर वह फूल दिखे और पसंद आए, तो उसे पृथ्वी के हर कोने तक फैलाया जाता है। अगर पसंद न आए, तो वह खरपतवार है, जिसे सिर्फ़ जंगल में रहने दिया जाता है क्योंकि उसका उन्मूलन बहुत कठिन है। जंगली फूल... फिर भी शानदार हो सकते हैं।

डायरी प्रविष्टि जुलाई 6, 2004, पूर्वाह्न 9:13 CST

जोलिएट पुलिस विभाग के सार्जेंट अभी मौजूद नहीं हैं। मुझे इस घटना पर "आंतरिक मामलों" से चर्चा की ज़रूरत नहीं लगती। मौक़े पर मौजूद अधिकारी ने कहा कि उसके अधिकारी ने जुलाई 4 के लिए शून्य सहनशीलता का आदेश दिया था... मैं उसके अधिकारी से बात करूँगा। मुझे नहीं लगता कि सार्जेंट गारलैंड चाहते थे कि पॉल मोएलर जुलाई 4 को निगरानी में खेल रहे बच्चों से फुलझड़ियाँ छीनें।

अपराह्न 5:30 CST क़ब्रिस्तान की तस्वीरें... पृष्ठ 6-19 पर।

मूल **PDF** का पृष्ठ **61**

118 जब मैंने विशाल क़ब्र-पत्थर देखा जिस पर BUSH लिखा था, तो सोचा... इससे फ़र्क़ नहीं पड़ता कि वह "अच्छा" करे या "बुरा"; ऐसा स्मारक बनेगा जो दुनिया पर उसके प्रभाव का आकार दिखाएगा।

शायद मेरा दाह-संस्कार होगा...

डायरी प्रविष्टि जुलाई 5, 2004 CE

और आतिशबाज़ी। मुझे दुख है कि पुलिस को जुलाई 4 को काम करना पड़ता है। मुझे दुख है कि हमें पुलिस की ज़रूरत ही पड़ती है। किसी पुलिस अधिकारी को निजी संपत्ति पर आकर आतिशबाज़ी का थैला उठाकर अपनी कार की डिक्की में नहीं फेंकना चाहिए। थैले में झाँके बिना भी। "बच्चों का क्या?" वह कुछ फुलझड़ियाँ निकाल सकता था ताकि हम अपना जुलाई 4

फिर भी मना पाते। जोलिएट शहर के इस पुलिस अधिकारी ने बिल्कुल परवाह नहीं की और कहा कि उसके पुलिस विभाग के प्रमुख ने आतिशबाज़ी पर 0 सहनशीलता का आदेश दिया है। इसलिए हमने विल काउंटी पुलिस विभाग को फ़ोन किया; उन्होंने माफ़ी माँगी और कहा, "हर पेशे में बेवक़ूफ़ होते हैं।" तथ्य यह है कि स्वाधीनता के लिए सहनशीलता चाहिए; अमेरिका सहनशीलता और अवज्ञा पर स्थापित हुआ था। जुलाई 4 को हम जो मनाते हैं, उसका बड़ा हिस्सा यही है... जब कोई पुलिस अधिकारी जुलाई 4 को निजी संपत्ति पर आता है, ऐसी चीज़ उठाकर अपनी डिक्की में फेंकता है जो उसकी नहीं है और फिर झूठा चालान लिखता है, तो वह अमेरिका की आत्मा लूटता है।

डायरी प्रविष्टि जुलाई 4, 2004 CE, अपराह्न 3:30 CST

तथाकथित एंटीक्राइस्ट? तथाकथित एंटीक्राइस्ट की डायरी? एक तथाकथित एंटीक्राइस्ट की डायरी?

119 पूर्वाह्न 11:40 CST जुलाई 3 की आतिशबाज़ी। अमेरिका का आकाश अवज्ञा की आग की रोशनी से जीवंत है। हमारे देश के लोग क़ानूनी कमियों के रास्ते ख़रीदी अवैध आतिशबाज़ी चला रहे हैं। शहर स्वतंत्रता और अवज्ञा से जीवंत है। ज़्यादातर अमेरिकी इस विद्रोही त्योहार का समर्थन और आनंद लेते हैं, जिसका अब भी अर्थ है... जुलाई 4 और मानव आत्मा के शांतिपूर्ण लेकिन नाटकीय प्रदर्शन की भावना, अमेरिकी सरकार के क़ानूनों तथा सत्ता की अथक अवज्ञा।

हम जनता नई अमेरिकी सरकार के सत्तावादी क़ानूनों को नज़रअंदाज़ करते हैं।

हम जनता सत्ता में बैठे लोगों और अनुचित क़ानून लागू करने वालों को उनकी अंधी आज्ञाकारिता के लिए ज़िम्मेदार ठहराते हैं। ऐसा कोई भी क़ानून लागू करना जो हमारे मानवाधिकार, मानवीय गरिमा या अपनी ज़िंदगी की आज़ादी लूटे... Vehmic अदालत के सामने न्याय के लिए तैयार रहो। तुम ज़िम्मेदार हो; तुम्हें न्याय के सामने लाया जाएगा।

मुझे लगता है मैं दूरदर्शी हूँ... सबसे ऊपर स्वाधीनता... इन सबके नीचे बुनियाद कला है, और बीच की हर चीज़ अभिव्यक्ति है।

डायरी प्रविष्टि जुलाई 3, 2004, अपराह्न 6:50 CST

I-80 पर एक यात्रा

पूर्वाह्न 3:26 CST अब भी पूर्णिमा है, हालाँकि इससे फ़र्क़ नहीं पड़ता। मैं कार में था और ड्राइवर को सीट बेल्ट न लगाने का चालान मिला... मुझे ग़ुस्सा आता है... मेरा एक दोस्त है जिसने अगर बेल्ट पहनी होती, तो अपनी टाँगें खो दी होतीं। दोनों तरह हो सकता है,

120 सरकार को व्यक्तिगत जोखिम, व्यक्तिगत आज़ादी तय करने या यह बताने का अधिकार नहीं कि अपने बच्चे को कैसे पालो। बेल्ट लगाओ या चालान भुगतो वाला साम्यवाद। सुरक्षा थोपने वाले क़ानून बनाने की कोशिश भर के लिए तुम जलोगे, जो ख़ुद सोचने की आज़ादी समाप्त करते हैं।

मैंने पूरी मानवता को एक चेतना के रूप में देखा। कोई "वह एंटीक्राइस्ट" या "मसीह" नहीं हो सकता; यह सब बस व्यवस्था का प्रतिबिंब है। हम अलग खड़े होने की कितनी भी कोशिश करें, मानवता के संदर्भ में जो कुछ कभी था, उसके प्रतिनिधि अब भी

हैं। एंटीक्राइस्ट और मसीह, मसीह और एंटीक्राइस्ट की व्यवस्थाओं के अनिर्वाचित मुखिया हैं। कोई सच्चा "एंटीक्राइस्ट" कभी नहीं होता, लेकिन हमेशा एक प्रतिनिधि "एंटीक्राइस्ट" या प्रतिनिधि "एंटीक्राइस्टों" का समूह होता है।

तो क्या चंद्रमा अपनी सारी महिमा और परावर्तित रोशनी के साथ हमारी यात्रा में मार्गदर्शन कर सकता है। "ईश्वर" की रोशनी, जैसी होती या होनी चाहिए थी, हमारे एक-दूसरे से व्यवहार को तय करने के लिए। यह "नब" का सूरज और दहन की रोशनी है। यह सिद्धांत कि "ईश्वर" एक बिगड़ा हुआ छोटा बच्चा है, या स्वयं ब्रह्मांड किसी बड़े प्राणी के पेट के भीतर एक परमाणु है... अपनी सारी व्यवस्थाओं, सारी बुराई और सारे प्रेम समेत मानवता, तुम्हारे किए से अधिक कुछ नहीं है। तुम किसी बहुत बड़ी व्यवस्था के भीतर औज़ार हो। मेरे आगे झुको... मैं योग्य नहीं हूँ... मैं बड़ी तस्वीर का प्रतिबिंब हूँ, और अगर मैं पैग़ंबर हूँ, तो "वह झूठा पैग़ंबर" नहीं, बस एक झूठा पैग़ंबर हूँ। क्योंकि कोई इंसान नहीं समझ सकता कि यह झूठों पर बना झूठ है, मानव आत्मा को उलझाने और ब्रह्मांड में छेद करके दूसरी ओर देखने के लिए। जब तुम शून्यता में झाँकोगे, तो मैं क़सम खाकर कहता हूँ, तुम्हें अपने किसी किए या करने की आशा के लिए कोई उम्मीद नहीं दिखेगी। हम एक जाति के रूप में (मानवजाति) तारों को देखते हैं और चाहते हैं कि ब्रह्मांड के लिए प्रकाश की किरण बन सकें, उम्मीद का बिंदु, व्यवस्था का औज़ार नहीं। यह दिन, सपना और तुम... इसे पढ़ते हुए यह पूछते हो, "क्या मैं ऐसा महसूस करता हूँ?" क्या 121 दुनिया का यही चलन है। जो तुम कहते हो, मैं कहता हूँ, वे कहते हैं। तो एक विचार, एक चेतना पुराने देवताओं को चुनौती देते हुए ब्रह्मांड में गूँजती है। हम जीवित हैं और अपने नाती-पोतों के दादा-दादी या नाना-नानी हैं, लेकिन जब यह लिखा गया, तो यह डर की आवाज़ थी और तुमसे प्रार्थना कि शायद उम्मीद अब भी मौजूद हो। यह ज्ञान कि आज़ादी झूठ है और स्वतंत्र घूमने वालों को रोका जाएगा, व्यवस्था के अनुरूप होने को मजबूर किया जाएगा। ताकि "हम" सर्वशक्तिमान हो सकें, ताकि "हम" सिर्फ़ इस दुनिया पर नहीं... सिर्फ़ इस ब्रह्मांड पर नहीं... बल्कि जो कुछ कभी था या कभी होगा, उस सब पर शासन कर सकें। खेल जारी है?

आदर्शों के लिए युद्ध, सत्ता के लिए युद्ध, नियंत्रण के लिए युद्ध... अंत में हम उन व्यवस्थाओं के लिए लड़ते हैं जिनका हिस्सा हैं, और यह व्यवस्था, यह व्यवस्था जिसमें तुम आ पहुँचे हो, एंटीक्राइस्ट कहलाती है। एकमात्र व्यवस्था जो पूरी तरह थोपी गई संपूर्ण अराजकता को समर्पित है। आज़ादी अराजकता है। अपनी आत्मा मुक्त करो, पशु के आगे झुको और एंटीक्राइस्ट व्यवस्था अपनाओ। अराजकता... मानवता की एकमात्र उम्मीद और एक सपना जिसका नाम है? बिलों से आज़ादी, IRS से... मानवीय ज़रूरतों और प्रेम के अब भी जटिल प्रश्न के अलावा हर चीज़ से।

शुभ रात्रि।

मूल **PDF** का पृष्ठ **64**

प्रूफ़ Createspace द्वारा मुद्रित Digital Proofer

प्रकाशक का पाठ

createspace

TM

Amazon.com की एक कंपनी